डाक पंजीयन सं. जयपुर सिटी/ 110/2024-26

website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. NO. RAJHIN/2006/16735 राजस्थान एवं केन्द्र सरकार से विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

रॉयल पत्रिका न्यूज पेपर, वेबसाइट और डिजिटल में विज्ञापन के लिए संपर्क करें - 8058969180

रॉयल पत्रिका

मुस्लिम रिश्तों और नौकरियों के लिए पढ़े पेज 5

वर्ष :19 | अंक : 45 | पेज: 8 | जयपुर, सोमवार, 09 दिसंबर से 15 दिसंबर 2024 | साप्ताहिक | मूल्य: 5 रुपए

क्या इण्डिया गठबंधन ईवीएम से चुनाव के विरोध में अभियान चलाएगा ?

- हरियाणा और महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में लगातार हार से इण्डिया गठबंधन के नेता बेचैन दिखाई दे रहे हैं।
- इण्डिया गठबंधन के नेता मानते हैं कि भाजपा के विरोध में माहौल होने के वाबजूद भाजपा गठबंधन जीत रहा है।

जयपुर(रॉयल पत्रिका)। इण्डिया गठबंनध मे शामिल पार्टियां महाराष्ट्र गठबंधन के बाद कमजोर दिखाई देने लगी हैं। गठबंधन के नेता एक दूसरे के खिलाफ बयान दे रहे है। महाराष्ट्र में समाजवादी पार्टी ने शिवसेना (उद्धव) का विरोध करते हुए इण्डिया गठबंधन छोड दिया है। ममता बनर्जी ने इण्डिया गठबंधन का नेतृत्व करने की इच्छा व्यक्त की है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का नेतृत्व करने की बात कहना एक तरह से कांग्रेस का विरोध करना है। लोकसभा चुनाव में भाजपा को 240 सीट पर रोकना और बहुमत से दूर रखने वाला इण्डिया गठबंधन आपसी खींचतान और कांग्रेस के स्वार्थ के कारण बिखरने लगा है। कांग्रेस ने हरियाणा विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी से गठबंधन नही करके गठबंधन को कमजोर करने की शुरूआत की थी। आम आदमी पार्टी की दिल्ली और पंजाब में सरकारें है और हरियाणा में निचले स्तर तक मजबूत पार्टी संगठन हैं। आम आदमी पार्टी हरियाणा में कांग्रेस से गठबंधन करना चाहती थी लेकिन कांग्रेस ने आम आदमी पार्टी से गठबंधन को काई तरजीह नही दी थी। इसी तरह कांग्रेस ने विधानसभा उपचुनावों में भी गठबंधन की पार्टीयों को कोई तरजीह नही दी। महाराष्ट्र में इण्डिया गठबंधन के लिए अच्छा माहौल था और इण्डिया गठबंधन विधानसभा चुनाव जीतने को लेकर निश्चिंत था। लेकिन विधानसभा परिणाम इण्डिया गठबंधन के लिए अकल्पनीय थे। महाराष्ट्र की हार के लिए इण्डिया गठबंधन अब ईवीएम को जिम्मेदार मानकर चल रहा है। क्योंकि महाराष्ट्र और हरियाणा में विधानसभा चुनाव का माहौल भाजपा के खिलाफ था, फिर भी दोनो राज्यों में भाजपा ने अप्रत्याशित जीत हासिल की थी।

- ईवीएम के खिलाफ आन्दोलन क्यों ?

इण्डिया गठबंधन के नेताओं और पार्टियों के बीच कितना भी विरोधाभास क्यों न हो लेकिन उनके लिए गठबंधन में रहने में ही भलाई है। गठबंधन के नेता मानते है कि उनकी पार्टिया तब तक चुनाव नही जीत सकती है जब तक चुनाव ईवीइम से होते रहेंगें। हरियाणा में किसान, मजदूर, पहलवान, महिलाऐं, दलित एवं अल्पसंख्यक आदि ज्यादातर वर्ग भाजपा से नाराज दिखाई दे रहे थे। फिर भी भाजपा ने बम्पर जीत हासिल की थी। इसलिए इण्डिया गठबंधन के नेता जरूरी समझने लगे है कि जब तक बैलेट पेपरों से चुनाव नहीं होंगे तब तक उनकी राजनीति गर्दिश में रहने वाली है। उनका यह भी मानना है कि चुनाव आयोग सत्तापक्ष के लिए एक तरफा झुकाव रखता है। सैकड़ों शिकायतें के बाद भी चुनाव आयोग निष्पक्ष सुनवाई नही कर सका है। विपक्षी पार्टियों और विपक्षी नेताओं को अपना अस्तित्व अब बैलेट पेपर से चुनाव होने मे ही नजर आ रहा है। इसलिए संभावना है कि इण्डिया गठबंधन के घटक दलो के नेता ईवीएम के खिलाफ एक बड़ा आन्दोलन कर सकता है। वैसे मजबूत लोकतंत्र के लिए बैलेट पेपर से चुनाव करवाना ठीक भी रहेगा। क्योंकि जिन देशो में ईवीएम से चुनाव की शुरूआत हुई थी, वहां अब बैलेट पेपर से ही चुनाव होते है। देश का चुनाव आयोग और सत्ताधारी पार्टी ईवीएम से ही चुनाव करवाना चाहेंगी। यही कारण है कि निकट भविष्य में पक्ष एवं विपक्षी पार्टियो में टकराव देखने को मिल सकता है।

मोदी सरकार की डबल पॉलिसी के चलते भारत कैसे बनेगा विकसित देश !

- एक तरफ निवेश बढाने के लिए देश विदेश के उद्योगपतियों को आमंत्रित किया जा रहा है तो दूसरी तरफ सांप्रदायिक दंगों को रोकने के लिए प्रयास नही किए जा रहे है।

- संभल जामा मस्जिद एवं ख्वाजा गरीब नवाज दरगाह शरीफ जैसे सांप्रदायिक मामले देशी और विदेशी निवेशको को निष्क्रिय कर सकते हैं

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान की भजनलाल सरकार प्रदेश को विकसित बनाने के लिए यहां बड़े उद्योग लगाना चाहती है, बिजली, सड़कों का सुदृढ़ ढ़ाचा तैयार करना चाहती है, सभी को शिक्षा के लिए आधुनिक स्कूल, कॉलेज एवं संस्थाए खोलना चाहती है। आधुनिक कृषि के लिए नवीनतम कृषि तकनीक अपनाना चाहती है। इसके लिए प्रदेश के मुख्यमंत्री, मंत्रियों एंव सरकार के आला अधिकारियों ने देश विदेश के निवेशकों को जयपुर में बुलाने के लिए राईजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट का आयोजन किया। जिसमें देश विदेश के निवेशक बढ़ी तादाद में आये और राजस्थान प्रदेश में निवेश करने में रूचि दिखाई। समिट का प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उदघाटन किया और निवेशको से राजस्थान और देश की आर्थिक गतिविधियों में भागीदार बनने का आव्हान किया। मोदी सरकार 2027 तक देश की अर्थव्यवस्था जीडीपी पांच ट्रिलियन तक पहुंचाना चाहती है। लेकिन मोदी सरकार के प्रयास पांच ट्रिलियन की जीडीपी पहुंचाने के लिए पर्याप्त दिखाई नही दे रहे है। यदि मोदी सरकार वास्तविक रूप से देश का विकास करना चाहती है तो लोकसभा और विधानसभा चुनावों देश के विकास को मुददा क्यो नही बनाती है। भाजपा ने देश में एक भी चुनाव रोजगार, शिक्षा, भ्रष्टाचार के मुददो पर नही लड़ा। भाजपा जैसे जैसे चुनाव नजदीक आता है देश में साम्प्रदायिक माहौल बनाना शुरू कर देती है। ऐसे में देशी और विदेशी निवेशकों में डर पैदा हो जाता है। निवेशकों को दुनिया का सबसे समझदार व्यक्ति माना जाता है। निवेशक अपनी पूंजी की सुरक्षा चाहते है। साम्प्रदायिक माहौल, दंगे-फसाद एवं सामाजिक टकराव निवेशकों और आर्थिक गतिविधियों के लिए ठीक नही माना जाता है।

संभल जामा मस्जिद एवं ख्वाजा गरीब नवाज दरगाह अजमेर शरीफ जैसे मुददे निवेशकों को चिंता में डालने वाले है-

वर्तमान में देश में मस्जिदों, दरगाहों के अन्दर हिन्दओं के प्रिय देवी देवताओं की मूर्तिया, मन्दिर खोजने का चलन चलने लगा है। जिससे मुस्लिम समुदाय देश भर में असहजता महसुस करने लगा है। उत्तर प्रदेश में संभल की जामा मस्जिद के अन्दर मन्दिर होने के लिए निचली अदालत में अर्जी दाखिल की गई। माननीय जज साहब ने बिना दूसरे पक्ष के सुने तुरंत जामा मस्जिद का सर्वे करने का आदेश पारित कर दिया। नतीजन संभल में मुस्लिम समुदाय एवं पुलिस के बिच झड़पे हुई जिसमें सैकड़ो लोग घायल हुए और पांच लोगों की गोली लगने से मौत हो गई। ख्वाजा गरीब नवाज दरगाह अजमेर को करोड़ो मुस्लिम और हिन्द दिलोजान से चाहते है। यहां किसी भी तरह का बदलाव पूरे देश में बड़ा बवाल खड़ा कर सकता है। देश में अफरा तफरी मच सकती है। क्या ऐसे माहौल के लिए देश विदेश के बड़े निवेशक अपनी पूंजी प्रदेश एवं देश में लगाने के लिए तैयार होगें।

शांति एवं सदभाव का माहौल बनाने की जरूरत -

देश में अयोध्या मामले के बाद अब किसी मस्जिद एवं दरगाह में शिवलिंग ढूढने की जरूरत नही होनी चाहिए। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने कहा था कि हर मस्जिद मे शिवलिंग ढूढना उचित नही है। हमे देश में मिलजुलकर रहना है। मोदी सरकार के लिए भी यही उचित रहेगा कि साम्प्रदायिक माहौल देश बना रहे। निवेशक हमेशा शांति एवं सोहार्द का माहौल चाहता है। अगर प्रदेश और देश में बड़े उद्योग एवं कारखाने लगाए जाते है और निर्यात बढ़त है तो देश आर्थिक रूप से मजबूत होगा और 1947 तक भारत विकसित का मोदी का सपना साकार होगा।लेकिन इसके लिए मन्दिर-मस्जिद की राजनीति करने वालों को नियत्रिंत करने की जरूरत है। अमेरिका,रूस एवं चीन में कही कही भी साम्प्रदायिक माहौल खराब नही होता है। यही कारण है कि यह देश भारत से बहुत आगे है। इसलिए जरूरी है कि देश और सभी प्रदेशो में शांति का माहौल बनेगा तो औद्योगिक एवं आर्थिक गतिविधियों मे तेजी आएगी एवं भारत देश 1947 तक विकसित बन जाएगा।

चुनौतियों से टकराने का नाम राजस्थान है- मोदी

-'राइजिंग राजस्थान' ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024 का किया उद्घाटन

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। 'राइजिंग राजस्थान' ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024 का का आगाज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया। राजधानी जयपुर में आयोजित हो रहे इस समिट में उद्घाटन के बाद पीएम मोदी कार्यक्रम में मौजूद लोगों को सम्बोधित किया। यह सम्मेलन जयपुर में 9 से 11 दिसंबर तक चलेगा। इसका मकसद राजस्थान में निवेश को बढ़ावा देना है। इसमें कई देशों के प्रतिनिधि और अंतरराष्ट्रीय संगठन हिस्सा लेंगे। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा- राजस्थान राइजिंग तो है ही रिलायबल भी है।

राजस्थान रिसेप्टिव भी है। समय के साथ खुद को रिफाइन करना भी जानता है। चुनौतियों से टकराने का नाम राजस्थान है। नए अवसर बनाने का नाम है राजस्थान। राजस्थान के इस आर फैक्टर में एक और नाम जुड़ गया है। राजस्थान के लोगों ने भारी बहुमत से रिस्पोंसिव रिफॉर्मिव सरकार बनाई है। जिस तरह राजस्थान का क्षेत्रफल बड़ा है, उसी तरह यहां के लोगों का दिल भी बहुत बड़ा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार सुबह करीब 10:10 बजे जयपुर पहुंचे। यहां सीतापुरा स्थित जयपुर एग्जीबिशन एंड कन्वेंशन सेंटर (जेईसीसी) में राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इनवेस्टमेंट समिट का उद्घाटन किया।

दोपहर करीब साढ़े बारह बजे तक मोदी कार्यक्रम में रहे। इसके बाद जयपुर एयरपोर्ट पहुंचे और हरियाणा के लिए रवाना हुए। उद्घाटन समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा- भारत के समृद्ध भविष्य में हम टूरिज्म का बहुत बड़ा पोटेंशियल देख रहे हैं। भारत में नेचर, कल्चर, एडवेंचर, कांफ्रेंस, डेस्टिनेशन वेडिंग और हेरिटेज टूरिज्म के लिए असीम संभावनाएं हैं। राजस्थान भारत के टूरिज्म मैप का प्रमुख केंद्र है। राजस्थान दुनिया के उन चुनिंदा स्थानों में से एक है, जहां लोग शादी-ब्याह और जीवन के पलों को यादगार बनाने के लिए आना चाहते हैं।

वाइल्ड लाइफ में भी राजस्थान में बहुत बड़ा स्कोप है। यहां रणथम्भौर, केवलादेव सहित कई स्थान ऐसे हैं, जो वाइल्ड लाइफ को पंसद करने वालों के लिए स्वर्ग है। मोदी ने कहा- राजस्थान के पास नेचुरल रिसोर्सेज हैं। राजस्थान के पास आधुनिक नेक्टिविटी का नेटवर्क है। एक समृद्ध विरासत है। बहुत बड़ा लैंडमार्क है। बहुत ही बड़ी युवा शक्ति भी है। यानी रोड से लेकर रोडवेज, रेलवे तक। हॉस्पिटिलिटी से लेकर हैंडीक्राफ्ट तक, राजस्थान के पास बहुत कुछ है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, केंद्रीय मंत्रिमंडल और राज्य मंत्रिमंडल के कई सदस्य, 5000 से अधिक निवेशक, कारोबार और व्यापार जगत के अधिकारी, डेलीगेट्स और अन्य प्रतिभागी मौजूद रहे। इसके अलावा, प्रधानमंत्री राजस्थान ग्लोबल बिजनेस एक्सपो का भी उद्घाटन करेंगे। बता दें को समिट से पहले ही 30 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्तावों के लिए एमओयू किये जा चुके हैं। पीएम मोदी की ओर समिट का उद्घाटन करने के बाद मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का स्वागत भाषण हुआ। 'राइजिंग राजस्थान' ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024 से पहले 30 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्तावों के लिए एमओयू किये जा चुके हैं। उद्घाटन सत्र में कुमार मंगलम बिड़ला, अनिल अग्रवाल, गौतम अडानी, आनंद महिंद्रा, संजीव पुरी, अजय एस. श्रीराम जैसे शीर्ष उद्योगपति और जापान के राजदूत केइची ओएनओ सहित कई व्यापारिक समूहों के शीर्ष अधिकारी और राजनयिक भी शामिल होने जा रहे हैं।

उद्घाटन सत्र में कुछ प्रतिष्ठित उद्योगपति मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान सरकार की ओर से शुरू किए गए प्रमुख नीतिगत सुधारों और उसके जरिए राज्य में आ रहे बदलाव और कारोबार-व्यापार जगत की व्यावसायिक क्षमता के बारे में अपने-अपने विचार साझा करेंगे। भजनलाल शर्मा ने कहा- समिट से पहले ही सरकार 35 लाख करोड़ का विभिन्न कंपनियों से MOU कर चुकी है। इसका लाभ सीधे राजस्थान और यहां के लोगों को मिलेगा। अब कृषि के साथ ही उद्योगों को भी पर्याप्त पानी मिल पाएगा।

हमने पहले साल में समिट का आयोजन इसलिए किया है कि अगले 4 सालों में हम निवेश को धरातल पर उतार सकें। इसके साथ ही 'प्रवासी राजस्थान सम्मेलन' और 'MSME सम्मेलन' भी होंगे। 'राजस्थान ग्लोबल बिजनेस एक्सपो' में 'राजस्थान पैवेलियन', 'कंट्री पैवेलियन' और 'स्टार्टअप्स पैवेलियन' जैसे कई मंडप भी होंगे।

इस सम्मेलन में 16 देशों और 20 अंतरराष्ट्रीय संगठनों समेत 32 से ज़्यादा देश हिस्सा लेंगे। यह सम्मेलन राजस्थान में निवेश के नए अवसर लाने में मददगार साबित हो सकता है।

प्रधानमंत्री की उपस्थिति इस आयोजन को और खास बनाएगी। इससे राजस्थान के विकास को गति मिलने की उम्मीद है। विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों के बीच विचारों का आदान-प्रदान होगा। नए व्यापारिक रिश्ते बनेंगे और निवेश के नए रास्ते खुलेंगे।

तुर्की ने असद सरकार गिरते ही सीरिया में खोला नया मोर्चा

अमेरिका समर्थित कुर्दों पर किया भीषण हमला

दमिश्क(एजेंसी)। सीरिया में गृहयुद्ध के बीच तुर्की ने कुर्द बलों पर हमला किया है। यह हमला पूर्वी अलेप्पो प्रांत में हुआ है। तुर्की की सेना और तुर्की समर्थित मिलिशिया ने अमेरिका समर्थित कुर्द बलों, एसडीएफ पर हमला किया। तुर्की और अमेरिका दोनों ही असद सरकार के विरोधी रहे हैं लेकिन कुर्दों के मुद्दे पर दोनों के हित अलग हैं। अमेरिका कुर्दों को आईएसआईएस के खिलाफ लड़ाई में सहयोगी मानता है। वहीं तुर्की कुर्दों को आतंकवादी संगठन पीकेके से जोड़ता है। तुर्की सरकार पीकेके को अपनी जमीन पर आतंक फैलाने का जिम्मेदार ठहराता है।

कुछ मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, ब्रिटेन स्थित युद्ध निगरानी संस्था SOHR और कुर्द बलों ने बताया है कि तुर्की सेना और तुर्की समर्थित मिलिशिया ने पूर्वी अलेप्पो प्रांत में अमेरिका समर्थित कुर्द बलों पर हमला किया। असद के सत्ता से हटने के बाद सीरिया में अराजकता और अनिश्चितता के बीच तुर्की ने कुर्दों के खिलाफ ये नया मोर्चा खोला है। कुर्द AANES के तहत उत्तरपूर्वी सीरिया को नियंत्रित करता है और अमेरिका का खास सहयोगी है। ऐसे में अमेरिकी सरकार भी इस पर प्रतिक्रिया दे सकती है।

हमले में 22 की मौत

SOHR और कुर्दों की ओर से कहा गया है कि तुर्की समर्थित एसएनए भाड़े के सैनिकों और पूर्व अपराधी समूहों से बना गुट है। इस गुट के लड़ाकों ने शनिवार को पूर्वी अलेप्पो के मनबिज शहर में एसडीएफ पर हमला किया। **शेष पृष्ठ 2 पर...**

बूथ स्तर पर नगर मंडल प्रभारी ने कार्यकर्ताओं के साथ ली बैठक

चौमूँ(रॉयल पत्रिका)। चौमू क्षेत्र में भाजपा नगर मंडल चौमूँ में संगठन महापर्व-2024 के अंतर्गत बूथ स्तर पर कार्यकर्ताओं की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में भाजपा सदस्यता अभियान प्रभारी रतना कंवर और मंडल अध्यक्ष गजानंद कुमावत की उपस्थिति में बूथ अध्यक्ष और बूथ कार्यकारिणी का सर्वसम्मति से गठन किया गया। इस मोके पर बूथ अध्यक्ष नीरू कुमावत, गुलाब चंद लम्बा, सुरेंद्र कुमावत, राजेंद्र प्रजापत, मदन गोरा, संदीप शर्मा, रजनी शर्मा, राहुल बगड़ा, सत्यनारायण पारीक, महेश सेरावत, महेंद्र यादव, मुकेश जांगिड, राजकुमार बराला सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

तहफ़्फ़ुज़ ए ओक़ाफ़ इजलास ए आम का हुआ आयोजन

सवाई माधोपुर(रॉयल पत्रिका)। सवाई माधोपुर के अंजुमन चौक में शुक्रवार को बाद नमाज ए ईशा तहफ़्फ़ज़ ए ओक़ाफ़ इजलास ए आम हुआ। जिसकी शुरूआत क़ुरआन की तिलावत से क़ारी इज़हार उल हक क़ासमी (गंगापुर सिटी) ने की। नबी करीम सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम की शान में नात मौलाना इकरामुद्दीन सूरवाल ने पढ़ी और जामा मस्जिद सिटी के इमाम व खतीब मौलाना जमीलुद्दीन साहब नदवी ने लोगों से अपने बच्चों को तालीम दिलवाने को ज़रूरी बताया। उन्होंने कहा कि जब आपके बच्चे पढ़ेंगे तो मस्जिद-मदरसों और स्कूलों को आबाद करेंगे और आबाद चीज़ पर कोई कब्ज़ा नहीं करता, आपके घर आबाद हैं तो किसी की निगाह नहीं जाती, खाली प्लाट पर लोग कब्ज़ा कर लेते हैं। इसलिए अपनी मस्जिदों को 24 घंटे आबाद करने की फिक्र करो, ज़ालिम की निगाह सिर्फ मस्जिदों पर है। कभी ज्ञानवापी, कभी मथुरा, कभी काशी और अब संभल व अजमेर दरगाह। आप इनको आबाद करके इन मासूमों के खून के प्यासों को ये बतला सकते हैं कि अभी उम्मत ए मुस्लिमा के ज्याले जिंदा हैं और मजीद इस और ध्यान दिलाया कि ज़ालिम की बिगड़ती ही है। जब नीयत तो काम नहीं आती दलील ओ हुज्जत, जैसे बाबरी मस्जिद का फैसला 10 नुकात गिनाए जिनमें मस्जिद थी सिर्फ आस्था की बुनियाद पर फैसला और आप हम सब ने मान लिया। आज जो कुछ हो रहा है वह इसीलिए हो रहा है कि हम ने कोई ऑब्जेकशन नहीं किया। इसलिए इनकी हिम्मत हो रही है। इस लिए तैयार रहें और अपनी ओकाफ की खुद रखवाली करें। मौलाना असलम सल्फी और क़ाज़ी निसार उल्लाह साहब शहर क़ाज़ी सवाई माधोपुर ने भी लोगों को एक और नेक रहकर मखलूक की खिदमत करने की बात कही। शहर काजी मोहम्मद इरफान उल्लाह ने भी अपनी खास पेशकश रखी ओर ध्यान आकर्षित किया। निज़ामत मौलाना मुहम्मद अबसार नाशरी ने की, प्रोग्राम में मौलाना शोएब कागजी, हाफिज राशिद, हाफिज तबरेज, रईस अहमद, हाफिज मोहम्मद काशिफ व अन्य लोग मौजूद रहे।

(ग़ज़ल)

ये क्या के तेरा आशिक़-ए-बे-क़रार था कभी
इन स्याह जुल्फ़ों में रहा उस्तुवार था कभी

पत्थर तेरे दर का आज मैं हुआ तो क्या
हर बज़्म का इक गौहर-ए-आबदार था कभी

कर दे मुझे रुसवा अगर तो करूं मैं क्यूं गिला
टूटे हुआ ये जाम जो राज़दार था कभी

ये मद-भरी आँखें लहू जो बहा रही है अब
हर अश्क़ पर इनका कोई ग़म-गुसार था कभी

अब है कहाँ तुमने चलाया अदा से इश्क़ में
वो तीर मेरे दिल के जो आर-पार था कभी

जो इश्क़ अफ़साना बना घूमता है ज़ेहन में
वो दिल में उलफ़त का घना आबशार था कभी

आता पलट कर मय-कदे से तेरी गली में जो
गुम है अज़ीज़ जो तेरा जाँ-निसार था कभी

स्वरचित : अब्दुल अज़ीज़
8114456065
झालावाड (राज,)

आरक्षण लॉटरी प्रक्रिया में एससी एसटी वर्ग भी हो शामिल

- पूर्व पार्षद राजेश वर्मा ने स्वायत्त शासन मंत्री के नाम विधायक डॉ0 शिखा मील बराला को सौंपा ज्ञापन

चौमूं(रॉयल पत्रिका)। आगामी स्थानीय निकाय चुनावों में अनुसूचित जाति एवं जनजाति वर्ग को भी आरक्षण लॉटरी प्रक्रिया में शामिल किए जाने की मांग को लेकर बुधवार को पूर्व पार्षद राजेश कुमार वर्मा ने शहर के कचोलिया रोड स्थित विधायक कार्यालय पर विधायक डॉ० शिखा मील बराला से भेंटकर राजस्थान सरकार के स्वायाय शासन मंत्री झाबर सिंह खर्रा के नाम ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में वर्मा ने बताया कि प्रदेश के स्थानीय निकाय चुनावों में अनुसूचित जाति (एससी) एवं अनुसूचित जनजाति (एसटी) वर्ग को वर्ष 2010 के बाद से निकाय चुनावों में आरक्षण संबंधी प्रक्रिया में बदलाव किए जाने के परिणामस्वरूप अनुसूचित जाति एवं जनजाति वर्ग के लिए उन्हीं वार्डों को आरक्षित किया जाता है, जहां उनकी जनसंख्या अधिक है। इससे इन वर्गों को अन्य वार्डों में चुनाव लडने और प्रतिनिधित्व के समान अवसर से वंचित होना पड़ता है। यह व्यवस्था न केवल असंतुलित है बल्कि इन वर्गों के साथ अन्याय भी है। वर्मा ने बताया कि इन वर्गों के लिए वार्ड आरक्षण केवल उनकी आबादी के आधार पर सुनिश्चित किया जाता है, जबकि अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) एवं सामान्य वर्ग के लिए आरक्षण की प्रक्रिया में लॉटरी निकाली जाती है। वर्मा ने बताया कि वर्ष 2010 से पहले की प्रक्रिया में, सभी वर्गों को समानता के आधार पर आरक्षण की लॉटरी प्रक्रिया में शामिल किया जाता था। जिससे हर वर्ग को समान अवसर मिलते थे। अतः ज्ञापन के माध्यम से वर्मा ने प्रदेश के आगामी निकाय चुनावों में विधायक बराला से अनुसूचित जाति एवं जनजाति वर्ग को भी अन्य वर्गों के समान आरक्षण लॉटरी प्रक्रिया में शामिल किए जाने की मांग की। इस अवसर युवा नेता पंकज गोठवाल भी उपस्थित थे।

सरकार के एक वर्ष का कार्यकाल पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों की तैयारियों को अंतिम रूप देने के निर्देश

सवाई माधोपुर(रॉयल पत्रिका)। वर्तमान सरकार के एक वर्ष का कार्यकाल पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों के लिए आवश्यक व्यवस्थाओं के संबंध में सोमवार को जिला कलक्टर शुभम चौधरी की अध्यक्षता में समस्त विभागीय अधिकारियों के साथ कलेक्ट्रेट परिसर स्थित भारत निर्माण राजीव गांधी सेवा केन्द्र के वीसी कक्ष में बैठक आयोजित हुई। जिला कलक्टर ने बताया कि 12 दिसंबर को जिला मुख्यालय पर रन फॉर विकसित राजस्थान, युवा सम्मेलन/ रोजगार उत्सव, जिला स्तरीय प्रदर्शनी, पंच गौरव, फल-फूल प्रदर्शनी व जिला दर्शन पुस्तिका का विमोचन किया जाएगा। इस दौरान प्रेस वार्ता का भी आयोजन किया जाएगा। जिला स्तरीय स्तरीय प्रदर्शनी के दौरान सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, उद्यान, जिला उद्योग एवं वाणिज्य केन्द्र, सार्वजनिक निर्माण विभाग, जन स्वास्थ्य एवं अभियंत्रिकी विभाग सहित विभिन्न विभागों द्वारा लगाई जाने वाली प्रदर्शनी में मॉडल्स, फ्लैक्स, पम्फलेट आदि के माध्यम से विभिन्न योजनाओं व कार्यक्रमों की जानकारी दी जाएगी।

उन्होंने बताया कि पंच गौरव स्टॉल में फल-अमरूद, प्रजाति-नीम, खेल-फुटबॉल, पर्यटन स्थल-रणथम्भौर टाईगर रिजर्व एवं उत्पाद-मार्बल मूर्तियां का प्रदर्शन किया जाएगा। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि सरकार द्वारा एक वर्ष में किए गए विकास कार्यो, विभिन्न योजनाओं की प्रगति व विकास मॉडलों के माध्यम से एक वर्ष में हुए विकास को दर्शाया जाएगा। उन्होंने पंच गौरव कार्यक्रम की पूर्व तैयारियों के संबंध में शिक्षा विभाग, कृषि विभाग, पर्यटन विभाग, उद्योग विभाग तथा वन विभाग को निर्देश दिए। उन्होंने जिला स्तरीय प्रदर्शनी के आयोजन स्थल पर टेन्ट, लाईट, माईक, पेयजल आदि की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश नगर परिषद आयुक्त को प्रदान किए।उन्होंने 12 दिसंबर को प्रातः 7:30 बजे रन फॉर विकसित राजस्थान के तहत इन्दिरा मैदान से पुलिस लाईन तक आयोजित होने वाली जिला स्तरीय दौड़ में निजी व सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थी, खिलाड़ियों, पुलिस, होमगार्ड, आरएसी, एनसीसी, एनएसएस, नगर परिषद के कार्मिक, वन विभाग सहित अन्य जिला स्तरीय कार्यालयों के कार्मिक इस दौड़ में भाग लेंगे। वहीं उन्होंने 13 दिसंबर को किसान सम्मेलन, 14 दिसंबर को महिला सम्मेलन, 15 दिसंबर को अन्त्योदय सेवा शिविर, 17 दिसंबर को राज्य स्तरीय समारोह के लिए भी संबंधित अधिकारियों को आवश्यक तैयारियों पूर्ण करने के निर्देश दिए है। बैठक में जिला पुलिस अधीक्षक ममता गुप्ता, अतिरिक्त जिला कलक्टर धारा सिंह मीणा, सहायक कलक्टर रूबी अंसार, उप निदेशक सूचना एवं जनसम्पर्क हेमन्त सिंह, सीएमएचओ डॉ. धर्मसिंह मीणा, अधीक्षण अभियंता पीडब्ल्यूडी हरि सिंह मीणा, अधीक्षण अभियंता विद्त विभाग हरीश चन्द मंगल सहित संबंधित विभागीय अधिकारी एवं कार्मिक उपस्थित रहे।

उदय सिंह गुर्जर खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय भारत सरकार की परामर्शदात्री समिति के राष्ट्रीय सदस्य नियुक्त

सवाई माधोपुर(रॉयल पत्रिका)। भारतीय जनता पार्टी सवाई माधोपुर के जिला महामंत्री उदय सिंह गुर्जर को जिलाध्यक्ष सुशील दीक्षित की अनुशंसा पर उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय भारत सरकार की और से भारतीय खाद्य निगम की परामर्शदात्री समिति का राष्ट्रीय सदस्य मनोनीत किया गया है। जिला मीडिया प्रभारी सुरेन्द्र शर्मा ने बताया कि गुर्जर के खाद्य निगम का राष्ट्रीय सदस्य मनोनयन पर भाजपा पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर है। भाजपाइयों ने उनके मनोनयन के लिए पार्टी के प्रदेश नेतृत्व, राष्ट्रीय नेतृत्व और भारत सरकार का आभार जताया है। गौरतलब है कि उदय गुर्जर पूर्व में पंचायत समिति गंगापुर सिटी में सदस्य एवं युवा मोर्चा के सदस्य रहे हैं और विगत एक वर्ष से भाजपा के महत्वपूर्ण दायित्व जिला महामंत्री का भी निर्वहन कर रहे है।

पृष्ठ 1 का शेष...

तुर्की ने असद सरकार गिरते...

एसडीएफ ने द न्यू यॉर्क टाइम्स को बताया कि एसएनए के जमीनी हमले को तुर्की के लड़ाकू विमानों और ड्रोन से अंजाम दिया गया, जिसमें एसडीएफ के 22 लोग मारे गए और 40 घायल हुए। SOHR ने बताया है कि एक दूसरी घटना में तुर्की के आत्मघाती ड्रोन ने कुर्द सैन्य अड्डे पर हमला किया।

वाशिंगटन इंस्टीट्यूट फॉर नियर ईस्ट पॉलिसी की सीनियर फेलो देवोरा मार्गोलिन का कहना है कि असद के सत्ता से हटने की अराजकता के बीच तुर्की सीरिया के नक्शे को अपने हितों के अनुसार बदलना चाहता है। तुर्की का सीरिया के उत्तरी सीमावर्ती क्षेत्रों में कुर्दों पर हमला करने का एक लंबा इतिहास रहा है। तुर्की ने लगातार कुर्दों को सीमा से दूर धकेलने और एक बफर जोन स्थापित करने की कोशिश की है। मार्गोलिन का कहना है कि सीरिया अनिश्चितता में घिरा हुआ है तो तुर्की इसका इस्तेमाल अपने लिए करने की कोशिश में है। तुर्की और उसका प्रॉक्सी एसएनए सीरिया के नक्शे को बदलना चाहते हैं। वे मौजूदा समय का इस्तेमाल सत्ता हथियाने और एसडीएफ को कमजोर करने के लिए कर रहे हैं।

परिषद के बेड़े में सेप्टिक टैंक सफाई मशीन शामिल करने की मांग को लेकर पूर्व पार्षद राजेश वर्मा ने आयुक्त दिलीप शर्मा को सौंपा ज्ञापन

चौमूं(रॉयल पत्रिका)। नगर परिषद चौमूं के बेड़े में शीघ्र सेप्टिक टैंक सफाई मशीन की व्यवस्था करवाए जाने की मांग को लेकर सोमवार को पूर्व पार्षद राजेश कुमार वर्मा ने नगर परिषद आयुक्त दिलीप शर्मा से भेंटकर ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में वर्मा ने बताया कि नगर परिषद चौमूं के अंतर्गत निवासरत आमजन को अपने सीवर टैंकों की सफाई करवाने के लिए निजी सीवर टैंकरों पर निर्भर रहना पड़ता है। इन निजी टैंकरों द्वारा 1500 से 2000 रुपये प्रति बार सफाई शुल्क वसूल किया जाता है, जो कि आम नागरिकों के लिए

एक आर्थिक बोझ है। वर्मा ने बताया कि प्रदेश की कई छोटी नगर पालिकाओं के पास अपने सीयर टैंक उपलका है. जिनसे वहां के नागरिकों को सुविधा प्राप्त होती है। यदि नगर परिषद चौमूं के भी अपने बेड़े में सीवर टैंक शामिल कर लेती है, तो इससे न केवल आमजन को राहत मिलेगी बल्कि नगर परिषद के राजस्व में भी वृद्धि होगी। अतः ज्ञापन के माध्यम से वर्मा ने शर्मा से अनुरोध करते हुए नगर परिषद के बेड़े में शीघ्रता से सीविर टैंक को शामिल करने की प्रक्रिया प्रारंभ करने कि मांग की।

सड़क स्वीकृति पर पूर्व विधायक रामलाल शर्मा का ग्रामवासियों ने किया अभिनंदन

- कानरपुरा स्टैंड से स्वामियों की ढाणी होते हुए दौलतपुरा तक 2.7 किमी लंबाई की सड़क में आएगी 75 लाख की लागत

चौमूँ(रॉयल पत्रिका)। ग्राम पंचायत विमलपुरा में कानरपुरा स्टैंड से स्वामियों की ढाणी होते हुए दौलतपुरा तक सड़क स्वीकृति और कार्य प्रारंभ पर ग्रामवासियों द्वारा पूर्व विधायक रामलाल शर्मा का अभिनंदन किया गया। पूर्व विधायक शर्मा ने सड़क स्वीकृति के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का आभार व्यक्त किया।

ग्राम पंचायत विमलपुरा में कानरपुरा स्टैंड से स्वामियों की ढाणी होते हुए दौलतपुरा तक 2.7 किलोमीटर लंबाई की सड़क के निर्माण में 75 लाख की लागत आएगी। पूर्व विधायक शर्मा ने बताया कि कानरपुरा स्टैंड से स्वामियों की ढाणी होते हुए दौलतपुरा तक सड़क निर्माण से ग्रामवासियों को आवागमन में सुविधा मिलेगी। ग्रामवासियों द्वारा पूर्व विधायक रामलाल शर्मा का माला एवं साफ़ा पहनाकर अभिनंदन कर धन्यवाद ज्ञापित

किया। इस मौक़े पर पंचायत समिति प्रधान रामस्वरूप यादव, पूर्व सरपंच रामगोपाल मीणा, , जिला परिषद सदस्य प्रतिनिधि ओमप्रकाश दुसाद, कालाडेरा सरपंच अशोक शर्मा, भगवान सहाय यादव वरिष्ठ पत्रकार , प्रहलाद दास स्वामी, बनवारी दास स्वामी, सीताराम दास स्वामी, रामगोपाल बाबूजी, राधेश्याम शर्मा, लक्ष्मण स्वामी, रामावतार स्वामी, रामेश्वर स्वामी, प्रभात स्वामी, दौलतराम स्वामी, लालचंद, ओमप्रकाश, बंटी, कमल, सुभाष, कृष्ण, किशन लाल, कैलाश, दिनेश, सुभाष, जितेंद्र, संदीप सहित ग्रामवासी उपस्थित रहे।

देश में खनन उद्योग के लिए मील का पत्थर साबित होगा विश्व का पहला ज़िंक पार्क- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

- राजस्थान के मुख्यमंत्री ने की वेदांता हिन्दुस्तान ज़िंक द्वारा विश्व के पहले ज़िंक पार्क की घोषणा
- वेदांता समूह के अध्यक्ष अनिल अग्रवाल ने राइजिंग राजस्थान 2024 में दुनिया के पहले ज़िंक पार्क की योजनाओं का किया अनावरण

जयपुर(रॉयल पत्रिका)। राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024 में विश्व की दूसरी सबसे बड़ी एकीकृत ज़िंक उत्पादक वेदांता की हिन्दस्तान ज़िंक ने राजस्थान में दुनिया के पहले औद्योगिक ज़िंक पार्क के योजना की ऐतिहासिक घोषणा की।

प्रदेश के औद्योगिक भविष्य में इस महत्वपूर्ण क्षण के अवसर पर भारत के प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी, राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा, और वेदांता समूह के अध्यक्ष श्री अनिल अग्रवाल उपस्थित थे।

वेदांता समूह के अध्यक्ष अनिल अग्रवाल ने वेदांता के राजस्थान में ज़िंक, ऑयल एण्ड गैस तथा रिन्यूएबल एनर्जी क्षेत्रों में 1 लाख करोड़ रुपये के नए निवेश में ज़िंक पार्क को महत्वपूर्ण बताया। महत्वाकांक्षी गैर-लाभकारी ज़िंक पार्क एक परिवर्तनकारी औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र के रूप में कार्य करेगा, जो मेटल्स और मैन्यूफैक्चरिंग में अपस्ट्रीम और डाउनस्ट्रीम दोनों उद्योगों को आगे बढ़ाएगा। समारोह के दौरान हिन्दस्तान ज़िंक लिमिटेड की चेयरपर्सन प्रिया अग्रवाल हेबबार और हिन्दस्तान ज़िंक लिमिटेड के सीईओ अरुण मिश्रा भी मौजूद थे, जिन्होंने इस ऐतिहासिक पहल के महत्व को रेखांकित किया। प्रस्तावित जिंक पार्क हिन्दस्तान ज़िंक की अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त चित्तौड़गढ़ के चंदेरिया में दुनिया का सबसे बड़ा ज़िंक-लेड स्मेल्टर और दरीबा और देबारी में श्रेष्ठ तकनीक से संचालित स्मेल्टर के पास होगा। इससे हजारों रोजगार का सृजन और विश्व स्तरीय इंफ्रास्ट्रक्चर, विकसित औद्योगिक भूमि, विश्वसनीय उपयोगिताएं, कच्चे माल की निरंतर आपूर्ति और प्रतिस्पर्धी लागत प्रदान करेगा, जिससे व्यवसाय निर्बाध रूप से अपना संचालन कर सकेंगे। पार्क पूर्ण रूप से रिन्यूएबल एनर्जी पर संचालित होगा, जो हिन्दस्तान ज़िंक की सस्टेनेबिलिटी के प्रति प्रतिबद्धता के अनुरूप है। यह बड़े उद्यमों से लेकर एमएसएमई और नये उद्यमियों के उद्योगों के लिए 5 करोड़ रुपये से कम के शुरुआती निवेश के साथ व्यापक मंच प्रदान करेगा, जो ज़िंक, लेड और सिल्वर तथा संबंधित सहउत्पाद की आवश्यकता वाले क्षेत्रों की आवश्यकता की पूर्ति करेगा। इसके अतिरिक्त, पार्क सप्लायर्स, रॉमटेरियल, मेनटेंनेन्स सर्विस और इक्विपमेंट सप्लायर्स के लिए लागत प्रभावी और संसाधन-कुशल वातावरण प्रदान करेगा। ज़िंक पार्क नवाचार का केंद्र भी होगा, जिसमें हिन्दस्तान ज़िंक के उत्कृष्टता केंद्र और अनुसंधान एवं विकास सुविधाओं तक पहुंच होगी राजस्थान के मजबूत संस्थागत माहौल के समर्थन से, यह पार्क राज्य के विभिन्न नीतिगत लाभों तक पहुंच को सक्षम करेगा, जिससे घरेलू और वैश्विक बाजारों तक पहुंच संभव होगी। राजस्थान के माननीय मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने कहा कि, "हम राजस्थान में दुनिया का पहला ज़िंक पार्क स्थापित करने की वेदांता की पहल का स्वागत करते हैं। राजस्थान की नई डबल इंजन सरकार माननीय प्रधानमंत्री के 2047 तक विकसित भारत के विजन के प्रति प्रतिबद्ध है। राजस्थान देश में सबसे अच्छी व्यापार-अनुकूल नीतियां, प्रोत्साहन और सहयोग दे रहा है। राजस्थान में संसाधनों की प्रचूरता और बड़े पैमाने पर निवेश की योजना के साथ, पूरा राज्य तंत्र हर कदम पर उद्यमियों के साथ खड़ा है। मैं यह सुनिश्चित करूंगा कि राज्य सरकार निवेशकों को राजस्थान में आने और निवेश करने और समृद्ध भविष्य के निर्माण में हमारे साथ जुड़ने के लिए पूर्ण समर्थन दे।"

करौली में पटवारी 6 हजार 500 रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार

करौली(रॉयल पत्रिका)। ए.सी.बी. मुख्यालय के निर्देश पर करौली इकाई द्वारा आज कार्यवाही करते हुये पूरन चंद खारवाल पटवारी, पटवार हल्का सायपुर व गुनेसरा, तहसील व जिला करौली को परिवादी से 8 हजार रुपये रिश्वत राशि लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिदेशक श्री डॉ. रवि प्रकाश मेहरड़ा ने बताया कि ए.सी.बी. की करौली इकाई को परिवादी द्वारा शिकायत दी गई कि कृषि भूमि का विरासत के आधार पर नामान्तकरण खोलने की एवज में आरोपी पूरन चंद खारवाल पटवारी द्वारा 8 हजार रुपये रिश्वत राशि मांग कर परेशान किया जा रहा है। जिस पर एसीबी भरतपुर के उप महानिरीक्षक पुलिस श्री राजेश सिंह के सुपरवीजन में एसीबी की करौली इकाई के प्रभारी पुलिस

निरीक्षक श्री जगदीश भारद्वाज के नेतृत्व में शिकायत का सत्यापन किया जाकर आज उनके द्वारा मय टीम के ट्रेप कार्यवाही करते हुये आरोपी पूरन चंद खारवाल पटवारी को परिवादी से 6 हजार 500 रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया है। उल्लेखनीय है कि आरोपी पटवारी द्वारा शिकायत के सत्यापन के दौरान भी परिवादी से 1500 रुपये रिश्वत के रूप में वसूल किये जा चुके हैं। एसीबी की अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस श्रीमती स्मिता श्रीवास्तव के निर्देशन में आरोपी से पूछताछ एवं कार्यवाही जारी है। एसीबी द्वारा मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के अन्तर्गत प्रकरण दर्ज कर अग्रिम अनुसंधान किया जायेगा।

रॉयल पत्रिका को पेमेंट करने का तरीका

रॉयल पत्रिका में भुगतान नकद या चेक द्वारा रॉयल पत्रिका के पंजाब नेशनल बैंक, त्रिपोलिया बाजार, जयपुर के खाता संख्या 1939002100241695 में या पंजाब नेशनल बैंक की किसी भी नजदीकी शाखा में जमा करवा सकते हैं अथवा IFSC Code PUNB0193900 पर भी भुगतान नेट बैंकिंग के द्वारा कर सकते हैं। आपके सहयोग के लिए धन्यवाद।

-संपादक

Scan Here

गृह राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढ़म का राजसमंद—देवगढ़ का दौरा

- अर्जुनगढ़ में किया जनसंवाद, अधिकारियों को आमजन की समस्याओं का समाधान करने के दिए निर्देश,

- निर्धन परिवार के घर किया भोजन, श्री देवनारायण जी मंदिर में किए दर्शन

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम ने शनिवार को राजसमंद जिले के देवगढ़ क्षेत्र का दौरा किया और अर्जुनगढ़ गांव में जनसंवाद कार्यक्रम आयोजित किया। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को मौके पर ही समाधान के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनता की समस्याओं का संवेदनशीलता के साथ त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने अर्जुनगढ़ स्थित श्री देवनारायण मंदिर में दर्शन कर आशीर्वाद लिया। इसके बाद

सामाजिक समर्पण का परिचय देते हुए एक निर्धन परिवार के घर पहुंचकर भोजन ग्रहण किया और समाज के सभी तबकों को साथ लेकर चलने का संदेश दिया। जिले में पधारने पर मंत्री का जनप्रतिनिधियों द्वारा भव्य स्वागत किया गया।

संजय बाजार का हटवाड़ा बना लोगों के जी का जंजाल

- दुकानों के बाहर लगा रहे अवैध हटवाड़ा, रोकने वाला कोई नहीं

- अवैध हटवाड़े के विरोध में व्यापारी देंगे 12 दिसंबर को धरना

- 32 साल पहले हुई थी हटवाड़े की शुरुआत

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। ऐतिहासिक संजय बाजार में हर सप्ताह लगने वाले अवैध हटवाड़े ने स्थानीय लोगों और व्यापारियों का जीवन दूभर कर दिया है। अवैध अतिक्रमण के कारण सड़कें बाधित हो रही हैं यातायात ठप है। व्यापारियों के साथ-साथ आम लोगों के लिए भी ये हटवाड़ा अब परेशानी का सबब बन चुका है। रविवार के दिन घाटगेट के दोनों दरवाजों से लेकर पूरे संजय बाजार से जौहरी बाजार तक फुटपाथ कारोबारी अपनी दुकान लगाकर बैठते हैं। जिससे वहां जाम की स्थिति बन जाती है। यदि ऐसे में कहीं कोई दुर्घटना हो जाए या आग लग जाए तो वहां फायर ब्रिगेड का निकलना भी बड़ा मुश्किल है साथ ही किसी बीमार को ले जाने वाली एंबुलेंस भी इस जाम में फंस सकती है। यह अवैध हटवाड़ा न केवल कानून व्यवस्था के लिए चुनौती बन गया है बल्कि न्यायपालिका के आदेशों की अवमानना का भी उदाहरण बन चुका है। राजस्थान उच्च न्यायालय ने इस अवैध हटवाड़े को हटाने का आदेश दिया है। बावजूद इसके जयपुर नगर निगम (हेरिटेज) और पुलिस प्रशासन ने इस पर कोई ठोस कदम नहीं उठाया। क्षेत्र में अवैध वसूली और कब्जे के मामले बढ़ रहे हैं जिससे आमजन में असुरक्षा का माहौल है। संजय बाजार का यह अवैध हटवाड़ा प्रशासन की कार्यशैली और प्राथमिकताओं पर सवाल खड़ा करता है। शहर में 61 हजार स्ट्रीट वेंडर्स के अलावा 11 हजार फुटपाथ कारोबारी हैं, जो जबरन हाट-बाजार लगा रहे हैं। इससे निगम को टैक्स देने वाला और पार्किंग शुल्क देने वाला व्यापारी व रहवासी परेशान हैं। जबकि फुटपाथ कारोबारी जितना मर्जी अतिक्रमण करें और जितना चाहें गंदगी फैलाएं उनको रोकने वाला कोई नहीं। वजह निगम की जोन शाखा, विजिलेंस शाखा और स्थानीय थाना की अनदेखी या मिलीभगत है। संजय बाजार के व्यापारी हटवाड़ा हटाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। उनका कहना है कि अवैध हटवाड़े से उनका धंधा चौपट हो गया है, क्योंकि संजय बाजार में शनिवार रात से फुटपाथ कारोबारी आते हैं और रविवार तड़के से देर रात तक हटवाड़ा लगाते हैं, इससे गंदगी वहां फैल जाती है, जिसे निगम दो दिन तक साफ नहीं कर पाता है। दूसरी तरफ जौहरी बाजार,

अल्बर्ट हॉल व हवामहल देखने आने वाले सैलानियों के सामने भी शहर की छवि खराब होती है। कोर्ट ने हेरिटेज नगर निगम से पूछा था कि जौहरी बाजार के पास स्थित संजय बाजार में हटवाड़ा लगाने की मंजूरी किसने दी और क्या फुटपाथ व्यापारियों ने इसका लाइसेंस ले रखा है? हाईकोर्ट ने नगर निगम से इस संबंध में जवाब तलब किया है। लेकिन उसमें निगम अफसरों ने जानबूझ कर तथ्य ही पेश नहीं किए और ना ही स्ट्रीट वेंडर्स का सर्वे करवाकर कार्ड बनवाए गए। अतिक्रमण होने के चलते चारदीवारी में होने के बावजूद भी यह बाजार पिछड़ा हुआ है।

12 दिसंबर को हटवाड़े के विरोध में व्यापारी देंगे धरना

संजय बाजार व्यापार मंडल और जयपुर व्यापार महासंघ ने अवैध हटवाड़े के विरोध में 12 दिसंबर 2024 को हैरिटेज नगर निगम मुख्यालय पर धरने का ऐलान किया है। इस धरने का उद्देश्य संजय बाजार में अवैध अतिक्रमण को हटाने और व्यापारियों की समस्याओं का समाधान करवाना है। व्यापार मंडल ने पिंकसिटी प्रेस क्लब में आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में महासचिव विष्णुदत्त शर्मा ने बताया कि संजय बाजार में लगने वाले अवैध हटवाड़े से व्यापारियों का करोड़ों का कारोबार प्रभावित हो रहा है। नगर निगम द्वारा बनाई गई करोड़ों की दुकानों में कोई निवेशक रुचि नहीं दिखा रहा है। जयपुर व्यापार महासंघ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष कैलाश मित्तल ने कहा कि प्रशासन व्यापारियों की समस्याओं पर ध्यान नहीं दे रहा। अवैध हटवाड़े के कारण व्यापारी संकुचित महसूस कर रहे हैं और न्यायालय के आदेश की अवहेलना की जा रही है। स्थानीय निवासी और एडवोकेट पीयूष अग्रवाल ने बताया कि इन अवैध हटवाड़ों के कारण लोग चारदीवारी क्षेत्र से पलायन को मजबूर हैं। संजय बाजार व्यापार मंडल ने चेतावनी दी है कि 10 और 11 दिसंबर को शहर के प्रमुख बाजारों में होर्डिंग लगाकर विरोध जताया जाएगा। यदि इसके बाद भी प्रशासन उनकी मांगें नहीं मानता, तो 12 दिसंबर को हैरिटेज नगर निगम मुख्यालय पर धरना दिया जाएगा

भारत में मानवाधिकार कार्यकर्ताओं एवं बांग्लादेश के अल्पसंख्यकों पर हो रहे अत्याचार की निंदा

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। आदर्श नगर स्थित अशोक चौक में एफडीसीए की बैठक आयोजित हुई। बैठक में एफडीसीए के सभी सदस्यों ने सर्व सम्मति से मीडिया के अनुसार खबरों पर बांग्लादेश में हिन्द अल्पसंख्यकों पर हो रहे अत्याचारों की निंदा की तथा भारत सरकार के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से अपील की वो बांग्लादेश पर कूटनीतिक दबाब बनाए तथा अल्पसंख्यक हिंदुओं की जान-माल की सुरक्षा सुनिश्चित करे। साथ ही बांग्लादेश के बहाने भारत मं असमाजिक तत्वों द्वारा सोशल मीडिया पर फैलाए जा रहे नफ़रत व अलगाव के ज़हर को रोकने के लिए जरूरी कदम उठाए। बैठक में अजमेर में स्थित दरगाह शरीफ पर किए गए दावे पर विष्णु गुप्ता नामक व्यक्ति द्वारा चिंता व्यक्त करते हुए इस प्रकरण की निंदा का प्रस्ताव पारित किया साथ ही साथ याचिका मुद्दे पर चर्चा करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से अपील की गई कि वो 1991 के प्लेसेस ऑफ वर्शिप एक्ट में सर्वे की अनुमति देने वाले मामलों को रोकने के लिए आवश्यक संशोधन करें ताकि देशभर में सर्वे के नाम पर संभावित अशांति से देश को बचाया जा सके। बैठक में मानवाधिकार कार्यकर्ताओं पर होने वाली दुर्भावनापूर्ण कार्यवाही की निंदा करते हुए एपीसीआर के राष्ट्रीय सचिव नदीम खान एवं अन्य मानवाधिकार कार्यकर्ताओं पर मात्र एक प्रदर्शनी लगाने पर दर्ज की गई एफआईआर को रद्द करके अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता सुनिश्चित करने की अपील भी की गई।

बैठक में एफडीसीए के अध्यक्ष सवाई सिंह, महासचिव मुजम्मिल रिजवी, उपाध्यक्ष पूर्व जज टी.सी.राहलु, उपाध्यक्ष फादर विजय पॉल, गोपाल शरण, मीडिया प्रभारी अनिल यादव,, उमेश शर्मा,, एस.जी.मोदानी, मौसूफ अहमद आदि ने भाग लिया।

राजस्थान मुस्लिम फोरम ने मनाया काला दिवस

- बाबरी मस्जिद विध्वंस की 32 वीं बरसी पर न्याय की मांग

जयपुर(रॉयल पत्रिका)। राजस्थान मुस्लिम फोरम ने 6 दिसंबर 1992 को बाबरी मस्जिद के विध्वंस की 32वीं बरसी के अवसर पर "काला दिवस" मनाया। यह आयोजन एमडी रोड स्थित मुस्लिम मुसाफिर खाना में आयोजित किया गया, जिसमें बाबरी मस्जिद को न्याय दिलाने की मांग की गई। कार्यक्रम में जमाते इस्लामी हिंद के नाजिमुद्दीन ने कहा, "यह केवल एक मस्जिद का विध्वंस नहीं, बल्कि इंसाफ के खिलाफ हुई नाइंसाफी का प्रतीक है। 32 साल बीत चुके हैं, लेकिन अभी तक हमें न्याय नहीं मिला। यह फैसला नहीं, बल्कि अन्याय है।"

दुआ और चिंतन सत्र का आयोजन

कार्यक्रम के दौरान विशेष दुआ का आयोजन किया गया। मुस्लिम फोरम के नेताओं ने इस दिन को भारत के धर्मनिरपेक्षता और न्याय

की लड़ाई के लिए महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि यह दिन हमें हमारे देश की न्याय व्यवस्था की जिम्मेदारी का एहसास दिलाता है।

राजस्थान मुस्लिम फोरम के वक्तव्य

फोरम के प्रवक्ता ने कहा, "बाबरी मस्जिद का मसला केवल मुसलमानों का नहीं, बल्कि यह देश के हर न्यायप्रिय नागरिक का मसला है। न्याय में देरी, न्याय के इनकार के समान है।"

आगामी कदम और समाज से अपील

कार्यक्रम में यह भी चर्चा हुई कि इस मुद्दे को लेकर समाज में जागरूकता फैलाने और न्यायिक प्रणाली पर दबाव डालने के लिए विभिन्न मंचों का उपयोग किया जाएगा। सभी समुदायों से अपील की गई कि वे इस मसले को धर्मनिरपेक्षता और न्याय की नजर से देखें। इस आयोजन में समाज के प्रमुख नेताओं और युवाओं ने बड़ी संख्या में भाग लिया और सरकार से न्याय दिलाने की पुरजोर मांग की।

पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से मुलाकात में "जस्ट मीडिया फाउंडेशन" के प्रयासों की प्रस्तुति और "मि गोऐम" की भेंट

जयपुर(रॉयल पत्रिका)। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से शनिवार को जस्ट मीडिया फाउंडेशन के डायरेक्टर मसीहुज्जमा अंसारी और रिसर्च कॉर्डिनेटर डॉ रहीम खान ने मुलाकात की। इस दौरान फाउंडेशन की उपलब्धियों, उद्देश्यों और मीडिया के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों का विस्तार से परिचय दिया गया। मुलाकात के दौरान, जस्ट मीडिया फाउंडेशन ने हाल ही में प्रकाशित डॉ. ओमैर अनस की चर्चित किताब मि गोऐम को अशोक गहलोत को भेंट किया। यह किताब, जो साहित्य और समाज के गहरे संबंधों पर आधारित है, फाउंडेशन की साहित्यिक और शोधपरक पहलों का एक प्रमुख उदाहरण है। जस्ट मीडिया फाउंडेशन ने अपनी पहल, जिसमें मीडिया रिसर्च, लेखन, और सामाजिक जागरूकता को बढ़ावा देने पर विशेष जोर है, पर प्रकाश डाला। प्रतिनिधियों ने बताया कि कैसे फाउंडेशन युवाओं को मीडिया के क्षेत्र में प्रशिक्षित कर रहा है और विभिन्न विषयों पर अनुसंधान आधारित सामग्री उपलब्ध करवा रहा है। रिसर्च कॉर्डिनेटर डॉ.

रहीम खान ने फाउंडेशन के शोध कार्यों और समाज में मीडिया की भूमिका को लेकर चर्चा की। साथ ही जस्ट मीडिया फाउंडेशन द्वारा "गांधी और पत्रकारिता" विषय पर जयपुर में प्रस्तावित सेमिनार के लिए पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को निमंत्रण दिया जिसको उन्होंने सहर्ष स्वीकार किया।

अशोक गहलोत ने जस्ट मीडिया फाउंडेशन के प्रयासों की सराहना की और सामाजिक और शैक्षिक पहल में मीडिया की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि मीडिया को निष्पक्षता और शोध आधारित सामग्री के माध्यम से समाज को जागरूक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभानी चाहिए।

मि गोऐम की प्रस्तुति

डॉ. ओमैर अनस की किताब मि गोऐम, जो हाल ही में फाउंडेशन द्वारा प्रकाशित की गई है, अशोक गहलोत को भेंट की गई। इस किताब ने साहित्यिक जगत में गहरी छाप छोड़ी है और इसकी विषयवस्तु पर गहलोत ने विशेष रुचि दिखाई। यह मुलाकात फाउंडेशन और राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री के बीच एक सकारात्मक संवाद का प्रतीक बनी। जस्ट मीडिया फाउंडेशन के इस प्रयास ने न केवल अपने कार्यों को प्रस्तुत करने का अवसर दिया, बल्कि समाज में साहित्य और मीडिया की भूमिका को भी प्रोत्साहन दिया।

एम. डी. चोपदार ने की अविनाश गहलोत से मुलाकात

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान मदरसा बोर्ड के चेयरमैन एम. डी. चोपदार ने जयपुर में झुंझुनू जिला प्रभारी मंत्री श्री अविनाश गहलोत से मुलाकात कर एवं गुलदस्ता देकर उनका सम्मान किया। इस दौरान गहलोत को झुंझुनू शहर एवं झुंझुनू विधानसभा क्षेत्र से संबंधित करीब 23 समस्याओं से अवगत करवाया व जल्द-से-जल्द समस्त समस्याओं का निस्तारण करवाने का निवेदन किया। गहलोत ने सभी समस्याओं पर विस्तृत चर्चा की एवं जल्द समाधान करवाने का आश्वासन दिया।

नेमीचन्द कायथ पिछले कई वर्षों से कर रहे समाज सेवा के कार्य

जयपुर(रॉयल पत्रिका)। राजधानी जयपुर के शिव नगर घाटगेट निवासी नेमीचन्द कायथ पिछले कई वर्षों से समाज सेवा के कार्य करते आ रहे हैं। वे बताते हैं कि जब वे कक्षा आठ में थे तब से ही वह बच्चों को प्रतिदिन को कुछ समय अध्ययन करवाना, समाज में सामाजिक मुद्दों यथा- कन्या भ्रूण हत्या, घरेलू हिंसा की रोकथाम, दहेज प्रथा को रोकना, बाल विवाह को रोकना, बीच में पढ़ाई छोड़ चुकी अनियमित एवं अनामांकित छात्राओं के माता-पिता को अपनी बेटियों को विद्यालय भेजने के लिए प्रेरित करना बालिकाओं को उच्च शिक्षा दिलवाना, भूमि विवाद, जातिवाद वेश्यावृति,अवैध शराब की बिक्री रोकथाम, युवाओं को नशे की प्रवृत्ति से रोकना, उन्हें इससे होने वाली हानियों के बारे में बताना, तथा साथ ही में ड्राप आउट स्टूडेंट को पुनः शिक्षा की ओर अग्रसर करने के कार्य करते आ रहे हैं। वे समय समय पर अभियान चला कर केंद्र व राज्य सरकार की योजनाओ से

महिला, बच्चों, बुज़र्गो को उनका फायदा दिलवाना जैसे निःशुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2019 से निजी विद्यालयों में कमज़ोर वर्ग और वंचित वर्ग के बालकों/बालिकाओं को शिक्षा के लिए जागरुक करने के कार्य निरन्तर करते आ रहे हैं। इस के अलावा वे कई सरकारी व निजी स्कूलों पुस्तकालयों अलग-अलग संस्थाओं के विभिन्न मंचों पर विभिन्न सामाजिक कार्यक्रम व गतिविधियों वहीं जैसे बैठके, सेमिनार, कार्यशालाएं सांस्कृतिक कार्यक्रम अन्य गतिविधियां आयोजित करवाना, कार्यक्रमों एवं बैठकों में भाग भी ले रहे हैं।

जयपुर में बनेगा डॉ. अम्बेडकर पैनोरमा

केन्द्रीय कानून मंत्री अर्जुन मेघवाल, राजस्थान के यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रा और सिविल लाईन्स विधायक गोपाल शर्मा ने डा. बी.आर. अम्बेडकर जयन्ती समारोह समिति अध्यक्ष पूर्व आईएएस एल.सी. असवाल की मांग पर जताई सहमति

जयपुर(रॉयल पत्रिका)।बाबा साहब डॉ. बी.आर. अम्बेडकर के 69वें महापरिनिर्वाण दिवस पर डॉबी. आर. अम्बेडकर जयन्ती समारोह समिति की ओर से रविवार को जयपुर के यूथ हॉस्टल ग्राउण्ड में "पुष्पाजंलि प्रार्थना सभा" का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि केन्द्रीय कानून मंत्री अर्जुन मेघवाल ने बाबा साहेब के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि डॉअम्बेडकर ने संघर्ष करते हुए बड़ा मुकाम हासिल किया और देश के संचालन के लिए लोकप्रिय संविधान को बनाया। इस संविधान की देन से आज भारत निरन्तर तरक्की कर रहा है। भारत वर्तमान में विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। इससे बढ़ीया संविधान के मामले में आयोजन नहीं हुआ आज तक, खुद अर्जुन मेघवाल जी ने अपने उद्बोधन में संबोधित करते हुए कहा कि दिल्ली में तो नरेन्द्र मोदी जी ने चालू करवा दिया जिला प्रकार की योजना को और असवाल ने जयपुर में इसको बखुबी से आगे बढा दिया। केन्द्रीय कानून मंत्री अर्जुल मेघवाल ने डॉबी.आर. अम्बेडकर जयन्ती समारोह समिति के अध्यक्ष पूर्व आईएएस एल.सी. असवाल की मांग पर जयपुर में "डॉ अम्बेडकर पैनोरमा" बनाने पर सहमति जताई और इसके लिए जल्द ही जमीन आंवटित कराने की घोषणा की। कार्यक्रम की अध्यक्षता यूडीएच

मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने की। खर्रा जी ने भी असवाल की मांग का समर्थन करते हुए जल्द ही जयपुर में "डॉ अम्बेडकर पैनोरमा" के लिए जमीन आवंटित कर निर्माण कराने की घोषणा की, उन्होने बाबा साहेब के बताए गए तीन सिद्धान्तों को अपने जीवन में अपनाने पर जोर दिया। महापरिनिर्वाण दिवस पर "पुष्पाजंलि प्रार्थना सभा" में विशिष्ट अतिथि सिविल लाईन्स विधायक गोपाल शर्मा ने बाबा साहेब की जीवनी पर प्रकाश डाला और उनके संघर्ष को प्रेरणादायी बताया। सिविल लाईन्स विधायक गोपाल शर्मा ने कहा कि असवाल तो अम्बेडकर जी और संविधान के लिए पढ़ते हैं जब से ही अथक प्रयास करते रहते हैं और लोगों को जीवन में प्रोत्साहित करते रहते हैं जो बधाई के पात्र हैं। शर्मा ने "डॉ अम्बेडकर पैनोरमा" बनाने पर अपनी सहमती जताई और समिति अध्यक्ष एल.सी. असवाल के प्रयासों की सराहना की।

इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष एल.सी. असवाल ने बाबा साहेब के महापरिनिर्वाण दिवस पर पुष्पाजंलि प्रार्थना सभा में "डॉ अम्बेडकर पैनोरमा" बनाने की मांग रखी जिसका सभी अतिथियों ने स्वागत किया और अपनी सहमति जताई। असवाल ने मुख्य अतिथि केन्द्रीय कानून मंत्री अर्जुन मेघवाल, यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रा और सिविल लाईन्स विधायक गोपाल का माला एवं साफा पहनाकर स्मृति चिन्ह् प्रदान कर सम्मान किया। प्रार्थना सभा में बड़ी संख्या में महिलाओं ने शिरकत कर बाबा साहेब को नमन किया और समिति की महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष सतोष बिलोनिया ने इस कार्यक्रम में सभी महिलाओं का नेतृत्व कर कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए साधुवाद दिया।

मदरसा शिक्षा अनुदेशकों से मांगे जा रहे बैंक स्टैट्मन्ट सहित अन्य दस्तावेज़

संविदाकर्मियों के नियमितीकरण की पात्रता की जाँच का मामला

जयपुर(रॉयल पत्रिका)। राज्य में सभी विभागों में कार्यरत संविदा कर्मचारियों को स्थायी करने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। राज्य सरकार द्वारा संविदा कर्मचारियों को नियमित करने के लिए विभिन्न मानदंड और प्रक्रियाएं तय किए जा रहे हैं। इसमें कर्मचारियों की सेवा अवधि, उनके प्रदर्शन, और विभाग की जरूरतों को ध्यान में रखा जा रहा है। इसी क्रम में राजस्थान मदरसा बोर्ड द्वारा संचालित मदरसों में नियुक्त शिक्षा सहयोगियों को राज्य सरकार ने नियमित करने के लिए प्रक्रिया अपनाई है जिसमें मदरसा बोर्ड निर्देशानुसार जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी द्वारा प्रथम नियुक्ति से लेकर अब तक के प्राप्त मानदेय का विवरण मांगा जा रहा है। शिक्षा सहयोगियों का कहना है कि पूर्व में मदरसा बोर्ड एवं जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारियों द्वारा जांच के नाम पर मानदेय रोका गया था। ऐसे में पैराटीचर्स का रिकॉर्ड प्रभावित हो गया। पूर्व में मदरसा बोर्ड एवं जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारियों ने मनमर्जी से भुगतान किया, इससे रिकॉर्ड में समानता नहीं रही। राजस्थान मदरसा बोर्ड द्वारा उर्दू एवं कंप्युटर शिक्षा सहयोगियों की भर्ती की गई थी। ऐसे में शिक्षा सहयोगियों का मानदेय भुगतान मदरसा कमेटी के खाते में आता था। साल 2021 से शिक्षा सहयोगियों का मानदेय देने का अधिकार जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी को दे दिया गया। इस मामले में मदरसा टीचर्स के संगठन, शिक्षा अनुदेशक संघ (प्रगतिशील) राज. के प्रदेशाध्यक्ष सुरेश कुमार शर्मा का कहना है कि जिला कार्यालय पर दस्तावेजों की जांच शिक्षा अनुदेशकों द्वारा नहीं की जा रही है बल्कि जिला स्क्रीनिंग कमेटी द्वारा की जा रही है। हालांकि शिक्षा अनुदेशकों को बैंक स्टेटमेंट लाने में और विवरण देने में कठिनाई आ रही है इस संबंध में मदरसा बोर्ड को अवगत कराया जा चुका है। वहीं शिक्षा अनुदेशक संघ (प्रगतिशील) राज. के महासचिव दिलशाद खान ने कहा कि सभी ज़िलों में मदरसा बोर्ड के निर्देशानुसार प्री-स्क्रीनिंग की जा रही है जिन ज़िलों में शिक्षा अनुदेशकों की संख्या ज्यादा है वहा संघ की तरफ से व्यवस्था बनाने और मार्गदर्शन करने के लिए संघ के लोग मदद कर रहे हैं। वर्तमान में मदरसा शिक्षा सहयोगी नामक कोई संगठन नही है और ना ही इसकी कोई कार्यकारिणी है।

दस्तावेजों की जांच शिक्षा अनुदेशकों द्वारा नहीं की जा रही है। कुछ शिक्षा अनुदेशकों को केवल इसलिए बुलाया गया है कि फाइल जमा करने वालों की मदद कर सकें। दस्तावेजों की जांच केवल सक्षम अधिकारियों द्वारा की जा रही है।

अभिषेक सिद्ध
जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी, जयपुर

क्रिकेट प्रतियोगिता की ट्रॉफी का किया अनावरण

जयपुर(रॉयल पत्रिका)। श्री राम विद्यापीठ स्कूल के टूर्नामेंट क्रिकेट प्रतियोगिता में बारवाल अकादमी गोनेर रोड में क्रिकेट मैच के उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप मे ट्रॉफी का उद्घाटन वार्ड 120 पार्षद छोटू राम मीणा ने किया। इस मौके पर विद्यालय प्रधानाचार्य मोहनलाल शर्मा, गिरधारी लाल शर्मा, राधेश्याम बागड़ा, विद्यालय स्टाफ एवं एकैडमी ऑनर बारवाल की आंधी उपस्थित रहे।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय...

बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार निंदनीय है ...

जब से बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन हुआ है तब से ही वहां हिंदू मंदिरों और हिंदुओं को निशाना बनाया जा रहा है। अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के कार्यकाल में बांग्लादेश में हिंदू शांति से रह रहे थे। लेकिन जैसे ही तख्तापलट के बाद अंतरिम सरकार का मुखिया मोहम्मद यूनुस को बनाया गया तब से वहां हिंदू समुदाय पर हमले बढ़ते जा रहे हैं। कई हिंदू धार्मिक संतो को झूठ और मनगढ़ंत आरोप लगाकर गिरफ्तार कर लिया गया है। आश्चर्यजनक रूप से हिंदुओं की सुरक्षा का दम भरने वाली मोदी सरकार बांग्लादेश के हिंदुओं पर अत्याचार रोक नहीं पा रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हिंदुओं के अत्याचारों पर हाथ पर हाथ धरे बैठे हैं। जबकि बांग्लादेश में मंदिरों में तोड़फोड़ की जा रही है, आग के हवाले किया जा रहा है। जो हिंदू हक की आवाज उठा रहे हैं उन पर लाठी चार्ज करके जेल में ठूंसा जा रहा है। बांग्लादेश में शेख हसीना की चुनी हुई सरकार थी तब तक सब कुछ ठीक था। अब बांग्लादेश में मुस्लिम मान्यताओं वाली सरकार बन गई है जो बांग्लादेश के हिंदू नागरिकों पर अत्याचार कर रही है, पक्षपात कर रही है। बांग्लादेश से मौजूदा सरकार भारत विरोधी रुख अपनाती जा रही है। जिस भारत ने बांग्लादेश बनने में मदद की थी अब वही बांग्लादेश भारत के विरोध में खड़ा होने की कोशिश कर रहा है। हालांकि बांग्लादेश भारत की अपेक्षा काफी छोटा देश है और भारत का मुकाबला नहीं कर सकता है फिर भी बांग्लादेश केवल हिंदुओं पर अत्याचार और भारत विरोधी गतिविधियों में शामिल होने के अलावा भारत के दुश्मन पाकिस्तान के नजदीक जा रहा है। 52 वर्षों में यह पहली बार है जब बांग्लादेश, पाकिस्तान के नजदीक जा रहा है। भारत की आयरन लेडी स्वर्गीय पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने शानदार विदेश नीति के चलते बांग्लादेश को पाकिस्तान से अलग करवा दिया था। बांग्लादेश को देश के शासको ने हमेशा अपने पक्ष में रखने की कोशिश की थी। वहीं वर्तमान में मोदी सरकार बांग्लादेश को अपने पक्ष में रखने में विफल साबित हो गई है। मोदी की विदेश नीति कैसी है साफ झलकने लगी है। पहले भारत को पाकिस्तान, चीन से खतरा था और अब दुश्मनों की लिस्ट में बांग्लादेश भी जुड़ने के लिए तैयार है। मोदी सरकार देश के अंदर धार्मिक मामले बढाती जा रही है जिससे देश की एकता शांति एवं सद्भाव को खतरा पैदा हो सकता है। कट्टरपंथियों की सरकार चाहे देश में हो या विदेश में वह कभी शांति की पैरवी नहीं करती है। ऐसी सरकारें धार्मिक भावनाएं बढ़ाकर सत्ता की कुर्सी पर बैठे रहने की कोशिश करती रहती है। इसी तरह की सरकार बांग्लादेश में है हिंदू और हिंदुओं के मंदिरों को टारगेट करके बांग्लादेश की मौजूदा सरकार वहां के बहुसंख्यक मुसलमानों का ध्यान विकास, शिक्षा एवं बेरोजगारी जैसे मुद्दों से भड़काना चाहती है। फिर भी मोदी सरकार को बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार को रोकने के लिए कड़े उपाय करना चाहिए। मोदी सरकार को ईमानदारी से बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचारों को रोकने के प्रयास करने चाहिए। साथ में भारत देश में मंदिर मस्जिद के विवादों के नाम पर मुसलमानों पर हो रहे अत्याचारों को भी रोकना चाहिए।

आज भी प्रासंगिक हैं बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर के विचार

-बाबूलाल नागा

डॉ. भीमराव अंबेडकर की पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में हर साल 6 दिसंबर को महापरिनिर्वाण दिवस मनाया जाता है। "बाबासाहेब " के नाम से लोकप्रिय, डॉ. भीमराव अंबेडकर भारतीय संविधान के वास्तुकार थे। वे प्रारूपण समिति के उन सात सदस्यों में भी थे जिन्होंने स्वतंत्र भारत के संविधान का प्रारूप तैयार किया था। बाबासाहेब एक प्रसिद्ध राजनीतिज्ञ और प्रख्यात न्यायविद थे। अस्पृश्यता और जाति प्रतिबंध जैसी सामाजिक बुराइयों को मिटाने के अंबेडकर के प्रयासों के बारे में कौन नहीं जानता। अंबेडकर लोकतांत्रिक भारत के सबसे प्रभावशाली शख्सियतों में से एक हैं जो एक न्यायविद, अर्थशास्त्री, राजनीतिज्ञ और समाजसुधारक थे।

उनका जन्म 14 अप्रैल, 1891 को तत्कालीन मध्य भारत प्रांत (अब मध्य प्रदेश) के महु नगर छावनी में हुआ था। बेहद गरीब परिवार में जन्मे अंबेडकर ने संविधान के पहले मसौदे को तैयार करने में अहम योगदान दिया था। अंबेडकर को बचपन से ही आर्थिक और सामाजिक भेदभाव का सामना करना पड़ा। स्कूल में छुआछूत और जाति-पाति का भेदभाव झेलना पड़ा। विषम परिस्थितियों के बाद भी अंबेडकर ने अपनी पढ़ाई पूरी की। ये उनकी काबलियत और मेहनत का ही परिणाम है कि अंबेडकर ने 32 डिग्री हासिल की। विदेश से डॉक्टरेट की डिग्री प्राप्त की। इसके बाद भारत में दलित समाज के उत्थान के लिए काम करना शुरू किया। संविधान सभा के अध्यक्ष बने और आजादी के बाद भारत के संविधान के निर्माण में अभूतपूर्व योगदान दिया। अंबेडकर को भारत के संविधान का जनक कहा जाता है। वह स्वतंत्र भारत के पहले कानून और न्याय मंत्री थे। डॉ. अंबेडकर ने अछूतों के प्रति सामाजिक भेदभाव के खिलाफ और निचली जातियों के उत्थान के लिए काफी संघर्ष किया था। वे दलित अधिकारों, छुआछूत, नारी अधिकारों के लिए अंतिम समय तक लड़ते रहे। अंबेडकर का दृढ़ विश्वास था कि अस्पृश्यता जातिवाद की ही एक शाखा है और तब तक जातपात बनी रहेगी, तब तक अस्पृश्यता नहीं मिट सकती। उन्होंने यह भी दलील दी कि जातिवाद को समाप्त करने के लिए राजनैतिक शक्ति बड़ी आवश्यक है वह यह भी मानते थे कि मनुष्य के लिए धर्म अनिवार्य है। किंतु उन्होंने उन लोगों के विरुद् विद्रोह कर दिया था जो धर्म के नाम पर अपने ही जैसे कुछ मनुष्यों को पशुओं के समान समझते थे। अंबेडकर यह भली प्रकार अपने अनुभव से जानते थे कि जातिवाद के कारण बहुत मेधावी आदमी भी जीवन में अधिक ऊंचा नहीं चढ़ सकता था। लोग उसकी जाति को महत्व देकर उसको शक्तिहीन बना देते थे। उन्हें यह देखकर बड़ा क्षोभ होता था कि अछूतों के लिए तथाकथित सवर्ण समाज से न्याय पाना कितना कठिन है। डॉ. अंबेडकर को एक महान धर्मशास्त्री के रूप में भी जाना जाता है। वे एक अछूत हिंदू परिवार में पैदा हुए थे, और उनका परिवार धार्मिक था। अछूत होने के कारण उन्हें आजीवन छुआछूत यानी अस्पृश्यता का वंश हमेशा झेलना पड़ा। तथा जातीय और सामाजिक भेदभाव का सामना करना पड़ा। अछूतों के खिलाफ होने वाले इस मानवीय प्रथा एवं क्रूर व्यवहार की जड़े हिंदू धर्म में यानी धर्मशास्त्रों में थी, इसलिए उन्होंने इसका बेहद शक्तिशाली रूप से विरोध किया। वे एक ऐसे धर्म के पक्षधर थे, जो मानवीय मूल्यों तथा विज्ञानवादी सोच के वकालत करता हो। 35 वर्ष अलग-अलग धर्मों का गहन अध्ययन करने के बाद उन्होंने बौद्ध धर्म के रूप में एक ऐसा मिला, जिसे उन्होंने आधुनिक जगत के लिए सबसे बेहतर धर्म माना।

उनका कहना था कि लोग और उनके धर्म सामाजिक मानकों द्वारा सामाजिक नैतिकता के आधार पर परखे जाने चाहिए अगर धर्म को लोगों के भले के लिए आवश्यक मान लिया जाएगा, तो किसी मानक का मतलब नहीं होगा। डॉ. अंबेडकर धर्मनिरपेक्षता परंपरा के पक्षधर थे। उनका कहना था कि मैं ऐसे धर्म को मानता हूं जो स्वतंत्रता, समानता और भाईचारा सिखाता है। डॉ. अंबेडकर का मत था कि परंपरागत धार्मिक मूल्यों का परित्याग किया जाए और नए विचारों को अपनाया जाए। उन्होंने संविधान में उल्लेखित प्रावधानों में सभी नागरिकों के लिए सम्मान, एकता, स्वतंत्रता, अधिकारों और नागरिक अधिकारों पर विशेष जोर दिया। डॉ. अंबेडकर जीवन के हर क्षेत्र-सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक में लोकतंत्र के पक्षधर थे। उन्होंने लोकतंत्र की अपनी अवधारणा में हर व्यक्ति की गरिमा को बहुत महत्व दिया। डॉ. अंबेडकर समानता को लेकर काफी प्रतिबद्ध थे। उनका मानना था कि समानता का अधिकार धर्म और जाति से ऊपर होना चाहिए। प्रत्येक व्यक्ति को विकास के समान अवसर उपलब्ध कराना किसी भी समाज की प्रथम और अंतिम नैतिक जिम्मेदारी होनी चाहिए। अगर समाज इस दायित्व का निर्वहन नहीं कर सके तो उसे बदल देना चाहिए। वे मानते थे कि समाज में यह बदलाव सहज नहीं होता है, इसके लिए कई पद्धतियों को अपनाना पड़ता है। आज जब विश्व एक तरफ आधुनिकता की ओर बढ़ रहा है तो वहीं दूसरी तरफ विश्व में असमानता की घटनाएं भी देखने को मिल रही हैं। इसमें कोई दो राय नहीं है कि असमानता प्राकृतिक है, जिसके चलते व्यक्ति रंग, रूप, लंबाई तथा बुद्धिमता आदि में एक-दूसरे से भिन्न होता है। लेकिन समस्या मानव द्वारा बनाई गई असमानता से है, जिसके तहत एक वर्ग, रंग व जाति का व्यक्ति अपने आप को अन्य से श्रेष्ठ समझ संसाधनों पर अपना अधिकार जमाता है। डॉ. अंबेडकर ने न सिर्फ आर्थिक सिद्धांतों और विश्लेषण के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान किया, बल्कि आजादी के बाद सरकार का हिस्सा बनकर भी उन्होंने कई ऐसे काम किए, जिसमें उनकी गहरी आर्थिक सूझबूझ का लाभ देश को मिला। उन्होंने कई दलित बौद्ध आंदोलनों को प्रेरित किया और अछूतों के प्रति सामाजिक भेदभाव के खिलाफ लड़ाई लड़ी। 1990 में उन्हें भारत के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से सम्मानित किया गया। डॉ. अंबेडकर आज देश के सबसे जनप्रिय नायक है, जिनकी प्रतिमा संसद से लेकर हर कस्बे के चौराहे तक लगी हुई मिलती है।

देश के करोड़ों निवासी 14 अप्रेल को उनकी जयंती तथा 6 दिसंबर को उनका परिनिर्वाण दिवस मनाकर अपनी कृतज्ञता प्रकट करते हैं। सामाजिक क्षेत्र में उनके द्वारा किए गए प्रयास किसी भी दृष्टिकोण से आधुनिक भारत के निर्माण में भुलाए नहीं जा सकते जिसकी प्रासंगिकता आज तक जीवंत है। डॉ. अंबेडकर के विचार और आदर्श आज भी लोगों को ताकत देते रहते हैं और हम उनके राष्ट्र के प्रति सपनों को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। (लेखक भारत अपडेट के संपादक हैं)

अबु अब्दुल्लाह अहमद बिन मुहम्मद बिन हंबल शैबानी

इमाम हम्मबल र अ का पूरा नाम अबू अब्द अल्लाह अहमद इब्न मुहम्मद इब्न सानबल इब्न हिलाल इब्न असद इब्न इदरीस इब्न अब्द अल्लाह इब्न सय्यान अल-शायबानी अल- धुहली है । आप का जन्म 12 रबी-उल-अव्वल 241 हिजरी में बग़दाद शरीफ, ख़िलाफ़त ए अब्बासिया के दौर में हुआ था। आप का लक़ब शेख उल इस्लाम है। आप का परिवार मूल रूप से बसरा का था , और अरब बानू धुहल जनजाति से संबंधित था। आपके पिता खुरासान में अब्बासिद सेना में एक अधिकारी थे और बाद में अपने परिवार के साथ बगदाद में बस गए । इब्न हंबल र अ के पिता का देहान्त जब आप छोटे से बच्चे थे तभी हो गया था , फिर उनकी माँ ने उन्हें उनके पिता के परिवार के लोगों की देखरेख में पाला। इब्न हंबल र अ ने चालीस साल की उम्र तक शादी नहीं की क्योंकि वह इल्मे दीन हासिल करते रहे , वह बहुत यात्राएं करते थे इल्मे दीन की खोज में दूर-दूर तक यात्राएं की,अपने समय के महान गुरुओं से सीखने की चाहत में, आप ने इराक के कुफा और बसरा शहरों की यात्राएं की; अरब में मक्का , हिजाज़ और मदीना ; और यमन और सीरिया की यात्रा की। उन्होंने पवित्र शहर मक्का की पाँच बार हज मुबारक के लिए यात्रा की, जिनमें से तीन बार पैदल यात्रा की। इस तरह इल्म प्राप्त करने में लंबा समय बिताया। आप की पहली बीवी एक अरब खातून थी जिसके साथ रहते हुए उनसे कभी कोई मतभेद नहीं हुआ। पहली बीवी की वफात (इन्तकाल) के बाद आप ने दूसरी शादी की। आप की दूसरी बीवी एक आंख वाली के नाम से जानी जाती थी और वह बेहद दीनदार खातून थी। दूसरी बीवी का नाम रेहाना था । आपकी एक ओर बीवी थी जिसका नाम हुस्न था।अहमद बिन हम्मबल र अ के आठ बेटों में, सालेह और अब्दुल्ला न्यायशास्त्र में निपुण थे, जबकि सईद बाद में कूफ़ा के न्यायाधीश बने।

इब्ने हम्मबल र अ की मृत्यु शुक्रवार, 12 रबी अल-अव्वल, 241 हिजरी को लगभग 75 वर्ष की आयु में बगदाद में हुई। इतिहासकार बताते हैं कि उनके अंतिम संस्कार में 800,000 पुरुष और 60,000 महिलाएँ शामिल हुईं और उस दिन 20,000 ईसाई और यहूदी इस्लाम में परिवर्तित हुए। इनकी कब्र अल-रुसाफ़ा जिले में अहमद इब्न हंबल मस्जिद के परिसर में स्थित है। इमाम अहमद बिन हंबल र अ प्रमुख इस्लामी विद्वानों में से एक हैं और उन्हें शेख-उल-इस्लाम (इस्लामी विज्ञान के उत्कृष्ट विद्वान) की उपाधि दी गई है। वह फ़िक़्ह, हदीस और कई अन्य इस्लामी न्यायशास्त्र में इमाम थे। वास्तव में, वह सुन्नी विधिशास्त्र के भीतर इस्लामी कानूनी ज्ञान (फ़िक़्ह) के चार स्कूलों या संस्कारों में से एक के संस्थापक हैं। अब्बासिद खलीफा अबुल-अब्बास अल-मामून द्वारा इस्लामी विद्वानों को दंडित किया जाता था, कैद किया जाता था, या यहां तक कि मार दिया जाता था जब तक कि वे उस समय के कुछ लोगों द्वारा स्व-निर्मित और झूठे अल-मुताज़िला धर्मशास्त्र के अनुरूप नहीं होते थे। यह नीति पंद्रह वर्षों तक चली और उस समय के अधिकांश खलीफाओं द्वारा इसका व्यापक समर्थन किया गया। खलीफा ऐ वक़्त कुरान पाक के अनिर्मित होने के बजाय सृजित होने के मुताज़िली सिद्धांत को अपनाने के लिए दबाव डालकर अपने धार्मिक अधिकार का दावा करना चाहता था लेकिन अहमद बिन हम्मबल र अ ने नहीं माना और यही कहा के क़ुरान पाक अल्लाह का कलाम है यह इन्सान के ज़रिए बनाया गया नहीं है। इस पर उन्हें कोड़े लगाए गए , ज़ंजीरों में बांधा गया और बगदाद भी छुड़वाया गया। बहुत अज़ीयत दी गई मगर इमाम हम्मबल र अ ने यही कहा के क़ुरान पाक अल्लाह का कलाम है।इमाम अहमद बिन हम्मबल र अ ने 225 हिजरी से हदीस पढ़ाना बंद कर दिया था। उन्होंने अपने दो बेटों अब्दुल्ला और सालेह को छोड़कर किसी को भी हदीस नहीं सुनाई। यह इमाम के लिए खाली समय था और उन्होंने 225 से 227 हिजरी के दौरान अपने बेटों और अपने पैतृक चचेरे भाई हंबल बिन इसहाक को अपनी महान पुस्तक अल-मुसनद सुनाई। इमाम अहमद ने बहुत सारी रचनाएँ लिखीं। उनकी रचनाओं में शामिल हैं:

1. अल-मुसनद: (इस पुस्तक में 30,000 हदीसें हैं)
2. रेसाला सलात : (प्रार्थना में होने वाली सामान्य गलतियों पर एक छोटी पुस्तक)
3. मसाईल: (इमाम अहमद द्वारा जारी फतवों का संग्रह)
4. अल अशरीबा: (अवैध पेय/पेय के बारे में स्पष्टीकरण)
5. फ़ज़ैल अल-सहाबा: [यह पुस्तक पैगंबर मोहम्मद (SAW) के साथियों के गुणों के बारे में है ।

फ़ज़लुर्रहमान
सहायक सचिव (सेवानिवृत्त)

मानवता पर भारी पड़ता थोथा राष्ट्रवाद

डॉ. श्याम सुन्दर बैरवा, भीलवाड़ा

धरती पर मनुष्य अपने आपको ईश्वर की सर्वोत्तम कृति मानता है। जानवरों और मनुष्यों में प्रमुख अन्तर यही है कि मनुष्य विवेक का इस्तेमाल करता है, जबकि जानवर मनुष्य जितना विवेक का इस्तेमाल नहीं करते हैं। आदिम अवस्था से धीरे-धीरे विकास के पायदान पर चढ़ते इंसान ने राष्ट्रों का निर्माण किया। राष्ट्र के साथ-साथ राष्ट्रीयता की भावना का भी विकास हुआ और राष्ट्रवाद का भी जन्म हुआ। राष्ट्रीयता का अर्थ है-अपने राष्ट्र के विशेष गुणों के प्रति, राष्ट्र के प्रति प्रेम रखना, वहीं राष्ट्रवाद का अर्थ है-केवल अपने राष्ट्र के हितों को प्राथमिकता देना, अपने देश के प्रति पक्षपाती होना। राष्ट्रीयता को जहाँ अच्छा माना जाता है और सकारात्मक रूप में लिया जाता है, वहीं राष्ट्रवाद केवल और केवल अपने ही देश को सर्वोच्च प्राथमिकता देता है और अन्य राष्ट्रों को गौण समझता है। राष्ट्रवाद का चरम ही अशान्ति का कारण बनता है। कई युद्ध इसके चलते हुए हैं और हो रहे हैं। इससे मानवता को सदैव खतरा रहा है। वैसे तो हर इंसान अपने-आपको राष्ट्रप्रेमी साबित करना चाहता है, लेकिन इस अन्धी दौड़ में कई बार वह राष्ट्रवाद की ओर मुड़ जाता है और यहीं से वह बदलाव शुरु होता है जो कि खतरनाक है। वास्तव मे तो इन दोनों के बीच इतनी बारीक लाईन है कि पता ही नहीं चलता कि कब राष्ट्रीयता से राष्ट्रवाद में चले गये ?

प्राचीन काल में कबीलों के रूप में संघर्ष, फिर एक राजा द्वारा दूसरे राजा पर आक्रमण, फिर एक देश द्वारा दूसरे देश पर आक्रमण और अन्त में समान विचारों के कई देशों द्वारा अपने से भिन्न विचारों के दूसरे देशों पर आक्रमण, जिसे विश्वयुद्ध कहते हैं, करना कट्टर राष्ट्रवाद की ही निशानी है।

भारत की भावना सदैव वसुधैव कुटुम्बकम की रही है और ऐसा ज्ञात नहीं पड़ता कि इतिहास के किसी कालखण्ड में भारत के किसी राजा ने किसी अन्य देश पर आक्रमण किया हो। ये आपस में ही खूब लड़ते-भिड़ते रहे, वो अलग बात है। राम-रावण युद्ध और महाभारत यहीं पर हुए। महाभारत के ही पांचवे सर्ग में कहा गया है कि देश की सीमाएं माँ के वस्त्रों के समान पवित्र होती हैं जिसकी रक्षा करना प्रत्येक पुत्र का दायित्व होता है। इसी प्रकार प्रत्येक देश में लगभग हर कालखण्ड में अपने-अपने देश की महानता, उन्नति और प्रशंसा पर साहित्य लिखा गया है। लेकिन यह देशभक्ति से ओतप्रोत है, राष्ट्रवादी नहीं। इतिहास में कट्टर या उग्र राष्ट्रवाद का रूप द्वितीय विश्वयुद्ध में जर्मनी द्वारा देखने को मिला, जहाँ लाखों यहूदियों को मौत के घाट उतार दिया गया। राष्ट्रवाद में मानव अपने को सिर्फ अपने ही देश की सीमाओं में सीमित कर लेता है, अपने देश का ही सोचता है, दूसरे का नहीं और यही प्रवृत्ति घातक होती है। आज दुनियाँ में कई देशों के बीच युद्ध चल रहे हैं और इनसे कट्टर राष्ट्रवाद को बढ़ावा मिला है। युद्धों दुष्परिणाम महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों को सर्वाधिक भुगतने पड़ते हैं। निर्णय नेता लेते हैं लेकिन परिणाम पूरे देश को भुगतना पड़ता है। देश के नाम पर, मातृभूमि की रक्षा के नाम पर और इतिहास की दुहाई देकर जनता को दिग्भ्रमित कर देते है, लेकिन परिणाम भयानक होते हैं। कई युद्ध तो दशकों और सदियों तक चलते हैं लेकिन उनका कोई अंत नजर नहीं आता है।

बच्चे अनाथ हो जाते हैं, औरतें विधवा हो जाती हैं, बुजुर्गों के बुढ़ापे की लाठी छिन जाती है। पढ़ाई-लिखाई की तो छोड़िए, खाने तक के लाले पड़ जाते हैं, तन को पूरे कपड़े तक मयस्सर नहीं हो पाते। समय पर इलाज नहीं मिल पाता।

अंततः, सार यही है कि देशभक्ति अपनी जगह सही है, लेकिन राष्ट्रवाद देशों के बीच दुश्मनी की खाई बढ़ाता है जो कि मानवता के लिए घातक ही है।

सूचना

समाचार पत्र में प्रकाशित लेखों में लेखक के अपने विचार हैं, इनसे संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा।

भक्ति आंदोलन और सूफीवाद: भारत में समन्वयवादी संस्कृति की आधारशिला

भारत के सांस्कृतिक इतिहास को दो परिवर्तनकारी आंदोलनों - भक्ति आंदोलन और सूफीवाद - ने महत्वपूर्ण रूप से आकार दिया है। भक्ति और प्रेम में निहित, इन आंदोलनों ने आध्यात्मिकता को फिर से परिभाषित किया, समावेशिता को बढ़ावा दिया और भारत के समन्वयवादी लोकाचार की नींव रखी। सार्वभौमिक भाईचारे और समानता के उनके संदेश आज भी गूंजते हैं, जो बढ़ते सामाजिक विभाजन के युग में मूल्यवान सबक प्रदान करते हैं। भक्ति आंदोलन भारतीय आध्यात्मिकता में एक परिवर्तनकारी चरण का प्रतिनिधित्व करता है, जो एक धार्मिक सिद्धांत से मुक्ति के लिए एक व्यक्तिगत सर्वोच्च भगवान के प्रति भक्तिपूर्ण समर्पण को बढ़ावा देने वाले एक जन आंदोलन में विकसित हुआ है। प्राचीन ब्राह्मणवादी और बौद्ध परंपराओं के साथ-साथ भगवद गीता जैसे धर्मग्रंथों के आधार पर, भक्ति को पहली बार 7वीं और 10वीं शताब्दी के बीच दक्षिण भारत में प्रमुखता मिली। दक्षिण भारत के नयनार (शैव) और अलवर (वैष्णव) संतों ने संस्कृत की विशिष्टता को दरकिनार करते हुए तमिल स्थानीय भाषा के माध्यम से भक्ति का प्रचार किया। 11वीं शताब्दी तक, इस आंदोलन को रामानुज जैसे दार्शनिकों द्वारा पुनर्जीवित किया गया, जिन्होंने इसे नई वैचारिक गहराई से भर दिया। दिल्ली सल्तनत युग (13वीं शताब्दी) के दौरान, उत्तरी भारत में भक्ति आंदोलन उभरे, जो उनके विशिष्ट ऐतिहासिक और सामाजिक संदर्भों से आकार लेते थे। कबीर, तुलसीदास और मीराबाई जैसे संतों ने इस आंदोलन को और लोकप्रिय बनाया। सूफीवाद, जो भारत में इस्लाम की स्थापना के साथ था, ने भक्ति परंपराओं के साथ आश्चर्यजनक समानताएं साझा कीं। चिश्ती, सुहरावर्दी और नक्शबंदी आदेशों ने दैवीय मिलन के मार्ग के रूप में प्रेम, करुणा और विनम्रता पर जोर दिया। ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती, बाबा फरीद और हज़रत निज़ामुद्दीन औलिया जैसे सूफ़ी संतों ने विभिन्न धार्मिक विभाजनों से परे अनुयायियों को आकर्षित किया, जिससे अंतरधार्मिक सद्भाव को बढ़ावा मिला। भक्ति और सूफ़ी परंपराओं के बीच परस्पर क्रिया ने एक जीवंत समन्वयवादी संस्कृति का निर्माण किया। सूफ़ी कवि अमीर ख़ुसरो ने अपनी रचनाओं में फ़ारसी और भारतीय सांस्कृतिक रूपांकनों के संगम का जश्न मनाया। दोनों आंदोलनों ने स्थानीय भाषाओं के उपयोग को बढ़ावा दिया, जिससे आध्यात्मिकता को जनता के लिए सुलभ बनाया जा सके। भक्ति और सूफ़ी आंदोलन भारत की समन्वित विरासत के स्तंभ बने हुए हैं, जो प्रेम, भक्ति और समावेशिता की शक्ति को रेखांकित करते हैं। पहचान की राजनीति से तेजी से विभाजित हो रही दुनिया में, ये आंदोलन हमें उन साझा आध्यात्मिक मूल्यों की याद दिलाते हैं जो मानवता को बांधते हैं। यदि उनकी शिक्षाओं को शिक्षा और सार्वजनिक चर्चा में पुनर्जीवित किया जाए, तो वे विविधता में एकता की भारत की विरासत के अनुरूप एक अधिक सामंजस्यपूर्ण और समावेशी समाज को प्रेरित कर सकती हैं। भक्ति और सूफ़ी संतों ने हाशिये पर पड़े लोगों की वकालत की और समानता के लिए चल रहे प्रयासों को प्रेरित किया। उनके संगीत, कविता और दर्शन को पुनर्जीवित करने से भारत की बहुलवादी पहचान मजबूत हो सकती है।

बात मेवात की ...

खान बहादुर मेजर जनरल फ़तेह नसीब खान मेवाती (1888-1933)

'मेवाती शासन परम्परा के संस्थापक और महान वीर योद्धा नाहर ख़ान मेवाती (1372-1402) की ख़ानज़ादा वंश परंपरा में 1888 ईस्वी के दौर में तिजारा क़स्बे में वालिद हसन ख़ाँ और वालिदा उम्दाह के घर जन्मे फतेह नसीब ख़ाँ मेवाती 1904 ईस्वी में अलवर रियासत की सेना में भर्ती हुए थे, लेकिन अपनी वंश परंपरा की शान,सैन्य क़ाबलियत और वफ़ादारी के दम पर 1930 तक आते आते न केवल अलवर स्टेट फ़ोर्स के 'कमाण्डर इन चीफ' बने बल्कि अलवर स्टेट कौंसिल के सदस्य सहित,सैन्य मंत्रालय और सरिस्का हण्टिंग रिज़र्व के मुखिया पद पर भी नियुक्त हुए ।त्रिपोलिया गेट(अलवर)के पास उनकी सरकारी हवेली थी।

इसी क्रम में रियासत की ओर से प्रथम विश्व युद्(1914-1918) सहित 1919 के तृतीय ऐंग्लो-अफ़ग़ान युद्ध में ब्रिटिश सेना का प्रतिनिधित्व कर अपनी क़ाबिलियत का परचम लहराया। लगातार सैन्य व प्रशासनिक सफलता, वफ़ादारी और हेरतअंगेज़ संकटमोचक की भूमिका से प्रभावित हो अलवर रियासत के नरुका राजपूतवंशी शासक महाराजा जयसिंह(1892-1937) द्वारा 'ताज़िमी सरदार' ,'मुमताज़-ए-ख़ास अलवर' की सम्मानजनक उपाधियों के साथ 500 एकड़ स्थायी भूमि और 25 गाँव जागीर में दिये।साथ ही जनवरी,1929 को ब्रिटिश सरकार द्वारा भी ख़ान'बहादुर की उपाधि के साथ ब्रिटिश सरकार का सर्वोच्च अवॉर्ड 'मोस्ट एक्सीलेंट ऑर्डर ऑफ़ द ब्रिटिश एम्पायर ' तथा 'नाईट ग्रांड कमाण्डर ऑफ़ द ऑर्डर ऑफ़ द स्टार ऑफ़ इंडिया अवॉर्ड' भी प्रदान किया ...ब्रिटिश सरकार द्वारा भारत के भविष्य और संवैधानिक सुधारों पर भारतीय प्रतिनिधियों के साथ चर्चा करने हेतु 1930-से 1932 के मध्य लंदन में होने वाले गोलमेज़ सम्मेलनों में से प्रथम 2 में स्वयं अलवर महाराजा जयसिंह ने भाग लिया था, लेकिन दिसम्बर,1932 के अंतिम तीसरे सम्मेलन में भारत की ओर से शामिल होने वाले कुल 46 प्रतिनिधियों में फतेह नसीब खां मेवाती का भी शामिल होना गौरव की बात थी।

1924-25 के नीमूचाणा(बानसूर) किसान आंदोलन

1930-32 के अलवर मेव किसान आंदोलन के जटिल दौर में जनरल फतेह नसीब ख़ान ने सकारात्मक रियासती पक्ष और नीतियों से किसानो और उनके नैतृत्व को जोड़ने का अथक प्रयत्न किया था,लेकिन आज़ादी के आंदोलन,जनचेतना के तेजी से उभरने और अकाल की नाज़ुक परिस्थितियों में उन्हें अपेक्षित सफलता नहीं मिल सकी थी।

संकट की इन्हीं परिस्थितियों में 1933 ईस्वी में ख़ान बहादुर जनरल फतेह नसीब ख़ान मेवाती का दिल का दौरा पड़ने से इन्तक़ाल हो गया । देश की आज़ादी के साथ ही धर्म की बुनियाद पर हुए देश विभाजन की पीड़ादायक और मार्मिक परिस्थितियों में वतन परस्ती की ठोस भट्टी में तपे मेज़र जनरल फ़तेह नसीब ख़ान मेवाती की विधवा मुबारक़ बैगम भी अपनी अनगिनत अमर यादों और छह बेटों के साथ - सुबेदार मेजर (रिटायर्ड) अब्दुल मजीद खान (IST), एसपी (रिटायर्ड) अब्दुल वहीद खान, मेजर (रिटायर्ड) मुहम्मद इक़बाल खान, डॉ. मुहम्मद अल्लाहदाद खान, लेफ्टिनेंट कर्नल मलिक नियाज़ अहमद खान, और प्रोफेसर डॉ. खुर्शीद आलम खान के साथ,अन्य बहुत सारे लोगों की भाँति नये बनें मुल्क़ पाकिस्तान हैदराबाद (सिन्ध) हिज़रत कर गये थे।

देश की आज़ादी से पहले मेवात इलाक़े की महत्वपूर्ण राजशाही अलवर रियासत में फतेह नसीब ख़ान मेवाती का एक सामान्य सैनिक से सर्वोच्च सैन्य व प्रशासनिक पदों तक पहुंचकर देश- विदेश तक अपनी क़ाबिलियत और क्षमताओं का परचम लहराना हम सबके लिये प्रेरक और महान साझी विरासत का प्रतीक है ।।।'

मुस्लिम रिश्ते

रॉयल पत्रिका साप्ताहिक में मुस्लिम रिश्तों में विज्ञापन देने हेतु संपर्क करें -

मोबाइल: 9772552446, 9799559096

29 Years Old MBBA Doctor, Working in Dehli , Kota Based Family,Needs MBBS Girls. Contact - 9829068455

Kota Based, 31/5.3/B.tech, PG Diploma in Banking, MBA in Finance, BSTC, Experience 3 years in ICICI Bank [Special Officar], Sunni Muslim Rangrez Girl. Father - Princeipal, Mother- House Wife, One Younger brothers. Required Educated, Honest life Partner Contact – 9829068455

Baran Based 27/5.4/B.Tech., M.Tech. Girls, Working as a Civil Enginear With a Private Firm At Gurgaon. Father Bussiness Man, Mother House Wife, Elder Brother is Govt Doctor, Well Settled Family, Required Well honest Settled, Honest Life partner. Contact – 9829068455

31/5.8/ B.Tech Mechanical, Own Business, Jaipur Based Boys, Father- Retd. Manager Hotal Gangaur, Jaipur {RTDC), Mother House Woman Well Settled Family Required Educat, Religious Girls.Requird Contact - 9829068455

26/6.2/B.tech.mechanical(honours),working in private company.jodhpur based reputed family.Required educated, religious girls. Contact ph.91 8005598829

26/5.2"/B. Com; LLB; M.Com/ Sales Cordinator in finance company.reputed jodhpur based Syed family girl. need suitable educated,-settled, religious boy.contact ph.8426056205

Sunni Muslim Girl 32/5.3"/B. Tech in Electronics & Communications/Working in Semi Govt. Deptt./Deeni Taleem yafta/Homely girl. Father retd. from Indian Railway. Well educated and reputed family of Jaipur. Need religious, well educated and settled boy from well reputed family. Contact: 9828453954

• सुन्नी मुस्लिम युवक 45/5.7"/ पोस्ट ग्रेजुएट/होम गार्ड में कार्यरत तलाकशुदा जयपुर निवासी हेतु दीनदार, पढ़ी-लिखी, घर के काम में दक्ष युवती चाहिए, तलाकशुदा भी मान्य। संपर्क करें 8306725799

• Beautiful Muslim Sunni Pathan (Yusufzai) girls 22/5.3"/Convent Educated & currently pursuing B.H.M.S./ & other 20/5.5"/Convent Educated & currently pursuing B.A. in Phycology & English Lit./Father retired from Pvt. Company and at present doing E-Mitra work. Both girls are Hijabi, 5 times Namazi, fully religious homely girls from well educated and reputed Shahjahanpur (U. P.) based family currently living in Ajmer. Needs suitable, well educated and settled boys from Muslim Sayed/Pathan caste families.
Contact:
Mobile- 98287 34281

• खूबसूरत अंसारी लड़कियां 32/ 5.4"/B.Tech; इंजीनियर/ ट्रांसफार्मर कंपनी में सीनियर इंजीनियर के पद पर कार्यरत व 29/5.6"/M. Com; MBA/ जयपुर सेज में सीनियर एकाउंटेंट के पद पर कार्यरत । दोनों दीनी तालीम याफ्ता, जयपुर की पढ़ी-लिखी रेप्यूटेड फैमिली हेतु पढ़े-लिखे, बिजनेसमेन/ सरकारी ऑफिसर अच्छी रेप्यूटेड फैमिली के लड़के चाहिए।
संपर्क: 9828048966/ 9166117743

• Beautiful Muslim girl 32/5.5"/MJMC/PGDCA/ presently working as a Bank Officer/Father retired Govt. Officer, reputed family of Sawai Madhopur. Needs religious well settled, Govt Officer/ Businessman from reputed family. Early Marriage.
Interested please Contact: Mobile-8302114075/8209325917

• 47/6.1"/सिविल इंजीनियर/ तलाकशुदा/ वार्षिक आय 3.5 लाख/ मुस्लिम पठान, जयपुर निवासी आदमी के लिए दीनदार, घरेलू, पढ़ी-लिखी जीवन साथी चाहिए, तलाकशुदा भी मान्य । संपर्क:
मोबाइल- 8209336198

28/5.8"/बीएससी; बी. टेक/व्यवसाय टीचिंग/टोंक निवासी प्रतिष्ठित फैमिली के मुस्लिम युवक हेतु सुंदर, पढ़ी-लिखी, दीनदार, घरेलू कार्य में दक्ष मुस्लिम लड़की चाहिए।
संपर्क: मोबाइल- 8769654230

.जयपुर निवासी 25 वर्षीय/बी.ए./ तलाकशुदा (3 वर्ष की बच्ची है)/दीनी तालीम याफ्ता, घरेलू कार्य में दक्ष मुस्लिम लड़की हेतु दीनदार, नमाज़ी, नौकरीपेशा/बिजनेसमैन राजस्थानी लड़का चाहिए । इच्छुक सम्पर्क करें- मोबाइल: 98294 43086/97725 52446.

•जयपुर निवासी 25/5'.4"/ M.Sc. B.ed/ पठान लड़की/ गवर्नमेंट में अध्यापिका के पद पर कार्यरत हेतु पढ़े-लिखे गवर्मेंट ऑफिसर/नौकरीपेशा/ बिजनेस मैन लड़का जो शेख/सैयद/ पठान खानदान से ताल्लुक रखता हो । संपर्क करें - मोबाइल नंबर: 7223023871

•हनफी अंसारी सुन्नी मुस्लिम डॉक्टर 28/5.5"/BHMS/खुद की क्लिनिक/जयपुर निवासी हेतु ग्रेजुएट, दीनी तालीम याफ्ता, घरेलू कार्य में दक्ष लड़की चाहिए। सम्पर्क: 7976464322/9772552446

.35/5.2"/B.Sc./Fair colour/ Deeni Taleem yafta Divorced Sunni Muslim girl from educated, reputed family of Jaipur. Presently doing tution job at home. Need educated, settled religious groom. Early Marriage. Contact: Royal Patrika office, Jaipur. Mobile: 9352666093/9772552446

.Sunni Muslim girl 37/5.6"/M.A; MBA/Divorced (No issue)/Deeni Taleem Yafta from well educated and reputed family of Jodhpur. Need well educated, settled and religious suitable man from reputed family from Sayed /Sheikh or Pathan of Udaipur/Jodhpur/Ajmer/Jaipur based boy. Contact: Royal Patrika office, Jaipur. Mobile: 9314720003/9772552446

• Beautiful Pathan girl 34/M. Tech (Computer Science), Sr. Database Administrator and Software Developer, Finance Department of Secretariat Government of Rajasthan (Pvt basis). Father retired Govt. Officer, well educated and reputed family of Tonk. Needs well educated, settled and religious boy from Jaipur based family. Contact: Royal Patrika office, Jaipur. Mobile: 9772552446/9799559096

• Hanafi Sunni Muslim beautiful girl 25/5.5". Education Qualification: Masters in Litrature and PG Diploma in Digital Marketing. Father Govt officer. Well educated and reputed family of Bhilwara. Need well educated, religious, settled boy from reputed family. Contact Royal Patrika office, Jaipur. Mobile : 9772552446/9799559096

. 23/5.4"/एम. कॉम; आई टी आई (ड्रेस मेकिंग) व RSCIT कोर्स, दीनी तालीम याफ्ता खूबसूरत जयपुर निवासी अंसारी लड़की। वालिद कॉन्ट्रेक्टर- फेब्रिकेशन वर्क हेतु दीनी, पढ़ा- लिखा खूबसूरत नौकरीपेशा/ बिजनेसमैन अच्छे परिवार का लड़का। इच्छुक व्यक्ति सम्पर्क करें- रॉयल पत्रिका कार्यालय, जयपुर। मोबाइल नं. 9772552446/9799559096

• Sunni Muslim girl 32/5.8"/M.A; LLB, Perusing LLM/Deeni Taleem Yafta from well educated and reputed family of Jodhpur. Need well educated, settled and religious boy from reputed family from Sayed /Sheikh or Pathan of Udaipur/Jodhpur/Ajmer/Jaipur based boy. Contact: Royal Patrika office, Jaipur. Mobile : 9772552446/9799559096

• Jaipur based Sunni Muslim girl 31/B. Tech/Beautiful, Deeni Taleem Yafta. Father retired Govt. Officer. Needs well educated, settled religious boy. Contact: Royal Patrika office, Jaipur. Mobile : 9772552446/9799559096

खूबसूरत अंसारी लड़की 27/5.5"/ पोस्ट ग्रेजुएट/तलाकशुदा/ दीनी तालीम याफ्ता, घर के कामों में माहिर, सरकारी जॉब की तैयारी, पढ़ी-लिखी जयपुर की प्रतिष्ठित फैमिली हेतु सुयोग्य पढ़े-लिखे अच्छे फैमिली का लड़का । इच्छुक सम्पर्क करें: रॉयल पत्रिका कार्यालय, जयपुर । मोबाइल: 9887910863/9772552446

• Sunni Ansari Muslim Jaipur based divorced girl 37/M.A; B.ed/Deeni Taleem Yafta. Need suitable educated, settled religious boy. Contact: Royal Patrika office, Jaipur. Mobile : 9772552446/9799559096

• Sunni Muslim boy 30/5.10"/80 kg. weight/Master in Criminology with Gold Medal/own business. Father retired as Dean from Veterinary College. Home town in Tonk, living in Palanpur, Gujarat, well educated, reputed and well settled small family. Need suitable homely, religious, educated girl from reputed family. Preference to Tonk based girl. Contact: Mobile : 9772552446, 9799559096

• Jaipur based Sunni Muslim boy 28/5.8" M.Com and B.PEd degree English medium. At present Tennis Coach in Pvt School, Father businessman, well settled and educated family. Needs Jaipur based homely religious girl . Contact: Mobile : 8107860666

• Udaipur based Syed/Siddiqui girl 28/5.4"/ B.Tech (Electronics & Communication Engineering) Convent educated, working in Bank as Manager (Central Govt. job transferrable all over India), Annual package 8.00 lakh. Father Addl. Director in Govt. Deptt. and Mother Govt. Teacher (Taken VRS). Well reputed and educated family. Needs suitable religious Muslim boy. Contact: Royal Patrika office, Jaipur. Mobile : 9772552446, 9799559096.

• जयपुर निवासी सुन्नी सैयद मुस्लिम लड़की 27/5.2" एम.ए. (पॉलिटिकल साइंस), दीनी तालीम याफ्ता खूबसूरत, घरेलू कार्य में दक्ष, वालिद एडवोकेट- नोटरी पब्लिक, प्रतिष्ठित पढ़ी लिखी, स्माल फैमिली हेतु पढ़े लिखे नौकरीपेशा/बिजनिसमैन सुयोग्य युवक चाहिए। जयपुर निवासी को प्राथमिकता। इच्छुक संपर्क करें : 9772552446, 9799559096

• सुन्नी मुस्लिम नसीराबाद निवासी फेयर व सुंदर लड़का 28/5'11"/बी ए ; होटल मैनेजमेंट में डिप्लोमा, स्वयं की ट्रांसपोर्ट कंपनी आय 2/2.5 लाख प्रति माह । फादर बिजनेसमैन, मदर का स्वयं का लेडीज गारमेंट्स, किड्स क्लोथ्स शोरूम हेतु सुंदर, सुशील पढ़ी लिखी लड़की चाहिए। संपर्क- रॉयल पत्रिका कार्यालय, जयपुर। Ph. 9772552446, 9799559096

• 28/5'5" B.A, B.ed. divorced, no issue. Father Retd. Sr. Dy. DEO, Mother Retd. Librarian. Jaipur based educated Syed Sunni Muslim family. Needs educated, well settled boy. Contact : Royal Patrika office, Jaipur. Ph. 9772552446, 9799559096

• Suitable match for Jaipur based Syed girl 22/5'3" B. A. And Deeni Taleem Yafta sister (married). Contact: Royal Patrika office. Jaipur. Ph. 9772552446, 9799559096

• 29/5.3 " पोस्ट ग्रेजुएट व 26/5.3" ग्रेजुएट दीनी तालीम आफता व नमाजी रेप्यूटेड फैमिली जयपुर निवासी, दोनों बैंक में कार्यरत मुस्लिम (सैयद) युवकों के लिए खूबसूरत दीनी तालीम के साथ-साथ ग्रेजुएट व घर के काम मे दक्ष लड़कियां | बायोडाटा सहित संपर्क करें - रॉयल पत्रिका कार्यालय,जयपुर। Ph. 9772552446, 9799559096

• खूबसूरत अंसारी लड़की 33/5'/एम ए/ तलाकशुदा/ दीनी तालीम याफ्ता, घर के कामों में माहिर, जयपुर निवासी हेतु सुयोग्य पढ़े लिखे अच्छे फैमिली का लड़का । इच्छुक सम्पर्क करें: रॉयल पत्रिका कार्यालय, जयपुर । मोबाइल : 9887910863/9772552446

Suitable match for Jaipur based Sunni Pathan girl 32/5.4"/B. Com; CS Inter completed/ Deeni Taleem yafta. Educated small family. Father retired from JDA. Need well settled educated boy. Contact : 98288 37346

चुरु (राजस्थान) निवासी सुन्नी मुस्लिम दीनी तालीम याफ्ता लड़की 23/ 5.2"/ एमएससी (फिजिक्स) रंग फेयर, बैंक एग्जाम की तैयारी कर रही हेतु सुयोग्य पढ़े-लिखे व सेटल्ड मुस्लिम युवक को प्राथमिकता । इच्छुक संपर्क करें-रॉयल पत्रिका कार्यालय, जयपुर । मोबाइल: 9772552446/ 9799559096

Sunni Muslim boy 30/5.10"/80 kg. weight/Master in Criminology with Gold Medal/own business. Father retired as Dean from Veterinary College. Home town in Tonk, living in Palanpur, Gujarat, well educated, reputed and well settled small family. Need suitable homely, religious, educated girl from reputed family. Preference to Tonk based girl. Contact: 9772552446/ 9799559096

सुन्नी मुस्लिम लड़की 23 वर्षीय/5.3"/स्नातक-अध्यनरत / दीनी तालीम याफ्ता, घरेलू कार्य में दक्ष, वालिद एडवोकेट, जयपुर निवासी हेतु सुयोग्य वर चाहिए। इच्छुक सम्पर्क करें - 97725 52446

रिश्ते के लिए विज्ञापन दें

रॉयल पत्रिका साप्ताहिक न्यूज़ पेपर में पेज नं. 5 पर तीन-चार महीने पहले मुस्लिम रिश्ते नाम से एक कॉलम शुरू किया गया, जिसका अच्छा रिजल्ट सामने आया है। रॉयल पत्रिका में मुस्लिम रिश्ते के लिए विज्ञापन देने वाले दर्जनों युवक-युवतियों की शादी हो गई है या शादी तय हो गई है। रॉयल पत्रिका राजस्थान के मुसलमानों में पढ़ा जाने वाला एक बड़ा न्यूज़ पेपर है। जिसका फायदा मुस्लिम रिश्ता चाहने वालों को मिल रहा है। मुस्लिम समाज के ऐसे लोगों से गुज़ारिश है जो अपने बेटे- बेटियों के रिश्तों के लिए न्यूज़ पेपर में विज्ञापन देना नहीं चाहते हैं, लेकिन अख़बार में छपे रिश्ते का रिश्ता ज़रूर चाहते हैं। ऐसे लोगों को चाहिए कि वे स्वयं भी न्यूज़ पेपर में रिश्तों का विज्ञापन दें और फायदा उठावें और यह नहीं सोचें कि विज्ञापन देने से उनकी बदनामी हो जाएगी । जिन्होंने रॉयल पत्रिका में रिश्तों के लिए विज्ञापन दिए, उनके रिश्ते तय हुए। जो सोचते रहे वे रिश्तों से वंचित रहे हैं। इसलिए बे हिचक मुस्लिम रिश्तों के लिए रॉयल पत्रिका में विज्ञापन देना चाहिए।

सर्दियों में शकरकंद, आंवला, संतरा, गाजर है पोषण का खजाना

सर्दियों के मौसम में गुलाबी ठंड और सर्द हवा का एहसास दिल तक उतरता है। यह एहसास कई परेशानियों से मुक्त कर सकता है। लेकिन समस्या ये है कि यह मौसम अपने साथ कई बीमारियां भी लेकर आता है। सर्दियों में धूप न मिलने से विटामिन D की कमी हो जाती है। इन दिनों ज्यादा तला-भुना खाने से लिवर और दिल की सेहत बिगड़ती है। पानी कम पीने से डिहाइड्रेशन हो जाता है। इम्यूनिटी कमजोर होने से फ्लू, इन्फेक्शन और श्वसन संबंधी बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। प्रकृति का सबसे खूबसूरत पहलू ये है कि अगर उसके कारण कोई समस्या जन्म ले रही है तो वो उसका उपाय भी देती है। सर्दियों में सेहत से जुड़ी सभी समस्याओं का हल इस मौसम में उगने वाले फल और सब्जियां हैं

सर्दी के मौसम में वरदान हैं ये चीजें

सर्दी के मौसम में धूप कम निकलती है, पॉल्यूशन अधिक होता है, फिजिकल एक्टिविटी कम हो जाती है। इसके चलते इम्यून सिस्टम कमजोर पड़ जाता है और विटामिन D की कमी हो जाती है। इसलिए सर्दियों के ज्यादातर फल खट्टे होते हैं। ये हमारे इम्यून सिस्टम को मजबूत करते हैं। इनमें विटामिन D भी पर्याप्त मात्रा में मौजूद होता है। अगर इस मौसम के फल और सब्जियों का सेवन किया जाए तो शरीर में पोषक तत्वों की कमी नहीं होगी और ये सर्दियों में होने वाली बीमारियों से भी बचा लेंगे।

सर्दियों के सुपरफूड्स:

आंवला
आंवला विटामिन C, A, B कॉम्प्लेक्स, कार्बोहाइड्रेट और फाइबर से भरपूर होता है। इसमें पोटेशियम, कैल्शियम, मैग्नीशियम और आयरन जैसे महत्वपूर्ण मिनरल्स भी होते हैं। ये हमारी आंख, त्वचा और हड्डियों के लिए बेहद फायदेमंद है। इसके अलावा ये इम्यून बूस्टर की तरह काम करता है और कई मौसमी बीमारियों और इन्फेक्शन से बचाता है।

संतरा
संतरा विटामिन C, फोलेट, कैल्शियम और मैग्नीशियम से भरपूर होता है। इसमें एक खास पोषक तत्व कोलीन मौजूद होता है। कोलीन मसल्स के मूवमेंट और अच्छी नींद के लिए बेहद जरूरी होता है। इससे ब्रेन फंक्शनिंग बेहतर होती है और कुछ सीखने या किसी चीज को याद रखने में मदद मिलती है। ये हमारी नर्व्स को भी कंट्रोल में रखता है।

अनार
अनार विटामिन C, K, B और फाइबर से भरपूर होता है। इसमें आयरन, पोटेशियम और जिंक जैसे महत्वपूर्ण मिनरल्स भी होते हैं। इसमें ओमेगा-6 फैटी एसिड होते हैं और फ्लेवनॉन, फेनॉलिक्स पाया जाता है, जो इंफ्लेमेशन को दूर करता है। इसमें कैंसररोधी गुण भी होते हैं। यह हमारी हार्ट हेल्थ को बेहतर बनाए रखता है और बढ़ती उम्र के लक्षणों को कम करता है। शरीर में खुजली, जलन की समस्या को कम करने में भी मददगार है।

गाजर
गाजर विटामिन A, K और B6 का बहुत अच्छा स्रोत होता है। इसमें बायोटिन, पोटेशियम और कैल्शियम भी भरपूर मात्रा में होता है। गाजर हमारी आंखों के लिए बेहद फायदेमंद है। इसमें मौजूद फाइबर पेट और आंत की समस्याओं को दूर करता है। गाजर में पाया जाने वाला कैल्शियम और विटामिन K हड्डियों के लिए फायदेमंद होता है। इसमें मौजूद बीटा-कैरोटीन एक एंटीऑक्सिडेंट के रूप में काम करता है और कैंसर को रोकने में मदद करता है।

अदरक
अदरक सर्दियों में हमारे ब्लड सर्कुलेशन को बूस्ट करता है और शरीर को गर्म रखने में मदद करता है। इसमें एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण भी होते हैं, जो सर्दियों में अक्सर होने वाले कोल्ड और फ्लू जैसी बीमारियों से बचाते हैं। आप अदरक को चाय में मिलाकर, गर्म पानी में उबालकर, स्टर-फ्राई में डालकर या सूप में मिलाकर खा-पी सकते हैं।

लहसुन
लहसुन में पावरफुल एंटीमाइक्रोबियल और इम्यून बूस्टर गुण होते हैं। इससे हमें सर्दी की बीमारियों से लड़ने में मदद मिलती है। लहसुन हमारी हार्ट हेल्थ को भी बेहतर बनाए रखने में मदद करता है। लहसुन को सब्जी या सूप में मिलाकर खा सकते हैं। कुछ लोग इसे भूनकर या कच्चा भी खाते हैं।

शकरकंद
दरअसल, आयरन, फोलेट, कॉपर, कार्बोहाइड्रेट, जिंक, मैग्नीशियम और कई तरह के विटामिन से भरपूर शकरकंद ठंड में खाने के लिए मुफीद कंद है। तासीर में गर्म शकरकंद गरमाहट से साथ बीमारियों से लड़ने की ताकत भी देता है। साथ ही इसका स्वाद भी लाजवाब होता है।

बथुआ
बथुआ में कैल्शियम, आयरन, मैग्नीशियम, फास्फोरस, पोटेशियम और सोडियम जैसे महत्वपूर्ण मिनरल्स होते हैं। इसमें विटामिन C, B2, B3 और B5 भी भरपूर मात्रा में होता है। इसमें मौजूद फाइबर और पानी से पाचन तंत्र स्वस्थ रहता है और कब्ज से राहत मिलती है।

बादाम
बादाम कार्ब्स, प्रोटीन, फाइबर, जिंक और मैग्नीशियम से भरपूर होते हैं। हेल्दी मोनोसैचुरेटेड फैट होने के कारण यह खराब कोलेस्ट्रॉल को कम करता है और अच्छे कोलेस्ट्रॉल बढ़ाने में मददगार है। बादाम ब्लड शुगर स्पाइक को रोकते हैं, इसलिए डायबिटीज में बेहद फायदेमंद हैं। ये हमारे ब्रेन फंक्शन को बेहतर बनाते हैं। इससे डिसिजन मेकिंग और याददाश्त में सुधार होता है।

गुड़
गुड़ कार्बोहाइड्रेट और विटामिन B कॉम्प्लेक्स से भरपूर होता है। इसमें पोटेशियम, आयरन, और जिंक जैसे मिनरल्स होते हैं। इसमें एंटी इंफ्लेमेटरी गुण होता है, जिससे जोड़ों के दर्द में राहत मिलती है। गुड़ खाने से पाचन समस्याएं जैसे गैस, कब्ज, और अपच में आराम मिलता है।

आवश्यकता

• रॉयल पत्रिका को हॉकर्स (अखबार बांटने के लिए) की आवश्यकता है। इच्छुक व्यक्ति कार्यालय आकर शीघ्र संपर्क करें- रॉयल पत्रिका, मस्जिद शेखान के सामने, घोड़ा निकास रोड, रामगंज बाज़ार, जयपुर - 302002
मो. न. : 9772552446

• जयपुर से प्रकाशित होने वाले "रॉयल पत्रिका" को अपने दैनिक समाचार पत्र व "रॉयल पत्रिका" डिजिटल के लिए रिपोर्टर, स्क्रिप्ट राईटर, डी टी पी ऑपरेटर और हॉकर्स (अखबार बांटने वाले) की आवश्यकता है। वेतन योग्यतानुसार । इच्छुक व्यक्ति अपना बायो डाटा निम्न व्हाट्सएप न. पर भेजे-
मो. न. – 9772552446

राजस्थान के 6 विभागों में निकली जूनियर इंजीनियर भर्ती

सरकारी नौकरी करने के इच्छुक अभ्यर्थियों के लिए राजस्थान में नई भर्ती आ गई है। राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड (RSMSSB) ने जूनियर इंजीनियर भर्ती का नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। इस भर्ती में आवेदन की प्रक्रिया 28 नवंबर 2024 से शुरू हो गई है। जिसमें योग्य और इच्छुक उम्मीदवार आधिकारिक वेबसाइट rsmssb.rajasthan.gov.in पर आखिरी तारीख 27 दिसंबर 2024 तक फॉर्म भर सकते हैं।
जूनियर इंजीनियर गैर अनुसूचित क्षेत्र- 970
जूनियर इंजीनियर अनुसूचित क्षेत्र- 141
कुल पद- 1111

योग्यता
राजस्थान जूनियर इंजीनियर की इस भर्ती में आवेदन करने के लिए उम्मीदवारों का किसी विश्वविद्यालय या मान्यता प्राप्त संस्थान से संबंधित क्षेत्र/ट्रेड/ब्रांच आदि में इंजीनियरिंग की डिग्री/ डिप्लोमा होना चाहिए। योग्यता संबंधित जानकारी अभ्यर्थी विस्तार से भर्ती के आधिकारिक नोटिफिकेशन से चेक कर सकते हैं।

आयु सीमा-
जूनियर इंजीनियर की इस भर्ती प्रक्रिया में आवेदन करने के लिए उम्मीदवारों की न्यूनतम उम्र 18 वर्ष और अधिकतम 40 वर्ष होनी चाहिए। उम्र की गणना 1 जनवरी 2024 के मुताबिक की जाएगी। वहीं आरक्षित वर्गों को ऊपरी आयुसीमा में छूट दी जाएगी।

नैशनल आयुर्वेद संस्थान में नर्सिंग ऑफिसर समेत अन्य पदों पर निकली भर्ती

नेशनल इंस्ट्रीयूट ऑफ आयुर्वेद संस्थान (NIA), जयपुर ने रजिस्ट्रार, अकाउंट्स ऑफिसर, नर्सिंग ऑफिसर समेत अन्य पदों पर भर्ती निकाली है। इन पदों के लिए आवेदन की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। इच्छुक और योग्य कैंडिडेट्स आधिकारिक वेबसाइट https://www.nia.nic.in पर जाकर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। इस वैकेंसी के लिए आवेदन करने की आखिरी तारीख 20 दिसंबर, 2024 है। अंतिम तिथि के बाद कोई एप्लीकेशन फॉर्म स्वीकार नहीं किए जाएंगे। इसलिए इस बात का ध्यान रखें।
एनआईए भर्ती के लिए ऑनलाइन आवेदन की शुरुआती तिथि- 29 अक्टूबर 2024
एनआईए भर्ती के लिए ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि- 20 दिसंबर 2024
एनआईए भर्ती के लिए आवेदन करने की आधिकारिक वेबसाइट- nia.nic.in
वैकेंसी डिटेल्स
क्लीनिकल रजिस्ट्रार- 02, अकाउंट्स अधिकारी
01, नर्सिंग अधिकारी 01,फार्मेसिस्ट, मल्टी टास्किंग स्टाफ 22, (एमटीएस)
प्रशासी अधिकारी 01
एनआईए भर्ती के लिए आवेदन करने वाले उम्मीदवारों को कोई फीस का भुगतान नहीं करना होगा। वैद्य के पद पर अप्लाई करने वाले अभ्यर्थियों को एमडी/ एमएस और क्लीनिकल रजिस्ट्रार के उम्मीदवारों के लिए भी एजुकेशन क्वालिफिकेशन एमडीए/ एमएस मांगी गई है। साथ ही, फार्मासिस्ट के पद पर अप्लाई करने वाले अभ्यर्थियों को 12वीं पास और एमटीएस वालों के लिए 10वीं पास होना चाहिए। एनआईए भर्ती के लिए अप्लाई करने वाले उम्मीदवारों को हर पद के लिए आयु सीमा अलग-अलग है। इसलिए कैंडिडेट्स को सलाह दी जाती है कि वे आवेदन करने से पहले विभिन्न पदों के लिए आयु सीमा की जांच कर लें। इसके बाद ही आवेदन करें।

राजस्थान एग्रीकल्चर ऑफिसर भर्ती

राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा कृषि अधिकारी के 52 पदों पर भर्ती का नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। इस भर्ती के लिए योग्य अभ्यर्थी एसएसओ पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन फॉर्म भर सकते हैं। भर्ती के लिए महिला और पुरुष दोनों अभ्यर्थियों से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। भर्ती में सामान्य वर्ग के लिए 19 पद, ओबीसी के लिए 11 पद, ईडब्ल्यूएस के लिए 5 पद, एमबीसी के लिए दो पद, अनुसूचित जाति के लिए 8 पद एवं अनुसूचित जनजाति के लिए 7 पद रखे गए हैं। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा पहले एग्रीकल्चर ऑफिसर के 25 पदों पर नोटिफिकेशन जारी किया गया था जिसके लिए ऑनलाइन आवेदन 7 मार्च से 5 अप्रैल तक भरवाये थे अब इस भर्ती में एग्रीकल्चर ऑफिसर के पदों की संख्या बढ़ाकर 52 कर दी है। इसलिए आरपीएससी एग्रीकल्चर ऑफिसर भर्ती के फॉर्म को वापस रिओपन किया गया है। अब इस भर्ती के लिए अभ्यर्थी 29 नवंबर से 13 दिसंबर तक आवेदन कर सकते हैं लेकिन जिन अभ्यर्थियों ने इस भर्ती के लिए पहले से आवेदन कर रखा है। उन्हें वापस आवेदन करने की आवश्यकता नहीं है लेकिन अभ्यर्थी अपने आवेदन फॉर्म में संशोधन कर सकते हैं।

आवेदन शुल्क
इस भर्ती में सामान्य वर्ग और अनारक्षित वर्ग के लिए आवेदन शुल्क ₹600 रखा गया है जबकि अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, ईडब्ल्यूएस, एमबीसी, सहरिया क्षेत्र और दिव्यांग अभ्यर्थियों के लिए आवेदन शुल्क ₹400 रखा गया है अभ्यर्थियों को आवेदन शुल्क का भुगतान ऑनलाइन माध्यम से करना होगा।

महत्वपूर्ण तिथियाँ
आवेदन फॉर्म शुरू: 29 नवंबर 2024
आवेदन की अंतिम तिथि: 13 दिसंबर 2024

आयु सीमा
इस भर्ती के लिए आवेदक की न्यूनतम आयु 20 वर्ष और अधिकतम आयु 40 वर्ष तक रखी गई है।

शैक्षणिक योग्यता
इस भर्ती के लिए आवेदक मान्यता प्राप्त यूनिवर्सिटी से एमएससी कृषि या बागवानी विषय में होना चाहिए। इसके अलावा अभ्यर्थी को देवनागरी लिपि में लिखी हिंदी का ज्ञान और राजस्थान संस्कृत का ज्ञान होना चाहिए।

चयन प्रक्रिया
इस भर्ती के लिए आवेदकों का चयन लिखित परीक्षा, डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन और मेडिकल के आधार पर किया जाएगा। इस भर्ती में चयनित अभ्यर्थियों को वेतन ग्रेड पे 5400 रुपए और पे मैट्रिक्स लेवल एल 14 के अनुसार दिया जाएगा। लिखित परीक्षा में राजस्थान के सामान्य ज्ञान से संबंधित 40 प्रश्न पूछे जाएंगे और संबंधित सब्जेक्ट से 110 प्रश्न पूछे जाएंगे प्रत्येक प्रश्न एक अंक का रहेगा और यह पेपर कुल 150 अंकों का होगा।

एसोसिएशन ऑफ मुस्लिम प्रोफेशनल द्वारा एनटीएस 2024 एग्जाम सम्पन्न

बारां(रॉयल पत्रिका)। एसोसिएशन ऑफ मुस्लिम प्रोफेशनल (AMP) द्वारा नेशनल टेलेंट सर्च (NTS) 2024 एग्जाम शनिवार 7 दिसंबर 2024 को शहर के नयापुरा स्थित सहारा बाल विद्या निकेतन सेकंडरी स्कूल बारां में सम्पन्न हुआ। जिसमें जिले के कक्षा 8वीं से कक्षा 12वीं तक के प्रतिभाशाली छात्र - छात्राओं ने भाग लिया। परीक्षा केंद्र पर बच्चे सुबह 10:30 पर पहुंचे। एग्जाम सुबह 11 बजे से दोपहर 12:30 तक रहा । बच्चों ने बढ़-चड़ कर परीक्षा में भाग लिया। इसमें मेरिट होल्डर बच्चों को देश के विभिन्न उच्च शिक्षण संस्थानों में पढ़ने का अवसर प्रदान किया जाएगा, तथा छात्रवृत्ति देकर बच्चों को प्रोत्साहित किया जाएगा। परीक्षा, केंद्र के ऑब्ज़र्वर मदरसा रजविया के प्रिंसिपल हाफिज मुइनुद्दीन साहब के सानिध्य में संपन्न हुई। सहारा स्कूल के डायरेक्टर मोहम्मद आफाक व विद्यालय स्टॉफ ने परीक्षा को सम्पन्न करवाया।

माशूक अली चिश्ती बने शाह समाज बारां के सदर

बारां (रॉयल पत्रिका)। पंचायत शाह समाज बारां की एक बैठक श्रमिक कॉलोनी तालाब की पाल स्थित शाह समाज के मुस्लिम जमात खाने में सम्पन्न हुई। जिसकी अध्यक्षता समाज के सदर डॉक्टर वसीम अहमद शाह ने की। बैठक में सदर डॉक्टर वसीम अहमद शाह ने अपना 2021 से 2024 तक तीन साल का कार्यकाल पूरा होने पर हिसाब किताब पेश किया, ओर पद से इस्तीफा दिया। इसके बाद बैठक में उपस्थित समाज के लोगों ने माशूक अली चिश्ती को समाज का नया सदर चुना। सेकेट्री शकील अहमद (शेखू), खजांची गुलजार बेहलीम को चुना गया। बैठक में उपस्थित सभी लोगों ने नई कमेटी का माला पहनाकर इस्तकबाल किया। ओर समाज की भलाई के लिए बेहतर काम करने की कमेटी से बात कही। इस दौरान बैठक में बाबू भाई, डॉक्टर हाजी अब्दुल रशीद, अलीम भाई, चाचा मंगू, छुट्टन भाई, माजिद भाई, एजाज वकार, शहज़ाद भाई, इकबाल रीगल, शाहिद भाई, चाचा बूंदु, फरीद भाई, रहीम भाई, सादिक भाई, सलीम भाई, फिरोज भाई, वसीम भाई मौजूद रहे।

39 किलो 700 ग्राम अवैध डोडा चूरा जब्त

- चिप्स ,नमकीन के कार्टन की आड़ में की जा रही थी तस्करी

डॉ० तौहीद

सुकेत (रॉयल पत्रिका)। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 39 किलो 700 ग्राम डोडा चूरा जब्त कर दो जनों को गिरफ्तार किया है। मंडाना थाना अधिकारी अजय कुमार शर्मा के नेतृत्व में टीम का गठन कर राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 52 पर चेकिंग शुरू की। इस दौरान संदिग्ध पिकअप को चेक किया तो उसमें 39 किलो 700 ग्राम अवैध मादक पदार्थ डोडा चूरा बरामद कर तस्करी करते हुए तिलवासनी जोधपुर निवासी विकास पुत्र ओमप्रकाश एवं आमलियावास जोधपुर निवासी जगदीश पुत्र बीरबल राम को गिरफ्तार कर वाहन को जब्त कर लिया। तस्करों द्वारा पिकअप वाहन में पीछे कंटेनर में अलग से एक गुप्त केबिन बनाया जाकर उसमें डोडा चूरा भरकर तस्करी की जा रही थी। बाहरी तौर पर देखने पर केबिन नजर नहीं आ रहा था। कंटेनर की छत पर अलग से ढक्कन लगा हुआ है। कंटेनर में पुराने चिप्स, नमकीन के कार्टन रखकर तस्करी की जाती है।

वाहन निकलने से फिर टूटा नाले का ढक्कन

सुकेत (रॉयल पत्रिका)। सुकेत के टंकी चौराहा से कुदायला के पारसा माता चौराहे तक चौड़ाई बढ़ाकर निर्मित टू लेन सीसी रोड का घटिया कार्य आए दिन उजागर हो रहा है। निर्माण पूरा होने से पहले ही सीसी रोड की गिट्टियां बाहर आ गई तो नाले के होल का स्लेब टूट गया। वहीं नाले पर किया ढकान वाहनों के गुजरने से टूट गया। अब यहां से गुजरने वाले वाहन चालक परेशान हो रहे हैं। ताजा मामला औद्योगिक क्षेत्र कुदायला क्षेत्र का है। जहां नव निर्मित नाले पर किया गया सीमेंट कंक्रीट का ढकान वाहन का भार नहीं सह सका और टूट गया। करीब एक माह पहले सातलखेड़ी के रामदेव मन्दिर के पास नाले की सफाई के लिए छोड़े गए होल पर डाला गया स्लेब वाहन गुजरने से टूट गया था। निर्माण कम्पनी के कारिंदों ने जेसीबी से टूटे स्लेब को हटा तो दिया, अब खुला नाला दुर्घटना का कारण बन सकता है। लोगों का कहना हैं कि सीसी रोड़ निर्माण में गुणवत्ता के मानदण्डों का ध्यान नहीं रखा ।

माथना में गर्ल फ्रेन्डली ग्राम पंचायत का शुभारंभ

बारां (रॉयल पत्रिका)। महिला अधिकारिता विभाग द्वारा डीएचईडब्ल्यू के माध्यम से गर्ल फ्रेन्डली ग्राम पंचायत विकास अभियान के तहत, बारां ब्लॉक की ग्राम पंचायत माथना को गर्ल फ्रेन्डली ग्राम पंचायत के रूप में विकसित करने एवं जन जागरूकता के उद्देश्य से बेटी जन्मोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। महिला अधिकारिता ब्लॉक सुपरवाईजर मोनिका शर्मा ने बताया कि कार्यक्रम में केक काट कर बेटी जन्मोत्सव मनाया गया तथा नवजात बालिकाओं के अभिभावकों को बेबी ब्लेंकेट बांटे गए तथा बेटी के नाम की नेमप्लेट प्रदान कर घर के मुख्य द्वार पर डिस्प्ले किए जाने की अपील की गई। जिससे बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना का उद्देश्य साकार होगा तथा गांव-गांव में बेटियों के नाम से घर-घर को पहचाना जाएगा। इसी के साथ एक पेड़ बेटी के नाम अभियान के तहत ग्राम साथिन मीनाक्षी कुमारी मीणा के सहयोग से ग्राम पंचायत परिसर के समीप ही कन्या पोषण वाटिका का पौधारोपण कर उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम में जेण्डर स्पेशलिस्ट पुष्पा शर्मा, एमटीएस, डीएचईडब्ल्यू विजय सुमन द्वारा कार्यक्रम में उपस्थित प्रतिभागियों को बाल विवाह मुक्त अभियान के तहत बाल विवाह रोकथाम एवं बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ की शपथ दिलवाई तथा आमजन को पौधारोपण करने के लिए प्रेरित किया, वहीं नवजात बेटियों के नाम पर पोषण वाटिका के अतिरिक्त आमजन द्वारा अपने नजदीकी क्षेत्रों में पौधारोपण कर वातावरण स्वच्छता में अपना योगदान करना चाहिए। कार्यक्रम में ग्राम पंचायत अध्यक्ष खुशबु नागर, ग्राम विकास अधिकारी संजू कुमावत, कनिष्ठ सहायक कपिल शर्मा, विद्यालय प्रधानाचार्य रामचरण मीणा, एएनएम माथना पीएचसी ज्योति चौरसिया एवं अन्य प्रतिभागी उपस्थित रहे।

अल-फलाह अकेडमिक अवार्ड समारोह में हाड़ौती के 370 प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया

- राजस्थान के भव्य मुस्लिम आयोजन में शुमार है अल फलाह का ये अवॉर्ड समारोह

शब्बीर हुसैन

कोटा(रॉयल पत्रिका)।अल-फलाह एज्यूकेशनल एण्ड वेलफेयर ट्रस्ट की जानिब से प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी रविवार को अल-फ़लाह अकेडमिक अवार्ड 2024 समारोह में 370 प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को यूआईटी आडिटोरियम में अयोजित समारोह के दौरान सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में कोटा, बूंदी, बारां, झालावाड़, अंता, कैथून, रावतभाटा, सांगोद व मांगरोल के प्रतिभावान विद्यार्थी शामिल हुए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पुलिस उप अधीक्षक अनीस अहमद तथा संरक्षक जनाब जुबेर अहमद शहर काजी कोटा रहे। इस वर्ष केन्द्रीय एवं राज्य शिक्षा बोर्ड की 10वीं तथा 12वीं कक्षाओं में 85 प्रतिशत अथवा उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थी, राजस्थान प्रशासनिक सेवा में चयनित एवं आई.आई.टी. के पी.एचडी.के, सी.ए. के, नीट के, सफल आशार्थी, विभिन्न क्षेत्रों में स्वर्ण पदक प्राप्त करने वाले व्यक्ति तथा हाफ़िज़ ए कुरान एवं आलीमाओं की उपाधि प्राप्त करने वाले कई छात्र,छात्राओं को ओर समाजिक क्षेत्र में फलाह के काम करने वाली संस्थाओं को ओर सम्मानित किया गया। इन सभी सम्मानित महानुभावों को ट्रस्ट की ओर से शुभकामनाएं देकर इनके उज्जवल भविष्य की कामना की गई। पुलिस उपाधीक्षक अनीस अहमद ने अल फलाह ट्रस्ट के समस्त पदाधिकारियों को भी ऐसे भव्य आयोजन हेतु मुबारकबाद पेश करते हुए उनके द्वारा योग्य विद्यार्थियों के मार्गदर्शक के रूप में निरंतर उल्लेखनीय कार्यो के माध्यम से शिक्षा की ज्योति को प्रज्वलित करने को ध्येय को भी मुक्त कंठ से सराहा। साथ ही सरकार से भी इस ट्रस्ट को नियमानुसार सहयोग प्रदान करवाने की दिशा में अपनी सक्रिय भागीदारी वहन करने का आश्वासन भी दिया।इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रगति एजुकेशनल ग्रुप के चेयरमैन डॉ० ज़फ़र मोहम्मद, चिल्ड्रन एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन एस० ए० खान, पंचायत अंसारियान समिति के अध्यक्ष लियाक़त अंसारी, समाजसेवी मोहम्मद मियां, शब्बीर खान, हकीम बख़्शा, डॉ०मोहम्मद यूनुस, डॉ०इमरान खान, भाईजान एडवोकेट नवीद अशफाक रज़ा, शाक़िर मिर्ज़ा, गुलशेर अहमद रियासत अली, मो०अज़हरुद्दीन ओर मुजफ्फर राईन ने किया।

बारां: एसडीपीआई ने 06 दिसम्बर को फासीवादी विरोधी दिवस मनाया

बारां(रॉयल पत्रिका)। शहर के अन्जुमन चौराहे पर एस.डी.पी.आई. बारां की तरफ से फासीवाद विरोधी दिवस पर धरना प्रदर्शन आयोजित किया गया, जिसमें तिलावते कलाम पाक से शुरूआत हाफिज मोहम्मद जैद ने की, तराना ब्रादर मोहम्मद अशफाक ने पढ़ा, मस्जिद बारह भाईयान के इमाम मौलाना अख्तर नदवी ने मस्जिद के साथ नाइंसाफी व उसकी अहमियत मुस्लिम समाज में मसाजिद का क्या महत्व है, पर अपनी बात रखी। स्कॉलर मौलाना मसऊद आलम ने अपनी बात में कहा कि मस्जिदे बुराई को खत्म करने व जुल्म सितम के खिलाफ व जुआ सट्टे जैसी बुराई के खिलाफ काम आनी चाहिए। यहां से शांन्ति, अमन इंसानियत के पैगाम जारी होते हैं, यहां से मआशरे में फैली बुराईयों को दूर करने की कौशिश हमें करनी चाहिए। अन्जुमन इत्तेहाद ए बाहमी जिला बारां के सदर अहतशाम उद्दीन सिद्दीकी ने 1991 पूजा स्थल अधिनियम की धारा 3-4 पर प्रकाश डाला जिसमें यह उल्लेख है कि 1947 से धार्मिक स्थल मन्दिर मस्जिद या किसी भी

धर्म के पूजा स्थल इबादत गाहे यथावत रहेगी, इनके साथ किसी तरह की छेड़ छाड़ नहीं होगी। इस पर रोशनी डाली। एस.डी.पी.आई. स्टेट जनरल सैकेट्री नदीम अख्तर ने अपने सम्बोधन में कहा कि जब से फांसीवादी लोग सत्ता में आये, सरकारी एजेन्सी गलत इत्तेमाल कर रहे हैं, देश में अमन चैन खराब कर रहे हैं। संविधान की धज्जियां उड़ा रहे हैं। पूजा स्थल अधिनियम पर भी अपनी बात रखी। आखिर में मौलाना सलमान ने भी अपनी बात रखी। प्रोग्राम का इख्तिताम मौलाना इम्तियाज ने दुआ से किया। प्रोग्राम का संचालन स्टेट ट्रेजरार जाकिर रंगरेज ने किया। प्रोग्राम में हजारों की संख्या में लोगों ने शिरकत की। प्रोग्राम में शहादत हुसैन, सलामत हुसैन, इफ्तिखार अहमद, हाजी मोहम्मद अशफाक, अलीम मंसूरी, हाजी वहीद, इरशाद अंसारी, पार्षद असलम अंसारी, गुलशेर अहमद, समीर मिर्जा, वसीम शेख, आबिद हुसैन कपड़े वाले व कदीर मामा व सैंकड़ो कार्यकर्ता एवं सपोर्टर मौजूद रहे।

बाल विवाह रोकथाम एवं बाल संरक्षण के लिए एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित बाल अधिकार संरक्षण पर दी कानूनी जानकारी

- बाल विवाह रोकथाम एवं बाल संरक्षण के लिए एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित
- बाल अधिकार संरक्षण पर दी कानूनी जानकारी

बूंदी(रॉयल पत्रिका)।जिला प्रशासन, जिला बाल संरक्षण इकाई द्वारा बाल कल्याण समिति एवं एक्शन एड यूनिसेफ के सहयोग से पंचायत प्रतिनिधियों, बाल संरक्षण समिति सदस्यों एवं कार्मिकों की क्षमता वृद्धि के लिए पंचायत समिति, बूंदी में आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला में प्रधान प्रेम बाई मीणा ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि बाल विवाह सामाजिक कुरीति है। इसको रोकने के लिए सभी को सम्मिलित प्रयास करते हुए जन जागरूकता संबंधी कार्यक्रम चलाने होंगे और दोषियों पर कार्रवाई कर बाल विवाह पर अंकुश लगाया जा सकता है। सभी संबंधित अधिकारी व जनप्रतिनिधि इस संबंध में अपनी-अपनी जिम्मेदारी का भलीभांति निर्वहन करें। कार्यशाला में मुख्य प्रशिक्षक बतौर एचसीएम रीपा जयपुर से पधारे बाल संदर्भ केंद्र, कार्यक्रम अधिकारी राजकुमार पालीवाल ने पंचायती राज प्रतिनिधियों की भूमिका पर चर्चा करते हुए बताया कि हाईकोर्ट ने कहा कि राजस्थान पंचायती राज नियम 1996 के तहत गांव में बाल विवाह पर रोक लगाना गांव के सरपंच का कर्तव्य है। कोर्ट ने कहा कि बाल विवाह रोकने की जिम्मेदारी सूची में अंकित गांव के सरपंच और पंचायत सदस्य की होगी। अदालत ने राज्य सरकार को निर्देश दिया इन गांवों के सरपंच और पंच को जागरूक किया जाना चाहिए और सूचित किया जाना चाहिए कि यदि वे बाल विवाह को रोकने में विफल रहते हैं तो बाल विवाह निषेध अधिनियम 2006 की धारा 11 के तहत उन्हें जिम्मेदार ठहराया जाएगा।

बाल कल्याण समिति अध्यक्ष सीमा पोद्दार ने कहा कि बच्चों के अधिकारों के संरक्षण के लिए, राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग और जिला बाल संरक्षण इकाइयां काम करती हैं। बच्चों के मामलों पर निर्णय लेने के लिए, जिलों में बाल कल्याण समितियां (सीडब्ल्यूसी) और किशोर न्याय बोर्ड (जेजेबी) होते हैं।विकास अधिकारी सुरेश वर्मा ने कहा कि कार्यशाला का उद्देश्य विभागों के बीच परस्पर समन्वय बढ़ाना और बाल विवाह की रोकथाम के लिए प्रयासों को मजबूत करना है। यह कार्यशाला जिले में बाल विवाह के उन्मूलन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो समाज को जागरूक करने और बच्चों के अधिकारों की रक्षा करने के लिए सरकार व प्रशासन की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

सहायक निदेशक बाल अधिकारिता हुकम चंद जाजोरिया ने जानकारी देते हुए बताया कि उद्बोधन में कहा कि बाल विवाह की प्रभावी रोकथाम के लिए कार्य योजना के क्रियान्वयन के संबंध में उच्च न्यायालय, जयपुर व जिला कलेक्टर आदेश की अनुपालना में पंचायती राज प्रतिनिधियों, बाल संरक्षण समिति सदस्यों व कार्मिकों की बाल विवाह रोकथाम व बाल संरक्षण विषय पर बेहतर समझ बनाने के उद्देश्य से बूंदी जिले के पांचो पंचायत समितियों में कार्यशालाओं का आयोजन किया गया जिनमें लगभग 500 प्रतिभागियों का क्षमतावर्धन किया गया। एक्शन एड-यूनिसेफ जिला समन्वयक जहीर आलम ने कहा कि बाल विवाह जैसी कुप्रथा को मिटाने और इस पर रोक लगाने को लेकर जिला प्रशासन ने समाज के हरेक वर्ग के लोगों से, बुद्धिजीवों से और सामाजिक कार्यकर्ताओं से आगे आकर काम करने की अपील की है और समाज के लोगों से इसे खत्म करने को लेकर पहल करने को कहा है। कार्यक्रम के अंत में बाल अधिकारिता के संरक्षण अधिकारी गोविंद कुमार ने उपस्थित सभी प्रतिभागियों का धन्यवाद ज्ञापित कर बाल विवाह, बाल मजदूरी, बाल दुर्व्यापार पर कारगर रोक लगाने की अपील करते हुए कहा कि पंचायत समिति स्तर पर आयोजित ये कार्यशाला में बच्चों की शिक्षा, सुरक्षा एवं संरक्षण सुनिश्चित करने के महत्वपूर्ण भूमिका निभायेगी अंत में सभी प्रतिभागियों ने बाल विवाह व बाल श्रम रोकथाम हेतु संकल्प पत्र भरे। कार्यशाला में अतिरिक्त विकास अधिकारी लेखराज प्रजापत, बाल अधिकारिता से ओ.डब्लू दीपिका वशिष्ठ, चाइल्ड हेल्पलाइन से मुकेश कुमार गोस्वामी, परिता शर्मा, शिक्षा विभाग, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, पंचायती राज विभाग के अधिकारी, कार्मिक, एवं विभिन्न पंचायतों के सरपंच एवं जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

वन विभाग ने बन्द करवाया चेचट- खेड़ली- अमझार सड़क निर्माण का कार्य

- 40 करोड़ की लागत से चेचट से अमझार तक बन रही थी सड़क

सुकेत(रॉयल पत्रिका)। अमझार सड़क मार्ग पर स्थित ग्राम भटवाड़ा में चल रहे सड़क निर्माण कार्य को शुक्रवार को वन विभाग के कर्मचारियों ने बन्द करवा दिया। सड़क निर्माण कार्य बन्द करवाने से भटवाड़ा के ग्रामीणों में रोष है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि सड़क निर्माण कार्य दो दिन के अन्दर शुरू नहीं हुआ तो ग्रामीण चक्का जाम करेंगे । जानकारी के अनुसार वर्तमान में 40 करोड़ की लागत से चेचट वाया खेड़ली-अमझार तक सड़क निर्माण कार्य चल रहा है। संवेदकं द्वारा अभी ग्राम भटवाड़ा में सीसी सड़क का निर्माण किया जा रहा है। शुक्रवार को वन विभाग के कार्मिक होशियार सिंह व उनकी टीम ने ग्राम भंटवाड़ा में चल रहे सीसी सड़क निर्माण कार्य को बन्द करवा दिया। संवेदक द्वारा वन विभाग के कार्मिकों द्वारा समझाइश की गई कि गांव के अंदर पहले से सीसी सड़क बनी हुई है वही निर्माण किया जा रहा है। वन विभाग की भूमि पर निर्माण नहीं किया जा रहा है। इसके बावजूद भी वन विभाग के कार्मिकों ने संवेदकों की नहीं मानी। आखिर में संवेदक को सड़क निर्माण कार्य बन्द करना पड़ा। काम बन्द होने के बाद संवेदक सड़क निर्माण में काम आने वाली मशीन ट्रोले में 'भरकर ले गए।

ग्रामीणों में दिखा रोष

ग्रामीण राजाराम जाट ने बताया कि वन विभाग के कार्मिक होशियार सिंह द्वारा ग्रामीणों को आये दिन

नाजायज परेशान किया जाता है। आज भी वन विभाग कार्मिक व उनकी टीम ने सड़क निर्माण कार्य बन्द करवा दिया, जो अनुचित है। क्योंकि संवेदक द्वारा गांव के अंदर जहां पहले से सीसी सड़क बनी हुई थी वही सड़क निर्माण किया जा रहा था। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि सड़क निर्माण कार्य दो दिन के अंदर शुरू नहीं किया गया तो ग्रामीण चक्का जाम करेंगे।

होमगार्ड ने मनाया 62 वां स्थापना दिवस

बारां (रॉयल पत्रिका)। गृहरक्षा प्रशिक्षण केंद्र बारां में 6 दिसंबर 2024 होमगार्ड का 62 वां स्थापना दिवस मनाया गया।इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में कमाण्डेन्ट गृह रक्षा प्रशिक्षण केन्द्र सीमा पारीक ने झण्डारोहण कर परेड की सलामी ली, तत्पश्चात निदेशालय से प्राप्त राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु, गृह मंत्री एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह, गृह सचिव गोविन्द मोहन, राज्यपाल हरिभाउ बागडे, गृह मंत्रालय महानिदेशक अग्नि सेवा नागरिक सुरक्षा एवं गृह रक्षक विवेक श्रीवास्तव, महानिदेशक एवं महासमादेष्टा गृह रक्षा जयपुर राजेश निर्वाण के संदेश को पढ़कर सुनाया गया। स्थापना सप्ताह पर कई कार्यक्रम आयोजित किए गए। जिसमें जनजागरण वाहन रैली का आयोजन किया गया। कई खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की गई एवं स्वयंसेवकों को डयूटी के प्रति दिशा निर्देश प्रदान किए गए। स्थापना दिवस की साप्ताहिक प्रतियोगिता में दौड़ में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय आने वाले स्वयंसेवकों को शील्ड प्रदान की गई। साथ ही उत्कृष्ट कार्य करने वाले सदस्यों को प्रशंसा पत्र प्रदान किए गए।

शिक्षक देश का निर्माता : अनिल शर्मा

- सुकेत में प्रतिभाओं को किया गया सम्मानित

सुकेत(रॉयल पत्रिका)। कस्बे के रिलायबल पब्लिक स्कूल सुकेत द्वारा आयोजित स्वागत एवं प्रतिभा सम्मान समारोह मे स्कूल शिक्षा परिवार के प्रदेश अध्यक्ष अनिल शर्मा प्रदेश महासचिव श्रवण बोहरा जयपुर, कोटा जिला अध्यक्ष हंसराज गौतम प्रदेश उपाध्यक्ष और कोटा संभाग प्रभारी रघुनन्दन गौतम पूर्व जिलाध्यक्ष डॉक्टर अशरफ बैग, नरेश शर्मा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य राजेंद्र धानिया संभागीय उपाध्यक्ष, महेश रामगंजमंडी मंडी ब्लॉक अध्यक्ष भवानीशंकर शेरावात, अमन मिर्ज़ा, सहित कई बड़ी हस्तियों ने प्रतिभाओ को अपने उत्कृष्ट कार्यो के लिए सम्मानित किया।

यह जानकारी रिलायबल स्कूल के संचालक जरीफ अहमद सर द्वारा दी गई है। इसमें सुकेत ही के रिलायबल

स्कूल के छात्र एवं बी टैक इंजीनियर छात्र अल्केफ खान को भी वेबसाइट डेवलपमेंट के लिए सम्मानित किया इस क्रम मे खीमच की चाँद खा पीर खान परिवार की बेटी जिया खान पुत्री ताहिर अली ने भी 92 प्रतिशत अंक हासिल कर कीर्तिमान हासिल किया साथ ही अन्नू धाकड़ ने कंप्यूटर परीक्षा मे 90 प्रतिशत अंक हासिल कर अपने क्षेत्र का नाम रोशन किया। साथ ही आज सुकेत कस्बे के पहले डिजिटल शिक्षा देने वाले विद्यालय की वेब साइट www.rpssuket.com का भी फीता काटकर विमोचन किया गया। इस अवसर पर सुकेत कस्बे के सभी स्कूल संचालक अब्दुल रऊफ शरीफ हुसैन, आरिफ हुसैन, धीरज भार्गव, मनीष गौतम, राधेश्यान धाकड़, पूनम चंद नागर, साकिब खान, समी खान, सुकेत सेक्टर प्रभारी आशीष शर्मा भाग सहित रामगंजमंडी मंडी तहसील से चेचट से सतलखेड़ी, कनवास, सांगोद बूँदी सिमलिया क्षेत्र के स्कूल संचालको ने कार्यक्रम मे भाग लिया।

दिव्यांग कल्याण समिति झालावाड़ ने मुख्यमंत्री के नाम जिला कलेक्टर को दिया ज्ञापन

फिरोज खान वारसी

झालावाड़(रॉयल पत्रिका)। दिव्यांग कल्याण समिति के झालावाड़ पदाधिकारी के नेतृत्व में झालावाड़ जिला कलेक्टर को मुख्यमंत्री राजस्थान सरकार के नाम ज्ञापन सौंपा गया। बताया कि राजस्थान में कार्यरत दिव्यांग कर्मचारी, अधिकारी जोकि विभिन्न सरकारी विभागों में कार्यरत हैं।

जिनकी निम्न व्यवहारिक समस्याओं के निराकरण के लिए विकलांग कल्याण समिति लगातार पिछले कई वर्षों से समाधान के लिए कार्यरत है, परंतु अभी तक निराकरण नहीं हुआ है। केंद्र सरकार के आदेश दिनांक 28-12-2023 के अनुसार राजस्थान के दिव्यांग कर्मचारियों को भी 2016 से पदोन्नति में आरक्षण का काल्पनिक लाभ प्रदान किया जाना चाहिए। राजस्थान सरकार के 01-12-2021 के आदेशनुसार दिव्यांगों को पदोन्नति मे 4 आरक्षण का लाभ दिया जा रहा है। परंतु अलग अलग विभागों में पदोन्नति के लिए आवश्यक अनुभव के नियमों में कोई बदलाव नहीं किए जाने के कारण आरक्षण का पूर्ण लाभ दिव्यांगों को नहीं मिल पा रहा है। पदोन्नति के लिए जरूरी अनुभव एक बारीय 50 तक शिथिलता प्रदान कर दिव्यांगों के बैक्लॉग को भरा जाना चाहिए। दि

व्यांग कार्मिकों को प्राप्त दिव्यांग वाहन भत्ता, केंद्र सरकार अनुरूप 3600 रु दिया जाए अभी मात्र 1200 रु ही दिया जा रहा है जबकि पेट्रोल का दाम सभी जगह समान है। दिव्यांग कार्मिकों को स्थानांतरण में इच्छित स्थान पर पदस्थापन किया जाए क्योंकि उन्हें आने जाने में दिक्कत आने से परेशानी होती है। शारीरिक अक्षमताओं के इच्छित स्थान पर पदस्थापन कर उन्हें राहत दी जानी चाहिए राजस्थान में दिव्यांग कार्मिकों को सभी लाभ 40 प्रतिशत दिव्यांगता पर ही दिए जाए। इसमें प्रतिशतता को लेकर राजस्थान में वर्ग भेद समाप्त किया जाना चाहिए। विश्व दिव्यांग दिवस का दिव्यांग कर्मचारी का अवकाश होना चाहिए।

ज्ञापन सौंप कर उक्त मांगो पर सहानुभूति पूर्वक विचार करते हुए दिव्यांग अधिकार अधिनियम 2016 को पूर्णतया धरातल पर लागू करवाने के लिए कठोर कार्रवाई की जाए एवं यह भी निश्चित किया जाए कि दिव्यांग अधिकार अधिनियम 2016 को लागू करवाने के लिए कौन सा विभाग जिम्मेदार है। इस संबंध में की गई संपूर्ण कार्यवाई से समिति को भी अवगत करवाने की मांग की।

वक्ताओं ने कहा दुनिया में एक मिसाल है चूरू का सांप्रदायिक सद्भाव

- मुस्लिम भाइयों की ओर से कोटड़ी रिसालदारान में हुए दिवाली स्नेह मिलन में जनप्रतिनिधियों के साथ जुटे विभिन्न धर्म-संप्रदायों से जुड़े लोग

चूरू(रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय स्थित वार्ड नं. 58 ईदगाह मोहल्ला में ईदगाह वेलफेयर सोसायटी की ओर से कोटड़ी रिसालदारान में रियाजत अली खान एवं मुस्लिम समाज की ओर से भव्य सामाजिक सरोकार एवं सामाजिक समरसता की भावना के साथ दिपावली स्नेह मिलन समारोह का सफल आयोजन किया गया। समारोह में सांप्रदायिक सद्भाव के लिए मशहूर चूरू में अनूठा नजारा देखने को मिला, जब मुस्लिम भाइयों की ओर से आयोजित दिवाली स्नेह मिलन में जुटे विभिन्न धर्म-संप्रदायों से जुड़े लोगों ने जोश ओ खरोश से शिरकत की और एक-दूसरे को दिवाली की शुभकामनाएं दीं। समारोह की अध्यक्षता युग निर्माण योजना के संयोजक गुरूदेव रामसिंह राठौड़ ने की तथा समारोह के अतिथि चूरू विधायक हरलाल सहारण, फतेहपुर विधायक हाकम अली खान, सुजानगढ़ विधायक मनोज मेघवाल, भाजपा जिलाध्यक्ष अध्यक्ष बंसत शर्मा, राजस्थान साहित्य अकादमी के पूर्व अध्यक्ष डॉ. दुलाराम सहारण, सुजानगढ़ सभापति पूर्व प्रतिनिधि इद्रीश गौरी, मौलाना अनिश रजा, मंगतु राम चोटिया, समाजसेवी महेंद्र चौबे, बंजरग सैन, उमाशंकर शर्मा, हनिफ खान नसवाण, नवाब खां जोईया इत्यादि थे।

डॉ. दुलाराम सहारण ने कहा कि चूरू में जिस तरह का सांप्रदायिक सद्भाव है और सामाजिक सौहार्द है, उससे शांति और कानून व्यवस्था बनाए रखने में बहुत मदद मिलती है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से आपसी भाईचारे और परस्पर सामंजस्य को बल मिलता है। मोलाना अनीश रजा ने कहा कि दुनियाभर की बांटने वाली ताकतें देश के माहौल को खराब करने में जुटी हुई हैं लेकिन हम भारत के सद्भावी लोग कभी माहौल खराब होने नहीं देंगे। उन्होंने शायराना अंदाज में कहा कि यह सियासत की नहीं, फकीरों की धरती है, जहां मुहब्बत पलती है। राजस्थान की इस धरती में आंधियां चलती हैं और खेतों में फसल भले ही बरसात पर निर्भर हो लेकिन यहां इंसानियत की फसल बहुत अच्छी है। भाजपा जिलाध्यक्ष बंसत शर्मा ने कहा कि भले ही पूरी दुनिया में घूम आओ, चूरू आने के बाद जो सुकून मिलता है, वह कहीं भी नहीं है। इसके पीछे चूरू के लोगों का प्रेम और उनकी मिली-जुली संस्कृति ही है। उन्होंने कहा कि चूरू आने के बाद कभी भी उन्हें यह शहर पराया नहीं लगा, सभी धर्मों में अच्छाइयां हैं, हमें उनको अपनाना चाहिए।

चूरू विधायक हरलाल सहारण ने कहा कि चूरू में रहकर खुद को गौरवान्वित महसूस करते हैं कि यहां कभी भी सांप्रदायिक माहौल खराब नहीं हुआ और यदि किसी प्रकार की घटना हुई भी तो यहां के गणमान्य लोगों ने बड़ी ही समझदारी से उसे निपटाया। फतेहपुर विधायक हाकम अली ने कहा कि सांप्रदायिक सद्भाव और भाईचारे को बढाने वाले ऐसे प्रोग्राम देखकर बहुत खुशी होती है।

उन्होंने सभी को दिवाली की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हम सब मिलकर रहेंगे तो कोई बाहरी ताकत हमें नुकसान नहीं पहुंचा सकती है। विधायक मनोज मेघवाल ने चूरू के भाईचारे और सांप्रदायिक सद्भाव से जुड़े संस्मरण सुनाते हुए कहा कि हिंदुस्तान की धरती ने हमेशा नफरत फैलाने वाले और बांटने वाले लोगों को मुंहतोड़ जवाब दिया है। समारोह की अध्यक्षता कर रहे गुरूदेव रामसिंह राठौड़ ने कहा कि कोई भी मजहब आपस में बैर रखना नहीं सिखाता है। उन्होंने कहा की हर वर्ष यह स्नेह मिलन कार्यक्रम किया जाता है, यह चूरू की एक जोरदार पहचान को पेश करता है। चूरू की यह पहल दूसरे सभी लोगों के लिए एक उदाहरण है। हम सब आपस में मिल-जुलकर रहेंगे, तभी यह देश और समाज खुशहाल बनेगा। इस अवसर पर शायद अब्दुल मन्नान मजहर चूरूवी, कांग्रेस प्रवक्ता एडवोकेट सद्दाम हुसैन, जावेद बेहलीम, शफी खान टीटी इत्यादि ने भी समारोह को सम्बोधित किया। समारोह में राधेश्याम चोटिया, चूरू फुटबॉल क्लब के अध्यक्ष शकील दुर्रानी, इस्माइल खान, असलम भाटी भालेरी, मुबारक अली भाटी, सिराज जोईया, डॉ. पुष्पा खारड़िया, अब्दुल सत्तार खोकर, ज्योति सिंह, हाजी अली मोहम्मद खान, महेश शर्मा, दानिश खान, महेन्द्र सिहाग, इमरान अन्सारी, मुजस्सिम भाटी, निसार खान, हमीद खान, इमरान खान, अरविंद शर्मा, एहसान खान, रिजवान खान, जावेद खान, आसिफ खान, महबूब खान, अजीज खान, टीपू खान, गुफरान, अब्बास अगवान, अख्तर खान, आबिद खान मोयल, गोपी शर्मा, मुराद अली, अहमद खोकर, एहसान खान, इरफान अंसारी, उम्मेद खां जाईया सहित बड़ी संख्या में सर्व समाज के गणमान्य लोग उपस्थित थे। समारोह का संचालन शायर इद्रीश राज चूरूवी ने किया। समारोह के आयोजक रियाजत अली खान ने सभी का आभार व्यक्त किया।

ऑर्गेनाइजेशन ऑफ़ इंटेलेक्चुअल मुस्लिम्स, चूरू की बैठक, समाज के मोअज़्ज़िज़ वयोवृद्ध हाजी याकुब थीम की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई

- सर्व सहमति से कार्यकारणी का विस्तार हुआ

मोहम्मद अली पठान

चूरू(रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर स्थित मदरसा दारुल उलूम में हाजी याकूब थीम की अध्यक्षता में एक बैठक हुई। जिसमें "मुस्लिम समुदाय की चुनौतियां" विषय पर समाज के कुछ इंटेलेक्चुअल/प्रबुद्ध मुस्लिम नागरिकों ने विचार विमर्श किया। बैठक की शुरुआत मुफ्ती मोहम्मद शफीक कासमी साहब ने तिलावते कुरआन के साथ की। उदबोधन के सिलसिले में सर्वप्रथम शौकत खां ने मीटिंग का उद्देश्य एवं मिशन पर विस्तृत रोशनी डालते हुए आज की चर्चा का विषय मुस्लिम समुदाय की चुनौतियों पर बताया। कि वैसे तो हमारे सामने बहुत सी चुनौतियां हैं जिनमें शिक्षा, रोजगार एवं सामाजिक न्याय जैसी मुख्य चुनौतियां हैं। जिन पर इत्तेहाद के साथ एकजुट होकर काम करने की आवश्यकता जताई और इन चुनौतियों पर काम करने के लिए हमें एक मेच्योर और प्रभावी संगठन की आवश्यकता है। उदबोधन की इस श्रंखला बैठक में उपस्थित सभी प्रबुद्ध जन ने एक-एक कर इस विषय पर अपने विचार रखें और सुझाव दिए। अन्त में "ऑर्गनाइजेशन ऑफ़ इंटेलेक्चुअल मुस्लिम्स,चूरू" की सर्वसम्मति कार्यकारिणी का गठन किया। जिसमें सर्वप्रथम अध्यक्ष के लिए शौकत खां रिटायर्ड एडिशनल कमिश्नर के नाम का प्रस्ताव आया। हालांकि उन्होंने असमर्थता जाहिर की थी, मगर उपस्थित समाज के सभी गणमान्य लोगों ने सर्व सम्मति से उनको अध्यक्ष घोषित कर दिया।

इसी प्रकार पूरी कार्यकारिणी का गठन भी सर्व सम्मति से किया गया जो निम्नानुसार रही ;-

संरक्षक : हाजी याकूब थीम
अध्यक्ष : शौक़त खान (रिटायर्ड एडिशनल कमिश्नर)
वरिष्ठ उपाध्यक्ष : अयूब खान (रिटायर्ड एडिशनल एसपी)
उपाध्यक्ष : डॉ शमशाद अली चेजारा (प्रोफेसर कॉलेज शिक्षा)
जनरल सेक्रेटरी : डॉ एफ़ एच गौरी (सीनियर फिजिशियन)
विधिक सलाहकार : मोहम्मद अय्याज खां (डीडीपी)
कोषाध्यक्ष : आरिफ खान (वाईस प्रिंसिपल)
जॉइंट सेक्रेटरी : डॉ क़ादिर हुसैन
जॉइंट सेक्रेटरी : उस्मान अंसारी
उप कोषाध्यक्ष : मोहम्मद रसीद खां (रिटायर्ड प्राध्यापक)
मीडिया प्रभारी : मोहम्मद अली पठान (जर्नलिस्ट)
मीडिया प्रभारी : करामत अली खान (उर्दू अदीब)

बैठक में समाज के प्रबुद्ध अधिकारीगण शिक्षाविद भँवर खान रिटायर्ड अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी, हाजी उस्मान गनी खां रिटायर्ड प्राध्यापक, मोहियुदीन अली रिटायर्ड प्राध्यापक, ज़ाकिर खान केके, सलीम खान दिलावरखानी, आरिफ खान एबीएस चूरू, हाजी अलाउद्दीन कुरैशी, हाजी जब्बार कुरैशी, मोहम्मद हबीब डायर, उस्मान गनी नीलगर, आवेश कुरैशी, मुबारिक अली, समीर खान इत्यादि शामिल रहे। शौकत खान ने सभी का आभार प्रकट किया। मीटिंग का संचालन मोहम्मद आरिफ खान वाईस प्रिंसिपल ने किया,। मीटिंग सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई।

'अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस': हंगामे की भेंट चढ़ा दिव्यांगजन का जिला स्तरीय समारोह

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस पर सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग की ओर से राजकीय बागला उच्च माध्यमिक विद्यालय में मंगलवार को आयोजित जिला स्तरीय सम्मान समारोह हंगामे की भेंट चढ़ गया। गौरतलब है कि बागला विद्यालय में आयोजित जिला स्तरीय सम्मान समारोह में उस वक्त हंगामा हुआ जब दिव्यांगों ने विधायक के सामने अपनी समस्याएं रखी। दिव्यांगजनों ने बोला की जिला कलेक्टर ने शिक्षा विभाग को निर्देशीत करने के बाद भी स्कूल में दिव्यांग नहीं पहुंचे। हुआ यूं की विशेष अध्यापक के पास जिला स्तरीय कार्यक्रम को लेकर कोई आदेश नहीं था। स्कूलों में केवल कार्यक्रम करवाने तक के ही आदेश थे, जबकि दिव्यांगों ने आरोप लगाया कि जिला स्तरीय कार्यक्रम का नाम देकर केवल खाना पूर्ति कर कार्यक्रम की इति श्री कर ली गई। इस दौरान रॉयल विकलांग विकास संस्था के प्रदेश अध्यक्ष अख्तर खान रूकनखानी के नेतृत्व में दिव्यांगों ने जमकर विरोध प्रदर्शन किया। दिव्यांगों ने विधायक से कहा कि हमने कई बार समाज कल्याण मंत्री, सामाजिक न्याय अधिकारिता विभाग के आयुक्त ,विधायक, जिला कलेक्टर, नगर परिषद आयुक्त, सभापति, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता अधिकारीता विभाग के सहायक निदेशक सहित अनेक अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों को ज्ञापन देकर सरस डेयरी बूथ, गुमटिया, नरेगा, इंदिरा रसोई, सहित सरकार की अनेक योजनाओं में रोजगार देने मांग की। लेकिन आज तक इनके कानों के नीचे जू तक नहीं रेंगी। दिव्यांग बोले हमें बीपीएल और खाद्य सुरक्षा में जोड़ने के आदेश केवल कागजों में सीमित कर रहे गए, विशेष विधालय 2021मे बनाने के आदेश हुए थे जो आज तक कागजों में ही सिमटकर रह गए। इस पर विधायक ने दिव्यागो से कहा कि आज मुझे मीटिंग में जाना है अगला कार्यक्रम इससे बेहतर करेंगे इसको लेकर विधायक और दिव्यांगों के बीच जमकर खींचतान हुई।

पठान बने डोमा परिसंघ प्रदेश सचिव

मारवाड़ जंक्शन(रॉयल पत्रिका)। दलित,ओबीसी,माइनॉरिटीज एवं आदिवासी परिसंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व आई आर एस व लोकसभा के पूर्व सांसद डॉक्टर उदित राज ने मारवाड़ जंक्शन, पाली के हाजी मोहम्मद खान पठान को डोमा परिसंघ राजस्थान प्रदेश का प्रदेश सचिव नियुक्त किया हैं। पठान मारवाड़ जंक्शन, पाली छेत्र के कांग्रेस के सम्मानित, कर्मठ और निष्ठावान कार्यकर्त्ता हैं। यह राज्य सेवा से राजस्व अधिकारी के पद से सेवानिवृत हुए हैं। स्थानीय मुस्लिम समाज के सर्व मान्य सदस्य हैं।राज्य सेवा में रहते हुए एवं सेवा निवृति के बाद भी अनेकों संघठनों एवं सामाजिक संस्थाओं में अपनी सेवाएं दे चुके हैं। प्रदेश सचिव बनाएं जाने पर पठान ने डॉक्टर उदित राज राष्ट्रीय अध्यक्ष, राष्ट्रीय कार्यकारिणी और राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष का आभार व्यक्त किया और निष्ठा पूर्वक कार्य करने का भरोसा दिलाया ।प्रदेश सचिव बनने पर पठान को बधाई देने वालों का तांता लगा हुआ हैं। डॉक्टर पोपट भाई पटेल, डॉक्टर अब्दुल रऊफ तोहिद कोटा, अब्दुल अज़ीज़, फज़लुर्ररहमान, हाजी शफ़ी मोहम्मद मंसूरी,हाजी मोहम्मद इब्राहिम सिलावट, देवीलाल गुर्जर, हाजी जाहिद अली एडवोकेट, अरुण कुमार जोशी, अब्दुल रज्जाक चढ़वा, मोहम्मद जाहिद गौरी, मोहम्मद इंसाफ़ सोलंकी, युसूफ अली, मोहम्मद यासीन रॉयल पत्रिका, हाजी कालू खान मोयला, धीराराम मीणा, मोहम्मद असगर कुरैशी, इरफ़ान अंसारी, मुनाज़िर अली, शैलेष वर्मा, अब्दुल समद राही, बाबु खान मेहर, इस्माइल खान छीपा, ख़लीफा मोहम्मद बख्श, मोहम्मद इस्माइल काज़ी, मोहम्मद रफ़िक उर्फ़ बाबू भाई गौरी, मोहम्मद सफ़ी भाटी, शरीफ़ अब्बासी,एडवोकेट मोहम्मद जावेद गौरी, मोहम्मद सतार पठान, नारायण सिंह राठौर, देवेंद्र सिंह मीणा, इस्हाक़

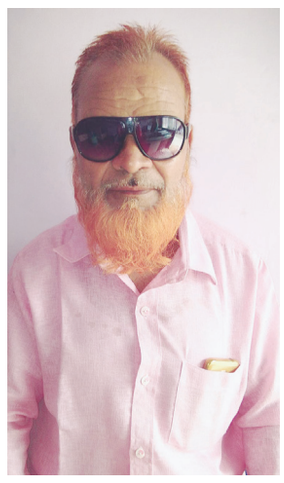

मोहम्मद, भोपाल खान सोलंकी, बरकत अली, अब्दुल मुख्तियार कारीगर, राकेश कुमार जोशी, सलीम अली, इकरामुद्दीन, शमसुद्दीन अगवान, नदीम बक्स, मेहराज अली चूड़ीघर, खालिद कादरी, रिज़वान् चढ़वा, इरफ़ान पठान, कुतुबउद्दीन, वफ़ाती खान रंगरेज, मलकुद्दीन कारीगर आदि कइयों ने मुबारकबाद पेश की हैं।

दावल शाह दुल्हा र.अ. का सालाना उर्स 18 दिसम्बर को, तैयारीया जोरों पर

सांचौर(रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय से मात्र 5 कि.मी. की दुरी पर स्थित गाँव-अगार में हजरत दावलशाह दुल्हा र.अ. का उर्स मुबारक 18 दिसम्बर को मनाया जाएगा। जिसको लेकर दरगाह इन्तेजामिया कमेटी के सदर निसार खॉ दईया ने बताया के दरगाह शरीफ को रंग बिरंगी लाईटो से सजाया गया। दरगाह को डेकोरेशन कर सवांरा गया। एक दिवसीय उर्स मुबारक को लेकर तैयारीयां पूरी कर दी है, लंगर का भी इंतजाम किया गया है। वहीं बाद नमाजे असर दारूल उलुम फैजे सरवरी पीर की जाल के तुलेबाओं द्वारा कुरान-ख्वानी होगी, बाद नमाजे ईशा मुकर्रीर हजरत अल्लामा अल्हाज मौलाना मोहम्मद इस्माईल अकबरी दारूल उलुम फैजे सरवरी पीर की जाल, एवं मौलाना मोहम्मद आरिफ़ साहब शाही जामा मस्जिद पेश ईमाम, कारी मोहम्मद ईरफान साहब, मौलाना आकिल अगार दीगर उलेमा ए इकराम की ईमान अफरोज तकरीर होगी। संदल की रस्म अदा होगी आखिर फातेहा कुल शरीफ होगी।

हिंदुस्तान जिंक की जीवन तरंग पहल से दिव्यांग बच्चों के लिए समावेशी समाज का निर्माण

- विशेष योग्यजन 900 से अधिक छात्रों के लिए शिक्षा की सुविधा

उदयपुर (रॉयल पत्रिका)। अजमेर की दसवीं कक्षा की छात्रा नीतू रावत जन्म से ही सुनने में असक्षम है। नीतू के माता-पिता उस समय निराश हो गए जब उन्हें एहसास हुआ कि उसकी स्थिति के कारण रोजमर्रा की बातचीत और पढ़ाई-लिखाई मुश्किल होने वाली है। नोएडा डेफ सोसाइटी (एनडीएस) के सहयोग से हिंदुस्तान जिंक के जीवन तरंग कार्यक्रम से उसका जीवन में बदलाव आया, उसे भारतीय सांकेतिक भाषा (आईएसएल), जीवन कौशल पर साक्षरता और नई तकनीकों पर साक्षरता से परिचित कराया गया। नीतू अब आत्मविश्वास के साथ अपनी सहपाठियों से बातचीत करती है, स्कूल में सक्रिय रूप से भाग लेती है और घर पर बेहतर समझ विकसित करने के लिए अपने भाई-बहनों को आईएसएल भी सिखाती है। नीतू की ही तरह भीलवाड़ा निवासी सातवीं कक्षा के छात्र मनीष कुमावत को भी जन्म से ही सुनने की समस्या थी। अपने परिवार में उन्हें अपने विचारों को व्यक्त करने और अपने आस-पास के लोगों को समझने में कठिनाई होती थी। हिंदुस्तान जिंक के जीवन तरंग कार्यक्रम ने मनीष के जीवन में उल्लेखनीय बदलाव लाया। एनडीएस प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में, उन्होंने आईएसएल सीखा और अपने बुनियादी ज्ञान में सुधार किया। आज, वह एक उज्जवल भविष्य का सपना देखते हैं।वर्ष 2017 से संचालित, हिंदुस्तान जिंक का जीवन तरंग कार्यक्रम विशेष योग्यजन वाले बच्चों की शैक्षिक जरूरतों को पूरा करने के लिए समर्पित है। अजमेर, भीलवाड़ा और उदयपुर के चार विद्यालयों में इस पहल से 900 से अधिक बच्चें लाभान्वित हो रहे है, उनके सीखने के अनुभवों को बदल रही है और समग्र विकास को बढ़ावा दे रही है। 600 से अधिक बच्चों को आईएसएल में प्रशिक्षित किया गया है, और 100 से अधिक दृष्टिबाधित बच्चों ने डेजी प्लेयर, स्मार्टफोन और कंप्यूटर का उपयोग कर प्रौद्योगिकी कौशल हासिल किया है छात्र स्वतंत्रता और उद्यमशीलता की सोच को प्रोत्साहित करने के लिए कला और शिल्प, ब्यूटीशियन प्रशिक्षण और गृह विज्ञान जैसे व्यावहारिक कौशल सीखते हैं। इसके अतिरिक्त, हिंदुस्तान जिंक ने कर्मचारियों, व्यावसायिक भागीदारों और समुदाय के सदस्यों को आईएसएल प्रशिक्षण शुरू देकर अपने प्रयासों को आगे बढ़ाया है, जिससे विशेष जरूरतों वाले लोगों के लिए समावेशिता का समाज तैयार हो रहा है।हिंदुस्तान जिंक की सामुदायिक विकास पहल विशेष जरूरतों वाले बच्चों को सशक्त बनाने से भी कही आगे है। शिक्षा, खेल, कौशल निर्माण, ग्रामीण बुनियादी ढांचे और स्थायी आजीविका में केंद्रित निवेश के माध्यम से, कंपनी ने राजस्थान और उत्तराखंड के 3,700 गांवों में 20 लाख से अधिक लोगों के जीवन को सकारात्मक रूप से प्रभावित किया है। भारत के शीर्ष 10 सीएसआर खर्च करने वालों में से एक के रूप में, हिंदुस्तान जिंक आत्मनिर्भर पारिस्थितिकी तंत्र बनाने के लिए प्रतिबद्ध है जो समुदायों का उत्थान करता है और समग्र ग्रामीण विकास को आगे बढ़ाता है।

जरूरतमंद बच्चों को दैनिक दिनचर्या व शिक्षा सम्बन्धित सामग्री वितरित की गई

चूरू(रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर जयपुर रोड स्थित मदरसा जामिया अरबिया इस्लामिया दारुल उलूम में मुफ्ती मोहम्मद शफीक कासमी की अध्यक्षता में डॉक्टर शाहरुख थीम फ़िज़ियोथेरेपिस्ट ने 250 जरूरतमंद बच्चों को किट वितरित किए। जिसमें शिक्षा सम्बन्धित व दैनिक दिनचर्या सामग्री थी और साथ ही साथ डॉक्टर शाहरुख थीम फ़िज़ियोथेरेपिस्ट ने बताया कि हमारी नैतिक जिम्मेदारी है कि हम बेसहारा लोगों का सहारा बनकर उनकी हर संभव मदद करें। इस अवसर पर प्रधानाध्यापक आवेश कुरैशी ने बताया कि जरूरतमंद बच्चों की सेवा करना सबसे बड़ा पुण्य का कार्य है। इस दौरान यूसुफ थीम, अतीक खान, हाफिज अब्दुल सत्तार, कारी जहीर, मास्टर आजम, मौलवी शौकत, मास्टर अब्दुल गफ्फार, मास्टर परवेज, कारी सोहेल, हाफिज हुजैफा, मौलवी शमशुलहुदा, मौलवी मासूम, मौलवी मूसा और सुबहान थीम आदि उपस्थित थे।

मुफ्ती ए आजम राजस्थान की सदारत में उलेमा ए किराम की मुस्लिम समुदाय में नशे के खिलाफ अहम बैठक

जोधपुर(रॉयल पत्रिका)। आध्यात्मिक इस्लामी संस्था दारुल उलूम इस्हाकिया हजरत मुफ्ती ए आजम राजस्थान शेर मोहम्मद खान साहब रजवी की सदारत में राजस्थान भर के उलेमा ए किराम की मुस्लिम समुदाय में नशे के खिलाफ एक अहम बैठक दारूल उलूम अशफाकिया चीरघर के सभागार में हुई। मौलाना बरकत अली अशरफी ने बताया कि मुफ्ती ए आजम राजस्थान शेर मोहम्मद खान साहब रजवी ने सदारत करते हुए अपने बयान में मुस्लिम समुदाय में युवाओं को नशा, जुआ, लड़ाई-झगड़े व हराम कामों से दूर रहने का आह्वान किया गया। रजवी ने कहा कि तीन महीने तक सभी उलेमा ए किराम मस्जिदों में जुम्मे के दिन व नमाजों के दौरान अपने अपने प्रवचन (तकरीरों) के जरीए प्रदेश भर मे इस मुहिम का अभियान चलाएंगे। सभी उलेमा ए किराम ने सामुहिक रुप से फैसला लिया कि उसके बाद भी अगर कोई मुस्लिम नशा, जुआ, लड़ाई-झगड़े व हराम कामों से दूर नहीं रहता है तो उसकी नमाज ए जनाजा नहीं पढ़ाई जाएगी और समाजिक बायकाट भी किया जा सकता है। इस अहम मीटिंग में नागौर, हनुमानगढ़, अलवर, चूरू, सीकर, सुजानगढ़, जयपुर, उदयपुर, बांसवाड़ा, कोटा, अजमेर, बाड़मेर, जैसलमेर, बीकानेर, जालोर, सिरोही, आबूरोड, फालना, सुमेरपुर, पाली,, बूंदी, गोटन, मेड़ता, पीपाड़, फलोदी सहित सभी जिलों और शहरों से बड़ी तादाद में दारूल उलूम इस्हाकिया से डिग्री प्राप्त अशफाकी उलेमा ए किराम ने शिरकत की। आखिर में देश के लिए अमनो शांति की दुआ की गई और मुफ्ती ए आजम राजस्थान ने सबका शुक्रिया अदा किया।

सांचौर जिला कलेक्टर के हाथों सूफी संत अमन आश्रम गरड़ाली में ग्रन्थ का विमोचन

सांचौर(रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय से मात्र 5 किलो मीटर पर स्थित सर्व धर्म समन्वय एवं सूफी शौध संस्थान अमन आश्रम गरड़ाली में ग्रंथ विमोचन एवं परिचर्चा के कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सांचौर जिला कलेक्टर शक्तिसिंह राठौड़ के हाथों ग्रंथ विमोचन एवं परिचर्चा के कार्यक्रम आयोजित हुआ। जिसमें जिला शिक्षा अधिकारी सज्जाद हुसैन एवं डॉ. अरूण दवे वरिष्ठ साहित्यकार भीनमाल, हिन्दसिंह दुठवा प्रधानप्रतिनि चितलवाना की उपस्थिति में आयोजित हुआ। जिला कलेक्टर शक्तिसिंह राठौड़ ने डॉ. हुसैन खॉ शेख का शॉल एवं डॉ. अरूण दवे वरिष्ठ साहित्यकार भीनमाल ने माला पहनाकर स्वागत किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला कलेक्टर ने कहा कि प्रेम एक ऐसी विचारधारा है जिसमें सर्व धर्म सम्मान रहता है। संक्रीनता, आतंकवाद, उग्रवाद को निपटने में- उसे चुनौती देने में सूफी वाद साहित्यकार सूफी परंपरा ही एक मात्र रास्ता है। जिला शिक्षा अधिकारी सज्जाद हुसैन, डॉ. अरूण दवे वरिष्ठ साहित्यकार भीनमाल एवं हिन्दसिंह दुठवा ने भी सूफी साहित्यकार के बारे अपने विचार रखे। डुंगराराम पुराहित ने कहा शब्द कुछ ऐसे कहू के गीत बन जाए काम कुछ ऐसे करू सब नीत बन जाए मनुष्य जीवन पाया धर्म और कर्म का पालन कर हवा पर ऐसे कहो फूल खिल खिलाए आज के हालात को किस कद्र लोगों के जेहन में उसे सूफी साहित्यकारों के विचार रखे। डॉ. हुसैन खॉ शेख, डॉ. विष्णुदास, डॉ. प्रवीण जी पाड्या, डॉ. उदाराम जी वैष्णव, चिरंजीलाल दवे, घनश्याम जी, पार्षद बिरबल विश्नोई, एडवोकेट बंशीलाल वैष्णव सहीत कई वक्ताओं ने सूफी साहित्यकारों के अपने अपने विचार रखे। इस मौके पर सरपंच कमलेश विश्नोई प्रतापपुरा, रविन्द्र प्रतापसिंह नायब तहसीलदार, हरीसिंह जी, डॉ. ईमाम खॉ, प्रवीन जी, मास्टर भीखुशाह, पटेल मोहम्मद शाह, हाजी खुदा बक्ष, डॉ. ललीत त्रिवेदी, पोपटलाल जोशी, गीरधारी लाल प्रजापत, ठेकेदार मुस्ताक खॉ, ध्यानदास वैष्णव, पूनमाराम चौधरी, सैयद लतीफ शाह बिकानेर, तेजाराम चौधरी, मनोहरलाल खन्नी, जाल मोहम्मद शाह, मनोज सारण, जावेद खॉन, लक्ष्मीनारायण त्रिवेदी सहीत कई बुद्धिजीवी नागरिक उपस्थित थे।

टेनिस स्टार एरिन मीर ने जीती अंडर 16 AIR चैंपियनशिप

श्रीनगर(एजेंसी)। कश्मीर की उभरती हुई टेनिस स्टार एरिन मीर ने शुक्रवार को दिल्ली के द्वारका में अपनी पहली अंडर-16 ऑल इंडिया रैंकिंग चैंपियनशिप सीरीज नेशनल जीतकर एक और उपलब्धि हासिल की। इससे पहले उन्होंने पिछले एक महीने में लगातार चार नेशनल चैंपियनशिप जीती थीं। कश्मीर के श्रीनगर की एरिन ने नवंबर 2024 के आखिरी हफ्ते में गुड़गांव में एक ही दिन अंडर-12 और अंडर-14 की दो नेशनल चैंपियनशिप सीरीज जीती हैं। उन्होंने नवंबर के पहले हफ्ते में दिल्ली में अंडर-14 नेशनल चैंपियनशिप सीरीज भी जीती है। वह ऑल इंडिया टेनिस एसोसिएशन रैंकिंग में शीर्ष-20 में जगह बनाने वाली जम्मू-कश्मीर की पहली लड़की हैं। उन्हें 27वीं रैंकिंग मिली है। चार साल की उम्र से ही खेलों में गहरी दिलचस्पी दिखाने वाली और अपने ऊर्जावान स्वभाव के कारण टेनिस की ओर झुकाव रखने वाली एरिन को अपने पिता के साथ टेलीविजन पर खेल देखते समय बहुत दिलचस्पी होती थी। लेकिन बचपन में इतनी जल्दी खेल खेलना बहुत जल्दी था। हालाँकि, अपने पिता के इकलौते बच्चे एरिन के खेल के प्रति जुनून ने उसके अंदर पैदा हुए जोश को और बढ़ा दिया, उसे चार साल की उम्र से ही लगभग दो साल तक बुनियादी टिप्स मिलने का मौका मिला। उसके पिता भी खेलों के शौकीन थे, वे चाहते थे कि उनकी बेटी खेलों में जाए क्योंकि उन्होंने उसे चार साल की उम्र से ही "खेल गतिविधियों में बेहतरीन प्रदर्शन करते" देखा था।उसके पिता के अनुसार, एरिन को अलग-अलग खेलों में गहरी दिलचस्पी थी क्योंकि उसने उन्हें टेलीविज़न पर कई तरह के खेल कार्यक्रम देखते हुए देखा था। "वह सिर्फ़ चार साल की उम्र से ही बेहतरीन प्रदर्शन करने लगी थी।।।। क्योंकि वह टीवी पर देखकर जिमनास्टिक में गहरी दिलचस्पी के साथ उछल-कूद करती थी", उसके पिता ने आवाज़- द वॉयस को बताया। उन्होंने कहा कि मुंबई में रहने के दौरान एरिन में "बहुत ज़्यादा ऊर्जा" थी और वह "टेनिस में थोड़ी ज़्यादा सक्रिय थी", जिसके कारण उसे इस खेल में उचित कोचिंग की ज़रूरत थी। हालाँकि कोचिंग के लिए किसी भी खेल अकादमी तक पहुँच पाना इतना मुश्किल नहीं था, लेकिन एरिन ट्रेनिंग के लिए जाने के लिए बहुत छोटी थी। हालांकि, उसे छह साल की उम्र तक दो साल तक नियमित रूप से खेल की मूल बातें बताई गईं। लेकिन अगले दो साल तक उसके अंदर खेल के प्रति लालसा कम नहीं हुई, जबकि परिवार कोविड अवधि के दौरान जम्मू चला गया था। परिवार के अपार सहयोग से एरिन को दिल्ली ले जाया गया, जहाँ वह प्रतिष्ठित टेनिस कोच विनोद कुमार से प्रशिक्षण ले रही है। अब तीन साल हो गए हैं और वह केवल 11 साल की उम्र में खेल गतिविधि में राष्ट्रीय स्तर पर पहुंचने में सफल रही है। उसने मार्च, 2022 में अपना पेशेवर प्रशिक्षण शुरू किया और दिल्ली लॉन टेनिस अकादमी के मुख्य कोच विनोद कुमार से प्रशिक्षण प्राप्त कर रही है। एरिन हरियाणा के गुड़गांव (गुरुग्राम) में बॉलपार्क टेनिस अकादमी में प्रशिक्षण ले रही है। एरिन अपने घर से बहुत दूर, विनोद कुमार से औपचारिक प्रशिक्षण ले रही है, जो कई टेनिस सितारों को कोचिंग देने के लिए जाने जाते हैं। वह गुड़गांव में अपनी मां के साथ रहती है। जबकि वह अपना अधिकांश समय कोचिंग में बिताती है, वह 5वीं कक्षा की अपनी पढ़ाई भी जारी रखती है। उनका लक्ष्य न केवल राष्ट्रीय स्तर पर बल्कि उससे भी आगे जाकर, अपनी रुचि और चुने हुए खेल के प्रति कड़ी मेहनत और समर्पण के साथ उत्कृष्टता हासिल करना है।

अटल महोत्सव 16 दिसंबर को, मिर्जा इकबाल बैग का अटल सेवा श्री सम्मान

जयपुर(रॉयल पत्रिका)। भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री स्वः श्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयन्ती महोत्सव का शुभारम्भ कार्यक्रम रत्न बाग जयपुर में राष्ट्रीय समता स्वतत्र मंच के द्वारा भारत नेपाल सांस्कृतिक समन्वय सम्मेलन एवं विचार प्रजेंटेशन का भव्य कार्यक्रम रखा गया है। जयन्ती महोत्सव कार्यक्रम में भारत की प्रतिष्ठा भारत की शक्ति भारत के पंचशील सिद्वान्तो पर चर्चा होगी। मध्यप्रदेश सरकार के केबिनेट मंत्री श्री रवि करण साहू चैयरमेन, मध्यप्रदेश तेल घाणी बोर्ड मुख्य अतिथी होगें। मुख्य वक्ता महावीर प्रसाद टोरडी विशिष्ट सलाहकार महामहिम प्रथम उपराष्ट्रपति नेपाल होगें। कार्यक्रम में क्षेत्रीय सामाजिक कार्यक्रर्ता का मिर्जा इकबाल बैग समाज सेवी कटराथल तह. सीकर राज. को "अटल सेवा श्री अवार्ड" से विभुषित किया जायेगा। मुख्य सलाहकार कुलदीप प्रसाद शर्मा एडवोकेट ईस्ट-वेस्ट लॉ फर्म काठमाण्डू नेपाल ने बताया कि अटल महोत्सव का समापन काठमांडू नेपाल में 25 दिसम्बर को होगा। समापन समारोह में 22 राष्ट्र सम्मलित होकर भारत-नेपाल की वैदिक कालीन संस्कृति का पुर्नउत्थान है। भारत पुनः वैदिक कालीन जगत गुरू के आसन पर पद् स्थापित हो भारत को सुरक्षा परिषद में वीटो पावर के साथ स्थाई सदस्यता मिले, अयोध्या को संयुक्त राष्ट्र संघ का मुख्यालय बनाया जाए, पर चर्चा होगी। 16 दिसंबर को अटल जयन्ती महोत्सव में मिर्जा इकबाल बैग का कर्मस्थती से विकास तक सेवा कार्यो का अवलोकन कर अनवरत परिश्रम पर अटल सेवा श्री सम्मान के लिए चयन किया गया है। इण्डो-नेपाल समरसता मिशन यात्रा में सम्मेलित सांस्कृतिक षिष्टमण्डल सदस्यों का स्वागत भी किया जायेगा।

अमेरिका: गायों के दूध से बर्ड फ्लू का संक्रमण

वॉशिंगटन(एजेंसी)। अमेरिका में गायों के दूध से बर्ड फ्लू का संक्रमण फैलने का खतरा है। सरकार ने गायों में वायरस के संक्रमण की निगरानी के लिए हर डेयरी के दूध की बर्ड फ्लू के लिए जांच का आदेश दिया है। आदेश के अनुसार, 16 दिसंबर से डेयरी के कच्चे या बिना पाश्चुरीकृत दूध की जांच की जाएगी। अमेरिका में बर्ड फ्लू से 58 लोग संक्रमित हो चुके हैं। डेयरी में गाय इससे पीड़ित हैं।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार गैर-इस्लामी कृत्य

- मुस्लिम बुद्धिजीवियों ने मोहम्मद यूनुस को लिखा पत्र

नई दिल्ली(एजेंसी) बांग्लादेश में हिंदुओं पर लगातार हो रहे अत्याचारों के खिलाफ दुनिया भर में आवाजें उठ रही हैं, ऐसे में भारत के प्रमुख मुस्लिम बुद्धिजीवियों, पत्रकारों और पूर्व नौकरशाहों ने बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचारों की कड़ी निंदा की है। इसे गैर-इसलामी करार दिया है। सिटीजन्स फॉर फ्रेटरनिटी समूह ने बांग्लादेश के अंतरिम नेता मोहम्मद यूनुस को पत्र लिखकर वहां अल्पसंख्यकों के साथ "दुर्व्यवहार" की कड़ी निंदा की है और बांग्लादेशी अधिकारियों से सुधारात्मक कदम उठाने का आग्रह किया है। पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त एसवाई कुरेशी , दिल्ली के पूर्व उपराज्यपाल नजीब जंग, एएमयू के पूर्व कुलपति जमीरुद्दीन शाह, पूर्व सांसद शाहिद सिद्दीकी और उद्योगपति सईद शेरवानी द्वारा हस्ताक्षरित पत्र में कहा गया है कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यक के प्रति हालिया घटना और रवैया भयावह है। भारतीय मुसलमानों के लिए बड़ी चिंता का कारण है। सिटीजन्स फॉर फ्रेटरनिटी समूह ने अपने पत्र में कहा,मुसलमानों के रूप में, हम इस तरह के गैर-इस्लामी व्यवहार से निराश हैं, जो स्पष्ट रूप से इस्लाम के सिद्धांतों और पैगंबर द्वारा दिखाए गए मार्ग के खिलाफ है।हमें पूरी उम्मीद है कि बांग्लादेश सरकार सभी सांप्रदायिक तत्वों पर नकेल कसेगी। अपनी हिंदू आबादी के साथ-साथ अन्य अल्पसंख्यकों के लिए पूर्ण सुरक्षा सुनिश्चित करता है।"पत्र में कहा गया है कि अल्पसंख्यकों को उनकी जाति या धर्म की परवाह किए बिना सुरक्षा प्रदान की जानी चाहिए। पत्र में लिखा है कि हम वास्तव में उम्मीद करते हैं कि बांग्लादेश सरकार सभी सांप्रदायिक तत्वों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करेगी और अपनी हिंदू आबादी के साथ अन्य अल्पसंख्यकों के लिए पूर्ण सुरक्षा सुनिश्चित करेगी।हम इसकी कड़ी निंदा करते हैं। पत्र में कहा गया है कि यह कायरतापूर्ण कृत्य है जो अल्पसंख्यकों की रक्षा के महत्व पर जोर देते हुए इस्लाम को नकारात्मक रूप में चित्रित करता है। अल्पसंख्यकों के साथ व्यवहार लोकतंत्र की एक महत्वपूर्ण परीक्षा है।अल्पसंख्यकों को उनकी जाति और रंग की परवाह किए बिना सभी समाजों में संरक्षित किया जाना चाहिए।पत्र में स्थिति का जिक्र किया गया है।कहा गया है कि सबसे दर्दनाक बात यह है कि कोई भी वकील अपने सह-धर्मवादियों के प्रतिशोध के डर से पीड़ित का बचाव करने के लिए तैयार नहीं है। यदि बांग्लादेश की वर्तमान सरकार ने इस दुखद घटनाक्रम को नहीं रोका तो यह मौन समर्थन को प्रतिबिंबित करेगा।दक्षिण एशिया को क्षेत्र में हो रहे इस नाटकीय विकास पर विचार करने की आवश्यकता है।हमें मानवाधिकारों और अल्पसंख्यकों के हितों की सुरक्षा के लिए संयुक्त राष्ट्र चार्टर के इस उल्लंघन की निंदा करनी चाहिए।हम अल्पसंख्यकों के साथ इस दुर्व्यवहार की कड़ी निंदा करते हैं और बांग्लादेशी अधिकारियों से तत्काल और सुधारात्मक कदम उठाने की अपील करते हैं।

गीतांजली हॉस्पिटल में हुआ देहदान

उदयपुर(रॉयल पत्रिका)। गीतांजली मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल, उदयपुर में भगवती लाल जी सा पोरवाल तोतावत का संथारापूर्वक देहदान किया गया। गीतांजली हॉस्पिटल इस महान कार्य और सेवा भावना को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। भगवती लाल जी के पुत्र गीतांजली हॉस्पिटल में कार्यरत अंकित पोरवाल (जीएम फार्मेसी) व उनके परिवार की इच्छा से देहदान किया गया| अंकित ने बताया कि उनके पिताजी का मानना था कि जीते जी तो सब काम आ जाते हैं परन्तु यदि मरने के बाद भी देह काम आ सके और जिससे भावी डॉक्टर्स अनुसन्धान कर सकें और समाज को अच्छे डॉक्टर मिले इसके लिए ये सोच रखना बहुत आवश्यक है और हमारी ज़िम्मेदारी भी| इस अवसर पर एक्ज़ीक्यूटिव डायरेक्टर श्री अंकित अग्रवाल, सीईओ श्री ऋषि कपूर, सीऍफ़ओ श्री रोशन जैन, सीएचआरओ डॉ राजीव पंड्या, डीजीएम सेल्स एंड मार्केटिंग श्री कल्पेश चंद रजबार, श्री विनोद शर्मा, श्रीअमित बंसल, श्री सुनील वर्मा, श्री नारायण अग्रवाल, श्री अर्जुन जोशी सहित गीतांजली यूनिवर्सिटी के फैकल्टी और देहदानकर्ता के परिवारजन उपस्थित रहे और सभी ने भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

बशर अल असद के भागते ही इजरायल को मिला मौका

- 50 साल बाद सीरिया में घुसे इजरायली सेना के कमांडो, मचाई तबाही

तेल अवीव(एजेंसी)। ईरान और रूस के गढ़ रहे सीरिया में अलकायदा से जुड़े सुन्नीस विद्रोही गुट एचटीएस का कब्जा हो गया है। सीरिया के राष्ट्र पति बशर अल असद अब रूस भाग गए हैं। वहीं अमेरिकी बॉम्बेर्स ने इजरायल के साथ मिलकर सीरिया के सैन्यर ठिकानों और केमिकल वेपन की फैक्ट्री पर जोरदार हवाई हमला करके उसे तबाह कर दिया है। अमेरिका और इजरायल दोनों को डर था कि ये हथियार विद्रोहियों के हाथ में पड़ सकते हैं। इस बीच जमीन से भी इजरायल की सेना ने सीरिया के अंदर प्रवेश किया है। साल 1974 की संधि के बाद ऐसा पहली बार हुआ है जब इजरायली सेना ने सीरिया की जमीन पर कदम रखा। यही नहीं इजरायली सेना ने गोलान हाइट्स के पास 10 किमी अंदर सीरियाई जमीन पर कब्जाय करके एक बफर जोन भी बना दिया है। इजरायल का कहना है कि उसने अपने नागरिकों की सुरक्षा हेतु कुछ समय के लिए यह कदम उठाया है। इस बीच इजरायली वायुसेना ने सीरिया के अंदर घुसकर कई सैन्यर ठिकानों पर हमला बोला है। इजरायली सैन्यब सूत्रों ने कहा कि यह हमला बहुत ही भीषण था। रविवार को इजरायली सेना ने इजरायल सीरिया सीमा पर गोलान हाइट्स के अंदर एक बफर जोन बनाया है।

असद शासन के अंत के साथ ही सीरिया से ईरान का प्रभाव भी खत्मस हो गया है और इससे इजरायल को बड़ा मौका मिला है। अब ईरान सीरिया के रास्ते अब लेबनान में हिज्बुसल्लाहह को हथियार नहीं भेज पाएगा।

माशूक अली चिश्ती
सदर

शकील अहमद (शेखू)
सेकेट्री

गुलजार बेहलीम
खजांची

जनाब माशूक अली चिश्ती को पंचायत शाह समाज बारां के सदर बनने
जनाब शकील अहमद (शेखु) को सेकेट्री व
जनाब गुलजार बेहलीम को खजांची बनने पर
बहुत-बहुत मुबारकबाद

मिनजानिब:- पंचायत शाह समाज बारां।

Regd. No. 488/94-95 बोर्ड का परीक्षा परिणाम 100%
माध्यमिक शिक्षा बोर्ड अजमेर द्वारा मान्यता प्राप्त
आज़ाद सीनियर सैकण्डरी स्कूल
नर्सरी से XII तक
हिन्दी व अंग्रेजी माध्यम के साथ
दिखावा नहीं वास्तविकता
श्रेष्ठ परिणाम ही सही विद्यालय की पहचान है।

डॉ. मो. अश्फ़ाक नक़वी, डायरेक्टर
मो.- 9649007786, ऑफिस : 8955383786
मीठी कोठी, सूरजपोल रोड, जयपुर

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्त्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए डीबी प्रिंट सोल्यूशन्स (यूनिट ऑफ डीबी कॉर्प लि.) 10, जेएलएन मार्ग, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मों. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886, G-mail : royalpatrika@gmail.com, Yahoo : royal_patrika@yahoo.com